RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, गुरुवार
13.8.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 292
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी, 33 अभयारण्य संरक्षण प्रयासों को दे रहे मजबूती : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व हाथी दिवस पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाथी को भारत की पारिस्थितिकी विरासत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए देश के मजबूत संरक्षण प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी पाए जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 33 हाथी अभयारण्य हैं, जो हाथियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके दीर्घकालिक संरक्षण के प्रयासों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। मोदी ने हाथी संरक्षण के प्रयासों में योगदान देने वाले वनकर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व हाथी दिवस पर हम उस विशालकाय और गौरवशाली हाथी का उत्सव मनाते हैं, जो भारत की पारिस्थितिकी विरासत का अभिन्न हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि भारत दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथियों का घर है। उन्होंने कहा कि देश के 33 हाथी अभयारण्य हाथियों के लिए आवास उपलब्ध कराते हैं और उनके दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने संरक्षण से जुड़े सभी वनकर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों की भूमिका की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर युवाओं से किया दूसरों के संघर्ष से सीख लेने आग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरे लोगों के जीवन के संघर्षों से सीख लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रील और सोशल मीडिया के दौर में शॉर्टकट की प्रवृत्ति बढ़ रही है। युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट छोटा कर देता है। आत्मकथाओं के जरिए किसी व्यक्ति के जीवन के साथ उस दौर के इतिहास को भी करीब से समझा जा सकता है। उन्होंने यह विचार पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स के लोकार्पण समारोह में व्यक्त किए। मोदी ने कहा कि कोविंद की जीवन यात्रा, उनके संघर्ष और देश के लिए योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज के लिए धरोहर बनेगी। पुस्तक का शीर्षक यह संदेश देता है कि पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के जीवन के संघर्ष व्यक्तिगत थे, लेकिन उनसे मिली

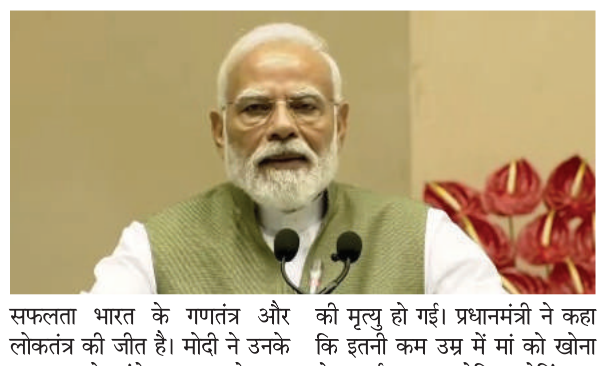

सफलता भारत के गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। मोदी ने उनके साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति को करीब से जानने और राष्ट्रपति के रूप में उनका मार्गदर्शन पाने का अवसर मिला। उन्होंने कोविंद के स्नेह और आत्मीयता को अपनी बड़ी पूंजी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद ने सामान्य परिवार से निकलकर अपनी मेहनत और क्षमता के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का सफर तय किया। उन्होंने कहा कि कानपुर देहात में एक सामान्य परिवार में जन्मे कोविंद के घर में एक बार आग लग गई थी। इस हादसे में उनकी मां की मृत्यु हो गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी कम उम्र में मां को खोना बेहद दर्दनाक था, लेकिन कोविंद इन परिस्थितियों से टूटे नहीं बल्कि और मजबूत होकर आगे बढ़े। पड़ोस की एक महिला ने उनके पालन-पोषण में मदद की, जबकि उनके पिता ने परिवार को संभाला और बच्चों को संस्कार दिए। कोविंद अपने पिता को अपना हीरो मानते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद ने बचपन की कठिन परिस्थितियों के बीच शिक्षा को अपनी ताकत बनाया। संसाधनों की कमी को उन्होंने कमजोरी नहीं बनने दिया और मेहनत के बल पर आगे बढ़ते हुए राष्ट्रपति पद तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कोविंद की सादगी और विनम्रता बनी रही। मोदी ने कहा कि वह प्रोटोकॉल से अलग राष्ट्रपति भवन में अपने कार्यकाल में आत्मीयता के साथ व्यवहार करते थे और प्रधानमंत्री को विदा करने के लिए गाड़ी तक आते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद कोविंद जब अपने गांव परौंख गए तो उन्होंने अपने गुरुओं के पैर छुए और गांव की मिट्टी को नमन किया। उनके इस आचरण ने दुनिया के सामने भारतीय संस्कारों की तस्वीर पेश की।

उन्होंने कहा कि कोविंद का जीवन उस भारत के सपने को साकार करने का उदाहरण है, जहां गरीब और वंचित व्यक्ति भी अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। मोदी ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां समाज के अंतिम व्यक्ति को भी आगे बढ़ने का अवसर मिले।

मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर पर लगा प्रतिबंध, मुख्यमंत्री ने जारी किए निर्देश

एजेंसी, भोपाल

महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इसके स्पष्ट निर्देश दिए। सरकार का उद्देश्य नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों पर लगाम लगाकर प्राकृतिक दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है। दरअसल, एनालॉग पनीर को असली दूध के विकल्प के रूप में तैयार किया जाता है। इसे बनाने में असली दूध के बजाय या दूध के साथ वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट), स्टार्च और अन्य रसायनों/सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। लागत कम होने के कारण बाजार में होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर इसकी खपत काफी बढ़ गई थी। मध्य प्रदेश में रोजाना करीब 300 से 400 क्विंटल यानी महीने में लगभग 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर की बिक्री का अनुमान जताया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि हम प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढाएंगे और प्राकृतिक रूप से ही पनीर बनाएंगे। बुधवार को गुजरात रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री निवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

अन्य राज्यों की तरह मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर पूरी तरह रोक लगाई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी और असली दूध से बने गुणवत्तापूर्ण पनीर के उत्पादन को ही बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो। गौरतलब है कि, एनालॉग पनीर की बिक्री पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भी सख्त रुख अपनाया है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने एनालॉग पनीर को स्वास्थ्य के लिए घातक बताते हुए कहा कि केवल वैधानिक चेतावनी (जैसे सिगरेट के पैकेट पर) लिख देने से खतरा कम नहीं होता। उन्होंने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को नोटिस जारी करने की बात कही और स्पष्ट किया कि साधारण जांच से इसे पकड़ना मुश्किल होता है, इसलिए राज्यों द्वारा इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना ही उचित कदम है।

सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन पर चर्चा को तैयार : अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से चर्चा कर इस विषय पर पर्याप्त समय आवंटित करने का अनुरोध किया है। अमित शाह ने पत्र में कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सहमति दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के आग्रह पर पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा हो चुकी है,

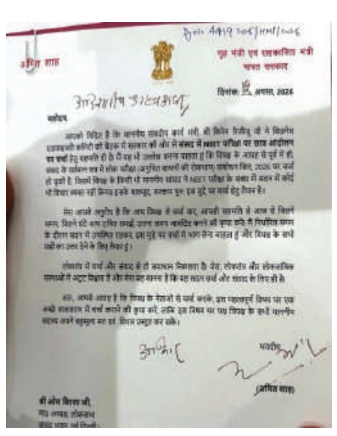
अमित शाह
दिनांक ... अगस्त, 2026
(अमित शाह)

जिसमें विपक्ष के किसी भी सांसद ने नीट परीक्षा के संबंध में सदन में कोई विचार व्यक्त नहीं किया। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए फिर तैयार है। गृहमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से आज से जितना समय और जितने घंटे उचित समझें, उतना समय इस मुद्दे पर चर्चा के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के दौरान वह सदन में उपस्थित रहकर इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हैं। शाह ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है और उनका मानना है कि सदन चर्चा और संवाद के लिए ही है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्ष के नेताओं से चर्चा कर इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में अच्छा वातावरण बनाने का आग्रह किया ताकि पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य इस मुद्दे पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकें।

विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: किरण रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को कहा कि वह मौजूदा स्थिति से निराश हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में पहली बार वे ऐसी स्थिति देख रहे हैं, जब सरकार खुद संसद में चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा है। किरण रिजिजू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "मैं पूरी तरह निराश हूं। पहली बार अपने जीवन में ऐसी स्थिति देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा चाहती है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है।" उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में सामान्य तौर पर विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार उस पर जवाब देती है लेकिन मौजूदा स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से कह रही है कि वह चर्चा कराने और सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष सरकार का जवाब

सुनना नहीं चाहता। रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने विपक्ष के सामने बार-बार चर्चा के लिए अपनी सहमति और तत्परता जाहिर की लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हो रहा है। इसी वजह से केंद्रीय गृहमंत्री को एकबार फिर लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखना पड़ा। रिजिजू के मुताबिक, गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में दोहराया है कि सरकार सदन में खुले, व्यापक और विस्तृत तरीके से चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्षी नेताओं को चर्चा के लिए सहमत कराने का आग्रह किया है।

एन. चंद्रशेखरन ने किया टाटा समूह के अध्यक्ष पद से हटने का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली । देश के अग्रणी उद्योग समूह टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने आज घोषणा की कि वह अपने वर्तमान कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त होने पर पुनर्नियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तुत नहीं करेंगे। उन्होंने बोर्ड से शीघ्र उनका उत्तराधिकारी चुनने का अनुरोध किया है। आयु में 63 वर्ष के हो चुके चंद्रशेखरन ने बुधवार को अपने वक्तव्य में कहा कि टाटा समूह में उनके पेशेवर जीवन के 40 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देना उनके लिए अत्यंत संतोषजनक रहा है। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना उनके लिए बड़ा सम्मान और गहरी जिम्मेदारी रही है। चंद्रशेखरन ने स्पष्ट किया कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से उनका अगला कार्यकाल पांच वर्षों के लिए बढ़ाने की सिफारिश की थी। यह प्रस्ताव टाटा संस की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति और बोर्ड ने अनुशंसित किया था।

असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे, 112718 नागरिक प्रभावित

एजेंसी, गुवाहाटी

असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे हैं और 112718 नागरिक प्रभावित हैं। नदियों का जलस्तर लगातार कम हो रह है।इससे कई जिलों में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। मगर कई जिलों में बाढ़ का असर अब भी है। यहां के प्रभावित लोग राहत शिविरों के साथ ही तटबंधों पर प्लास्टिक के टेंट में आश्रय लिए हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा प्रतिदिन समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को हर संभव कदम उठाने का निर्देश दे रहे हैं। वह मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा भी कर रहे हैं। स्वयंसेवी संगठन एवं निजी स्तर पर भी लोग प्रभावितों की मदद में जुटे हुए हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 11 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार, धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। अब तक बाढ़ से 102 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी भी गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, जोरहाट, दरंग, लखीमपुर और नगांव जिला बाढ़ से घिरे हुए हैं। इन जिलों के 25 राजस्व मंडलों के कुल 441 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य के कुल 112718 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हैं। 10879.03 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक जुटे हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में मंगलवार को सरकार ने 67 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 10 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। नावों के जरिए 121 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की चार्जशीट पर फास्ट ट्रैक कोर्ट ने लिया संज्ञान

एजेंसी, नई दिल्ली

पेपर लीक मामले की सुनवाई करने वाले दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के फास्ट ट्रैक कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया है। स्पेशल जज अजय गुप्ता ने चार्जशीट पर संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस मामले के 13 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लिया। सीबीआई ने 13 लोगों को आरोपित बनाया है। सीबीआई ने जिन लोगों को आरोपित बनाया है, उनमें यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा

मंधारे और मनीषा संजय हवलदार शामिल हैं। ये सभी आरोपित अभी न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 315(5), 318(4), 61(2), 238, 303(2), भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) और 13(1)(ए) और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट की धारा 10 ,धारा 3, 4, 5 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, 31 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में मकान सूचीकरण का काम पूरा

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में जनगणना-2027 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। जनगणना के पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना का काम 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। बाकी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह काम सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियां भी पूरी की जा रही हैं। भारत के राजपत्र में 03 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, लद्दाख तथा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फबारी वाले इलाकों में जनसंख्या गणना 01 सितंबर से 30 सितंबर तक कराई जाएगी। इसके बाद 01 से 05 अक्टूबर तक दोबारा जांच और सुधार का काम किया जाएगा। इन इलाकों के लोगों को 17 अगस्त से 31 अगस्त तक ऑनलाइन खुद जनगणना में जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी दी जाएगी। जनगणना में पहली बार लोगों को यह ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार ने बताया कि जनगणना के पहले चरण में आंकड़े जुटाने के लिए मोबाइल एप और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। इनमें जनगणना प्रबंधन

एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल भी शामिल है। जनगणना के दूसरे चरण के लिए भी डिजिटल उपकरण तैयार किए जा चुके हैं। इससे जनगणना के दौरान आंकड़े जुटाने और उनकी निगरानी की प्रक्रिया को अधिक आसान और प्रभावी बनाया जा सकेगा। पहले चरण के लिए मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर, जनगणना कर्मचारी और पर्यवेक्षकों समेत जनगणना कर्मियों का प्रशिक्षण राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहयोग से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा किया जा चुका है या जारी है। सरकार ने जनगणना से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 4,102 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस राशि का इस्तेमाल जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण, कर्मचारियों की व्यवस्था, तकनीकी ढांचे, जनगणना कर्मियों को मानदेय देने और अन्य जरूरी कार्यों में किया जा रहा है। जनगणना-2027 में डिजिटल तकनीक के व्यापक इस्तेमाल और पहली बार ऑनलाइन खुद जनगणना में जानकारी देने की सुविधा से प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक सरल और सुविधाजनक बनाने की तैयारी है।

इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक निकली तिरंगा यात्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार को इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम देशभर में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों आदि ने भी भागीदारी की और हाथों में तिरंगा थामकर राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को व्यक्त किया। यह तिरंगा यात्रा इंडिया गेट से शुरू होकर रफी मार्ग, कर्तव्य पथ तक निकाली गई। यात्रा में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र

इंद्राज सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक भी उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के साथ एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। युवाओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर पूरे उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। यह भागीदारी स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों के प्रति सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका का संदेश देती नजर आई। इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव की भावना से देश का हर वर्ग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहा है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि इस स्वतंत्रता दिवस अपने अमर शहीदों को नमन करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को याद करने का भी अवसर है। आजादी के बाद भारत ने अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विकास, विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह यात्रा देश के करोड़ों नागरिकों के परिश्रम, संकल्प और सामूहिक योगदान की कहानी है। हर राष्ट्र की यात्रा में चुनौतियां और सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है, लेकिन स्वतंत्रता दिवस हमें यह देखने का अवसर देता है कि हमने कहां से शुरुआत की थी और आज कहां तक पहुंचे हैं।

रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा नया बिल लाने पर अमेरिका को चीन की चेतावनी

एजेंसी, वॉशिंगटन । अमेरिका की तरफ से रूस पर प्रतिबंध लगाने के नए विधेयक को आगे बढ़ाने पर चीन ने चेतावनी दी है कि बीजिंग अपने वैध हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। अमेरिका में स्थित चीनी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि चीन ऐसे प्रतिबंधों का विरोध करता है। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू चांग ने मंगलवार को रिया नोवोस्ती को बताया कि अगर अमेरिका मॉस्को के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़ा नया बिल लाता है- जिसके तहत रूस से ऊर्जा संसाधन खरीदने पर ड्यूटी (टैक्स) लगाई जाएगी तो चीन अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। प्रवक्ता ने कहा, "चीन ऐसे एकतरफा प्रतिबंधों का कड़ा विरोध करता है जिनका अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है या जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी नहीं मिली है। अपने व्यवसाय और नागरिकों के वैध अधिकारों और हितों की मज़बूती से रक्षा करने के लिए चीन ज़रूरी कदम उठाएगा।" पिछले हफ़्ते, सीनेट ने दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम (जिन्हें रूस में आतंकवादी और चरमपंथी माना जाता है) द्वारा पेश किए गए बिल को 86-11 वोटों से मंज़ूरी दी। प्रतिबंधों से जुड़े इस ड्राफ़्ट कानून में रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर प्रस्तावित टैरिफ को 500 प्रतिशत से घटाकर 100 प्रतिशत करने का प्रावधान है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

सीबीआई के वकील ने रांची के ट्रैफिक एसपी पर लगाया अभद्र व्यवहार करने का आरोप, डीजीपी से शिकायत

रांची। सीबीआई के अधिवक्ता दविंदर पाल सूद ने रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह के खिलाफ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है

उन्होंने इस संबंध में बुधवार को डीजीपी को पत्र लिखकर इसकी शिकायत की है। सूद ने आरोप लगाया है कि ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने उन्हें धमकाया और सीबीआइ जैसी प्रतिष्ठित संस्था का अपमान किया।

दविंदर पाल सूद ने अपनी शिकायत में बताया कि 10 अगस्त 2026 की शाम को वे सीबीआई की विशेष अदालत में पेशी निपटाकर अपने कार्यालय लौट रहे थे। इस दौरान रांची में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों के प्रदर्शन के कारण सडक पर भारी जाम की स्थिति थी।

पत्र के अनुसार राजभवन का रास्ता पूरी तरह से बंद था, इसलिए उन्हें रातू चौक के पास जज कालोनी रोड की ओर मुड़ना पड़ा। वहां भी एक तरफ से सड़क बंद थी, लेकिन बगल की गली से पुलिस वाहनों को गुजरने दिया जा रहा था। उन्होंने वहां तैनात एक ट्रैफिक कर्मी से बगल की गली से गुजरने की अनुमति मांगी, लेकिन उन्हें बड़े अधिकारियों से अनुमति लेने को कहा गया।

सूद ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह से विनम्रतापूर्वक अनुमति मांगी और अपनी पहचान बताई, तो एसपी ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, 'ये रास्ता पुलिस वालों के लिए है। तेरे लिए नहीं है। जब सूद ने कहा कि सीबीआई भी केंद्रीय पुलिस संगठन का हिस्सा है, तो एसपी ने कथित तौर पर कहा, 'तू जो भी है मुझे क्या लेना, बोल दिया ना तुझे बड़ा आया सेंटर वाला।

पत्र के अनुसार, जब उन्होंने विरोध जताया तो एसपी ने मुक्का दिखाते हुए उन पर हमला करने की कोशिश की और धमकी दी, 'तू सिखाएगा मुझे अब... तेरी रिक्वेस्ट रिजेक्ट है... चल निकल यहां से... निकलता है कि नहीं तू।

पत्र में वकील ने अपनी शिकायत में सबसे गंभीर आरोप यह लगाया कि ट्रैफिक एसपी ने सीबीआई जैसी संस्था का भी अपमान किया। उन्होंने कहा कि वे कोई विशेष सुविधा नहीं मांग रहे थे, बल्कि आधे घंटे से जाम में फंसे होने के कारण मदद मांग रहे थे। अगर एसपी ने सामान्य तरीके से मना कर दिया होता तो वे बिना किसी आपत्ति के वहां से चले जाते।

सीबीआई प्रासिक्यूटर ने डीजीपी से ट्रैफिक एसपी के आचरण की जांच कराने, उनके स्वभाव और संवेदनशील कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी के लिए उपयुक्तता का आकलन करने और पुलिस मैनुअल के नियमों का पालन कराने के निर्देश देने की मांग की है।

पत्र के जरिये वकील ने कहा कि यह मामला सिर्फ व्यक्तिगत अभद्रता का नहीं, बल्कि एक सरकारी अधिकारी के आचरण और संस्थागत गरिमा का सवाल है। उन्होंने कहा कि अगर एक आइपीएस अधिकारी सरकारी अधिकारी के साथ ऐसा व्यवहार कर सकता है, तो आम नागरिकों के साथ उनका व्यवहार कैसा होगा, यह एक गंभीर चिंता का विषय है।

छात्रों की मांगों को सरकार ने एक सप्ताह में माना तो करेंगे अनशन : रघुवर

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बुधवार को जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्र-अभ्यर्थियों से मिलने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारी छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों और अब तक चले आंदोलन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार को दो टूक चेतावनी देते हुए छात्रों की मांगों पर एक सप्ताह में सकारात्मक निर्णय लेने का समय दिया।

मौके पर रघुवर दास ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर सरकार छात्रों की जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो वह स्वयं आंदोलन में उतरेंगे। उन्होंने घोषणा की कि एक सप्ताह बाद बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर अनशन शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

लंबे समय से आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेकर सरकार को उचित समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी समस्याओं का समाधान करे।

विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन को दबाने के बजाय उनकी मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने की जरूरत है।

रघुवर दास ने आंदोलनकारी छात्रों से कहा कि उनके भविष्य और अधिकार से जुड़े इस संघर्ष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके एक सप्ताह के अल्टीमेटम और इसके बाद अनशन की घोषणा से छात्र आंदोलन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

मंत्री ने किया एचआईवी जागरूकता अभियान का शुभारंभ

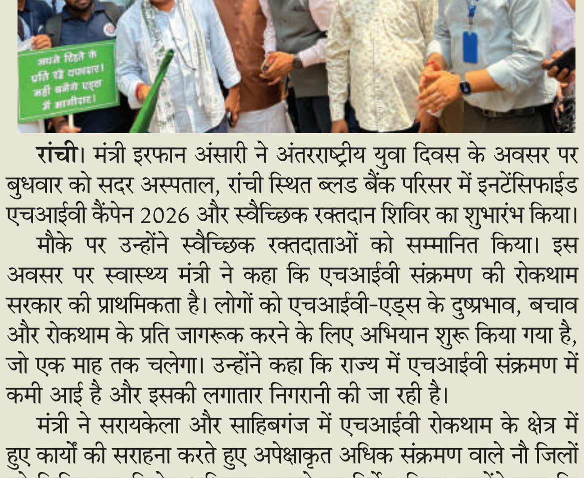

रांची। मंत्री इरफान अंसारी ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर बुधवार को सदर अस्पताल, रांची स्थित ब्लड बैंक परिसर में इनटेंसिफाईड एचआईवी कैंपेन 2026 और स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

मौके पर उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एचआईवी संक्रमण की रोकथाम सरकार की प्राथमिकता है। लोगों को एचआईवी-एड्स के दुष्प्रभाव, बचाव और रोकथाम के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान शुरू किया गया है, जो एक माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में एचआईवी संक्रमण में कमी आई है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्री ने सरायकेला और साहिबगंज में एचआईवी रोकथाम के क्षेत्र में हुए कार्यों की सराहना करते हुए अपेक्षाकृत अधिक संक्रमण वाले नौ जिलों को चिह्नित कर विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर परिणाम मिलने पर मॉडल को अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा। परियोजना निदेशक शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि युवाओं में एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के लिए जागरूकता जरूरी है।

उन्होंने बताया कि नए संक्रमण के करीब 19 प्रतिशत मामले 13 से 24 वर्ष आयु वर्ग में सामने आते हैं।

मंत्री ने रक्त की त्वरित उपलब्धता के लिए कॉल पर करीब 15 मिनट में रक्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित करने की बात कही। कार्यक्रम में जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों और एएनएम छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ अमरेंद्र प्रसाद सहित कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

एसपी ने थाना प्रभारियों को दिया अपराध पर अंकुश लगाने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लूनायत के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़, पुलिस उपाधीक्षक,(मु०) रामगढ़, सभी अंचल निरीक्षक, थाना/ओ0पी0 प्रभारी एवं शाखा प्रभारियों के साथ कार्यालय सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी) का आयोजन किया गया।

अपराध गोष्ठी में सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों का स्वागत किया गया तथा बैठक प्रारंभ किया गया, बैठक में निम्नांकित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा किया गया।इस दौरान आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, 26.08.2026 को मिलाद उन नबी एवं 28.08.2026 को रक्षा बंधन को लेकर समीक्षा किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।शीर्षवार लंबित कांडों की समीक्षा किया गया तथा कांड के उद्भेदन, अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं कांड निष्पादन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया।.माह जुलाई-2026 में प्रतिवेदित विशेष/अविशेष एवं निष्पादित विशेष/अविशेष काण्डों का समीक्षा किया गया तथा अगस्त माह में प्रतिवेदित से अधिक काण्डों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

सभी थाना प्रभारियों को बलात्कार, पोक्सो एक्ट से संबंधित काण्डों को 60 दिन के अन्दर निष्पादित करने हेतु निर्देशित किया गया।. पासपोर्ट का सत्यापन 05 दिन के अन्दर पूर्ण कर पोर्टल में अपलोड करने का निर्देश दिया गया। डायल 112 के तहत प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारी को 09 मिनट के अंदर Respond करने हेतु निर्देशित किया गया। पॉकेट पेंडिंग काण्डों में आरोप पत्र समर्पित करते हुए आरोप पत्र की एक प्रति हिंदी शाखा में समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया।. माह अगस्त-2026 में संभावित निष्पादन होने वाले काण्डों की सूची की समीक्षा किया गया।विगत 05 वर्ष, 03 वर्ष एवं 02 वर्ष से लंबित सभी काण्डों का कारण, सहित अलग-अलग सूची तैयार कर लम्बित कार्रवाई को त्वरित गति से पूर्ण करते हुए निष्पादित करने हेतु निर्देशित किया गया है।संगठित आपराधिक गिरोह की विवरणी तैयार करने तथा जेल से बाहर आये अभियुक्तों का सत्यापन करते हुए उसके वर्तमान गतिविधि की समीक्षा करते हुए आवश्यकतानुसार निरोद्धात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।गैर तामिला वारंट, स्थाई वारंट एवं फिरारियों की अद्यतन सूची तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करे।वारंट/इश्तेहार/कुर्की का निष्पादन से संबंधित समीक्षा किया गया।175 (3) BNS के तहत प्राप्त लंबित न्यायालय परिवाद की समीक्षा किया गया तथा काण्ड दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया। चेन, मोबाईल, पर्स छिनतई से संबंधित दर्ज काण्डों तथा उद्भेदन की स्थिति का समीक्षा किया गया तथा आवश्यक निर्देश दिया गया। सम्पतिमूलक काण्ड एवं काण्ड में हुए उद्भेदन की स्थिति की समीक्षा की गई। दागियों का सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया।मालखाना के प्रभार एवं निष्पादन की स्थिति की समीक्षा किया गया।अनुसुचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित दर्ज काण्डों की समीक्षा की गई।आई0टी0 एक्ट से संबंधित दर्ज काण्डों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिया गया। जन शिकायत कोषांग में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन ससमय करने हेतु निर्देशित किया गया। पर प्रविष्टि की समीक्षा किया गया। परियोजना के तहत प्रदत का अनुसंधान में उपयोग की समीक्षा किया गया। चरित्र/सेवा सत्यापन से संबंधित समीक्षा किया गया। अवैध खनन के रोकथाम एवं अवैध शराब के विरुद्ध छापामारी करने हेतु निर्देशित किया गया।मौके पर सभी थाना ओर ओपी के प्रभारी मौजूद थे।

भारी बारिश के अलर्ट पर जामताड़ा में प्रशासन अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा। मॉनसून के दौरान सामान्य से अधिक बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार ने जिले में संभावित आपदा से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश से अचानक बाढ़, नदियों में उफान, कच्चे मकानों के गिरने, सड़क संपर्क बाधित होने, पेड़ व बिजली पोल गिरने तथा संचार और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया है।

उपायुक्त ने सभी बीडीओ, सीओ, ग्रामीण कार्य प्रमंडल, पथ प्रमंडल, नगर पंचायत जामताड़ा और नगर परिषद मिहिजाम के अधिकारियों को सड़कों पर पेड़ गिरने, सड़क क्षतिग्रस्त होने या बह जाने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कृषि, बागवानी और वृक्षारोपण को संभावित नुकसान को देखते हुए संबंधित विभागों को भी सतर्क रहने को कहा गया है।

बिजली पोल क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में विद्युत एवं जलापूर्ति बहाल करने के लिए टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। सिंचाई विभाग को लाधना, बिरग्राम, अजय नदी और आसपास के क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने को कहा गया है। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी जामताड़ा को 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है।

जंगली हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात, मक्के की फसल रौंदी, घर और ड्रिप पाइपलाइन क्षतिग्रस्त

खोखा गांव में रातभर हाथियों का तांडव, किसानों को भारी नुकसान,वन विभाग ने किया नुकसान का आकलन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला(रामगढ़)। गोला प्रखंड के खोखा गांव में मंगलवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने धर्मनाथ महतो, अरुण महतो समेत कई किसानों के खेतों में लगी मक्के सहित अन्य फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। हाथियों ने खेतों में सिंचाई के लिए बिछाई गई ड्रिप पाइपलाइन को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। खेतों से होकर गांव की ओर निकले हाथियों के झुंड ने कई घरों को भी निशाना बनाया। इस दौरान खोखा गांव निवासी मिथुन कुमार के अलबेस्टर शीट लगे घर को काफी नुकसान पहुंचाया गया। हाथियों के लगातार गांव में पहुंचने से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बुधवार को वनरक्षी मनीष कुमार शर्मा खोखा गांव पहुंचे। उन्होंने प्रभावित किसानों से घटना की जानकारी ली और हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त की गई फसलों, घर एवं अन्य संपत्तियों का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया। वनरक्षी मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि जंगली हाथियों द्वारा पहुंचाए गए नुकसान का विभागीय स्तर पर आकलन किया जा रहा है। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियमानुसार प्रभावित किसानों को जल्द क्षतिपूर्ति राशि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल रामगढ़ का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित पाए गए तीन चिकित्सकों पर स्पष्टीकरण सहित वेतन पर रोक लगाने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ः उपायुक्त ऋतुराज ने बुधवार को सदर अस्पताल रामगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, ओपीडी संचालन, साफ-सफाई, दवा एवं जांच की व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में तीन चिकित्सक—ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति सिन्हा, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राजन पांडे एवं डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. अजीत कुमार सिंह—अनुपस्थित पाए गए। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों चिकित्सकों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के साथ अगले आदेश तक उनके वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया।सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीजों के आने को देखते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन रामगढ़ को ऑर्थो, गायनो एवं मेडिसिन विभाग में प्रतिदिन दो ओपीडी संचालित कराने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें तथा उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों को अस्पताल परिसर एवं सभी वार्डों में नियमित रूप से बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए सभी योग्य लाभुकों को योजना से आच्छादित कर इसका लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों से सीधे संवाद किया। उन्होंने मरीजों से अस्पताल में मिल रही चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं, जांच, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं से अवगत हुए।इसके अलावा उपायुक्त ने सदर अस्पताल में संचालित सभी ओपीडी, लैब, रजिस्ट्रेशन काउंटर, शौचालय, मेस, अल्ट्रासाउंड रूम एवं एक्स-रे रूम सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर पर मरीजों को होने वाली परेशानियों को दूर करने तथा अस्पताल की विभिन्न सेवाओं को सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए।मेस के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मरीजों को निर्धारित समय पर भोजन उपलब्ध कराने तथा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप ही गुणवत्तापूर्ण भोजन देने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को अस्पताल में मरीजों की सुविधा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल जिले की प्रमुख स्वास्थ्य संस्थाओं में से एक है और यहां आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं चिकित्सकों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने तथा मरीजों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

विकास योजनाओं को लेकर ग्राम सभा का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड चार क्षेत्र में विकास योजनाओं को लेकर बुधवार को ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता वार्ड 04 के पार्षद अरुण कुमार कुशवाहा ने किया। इस दौरान ग्रामीणों की मौजूदगी में पीएम आवास व इसके बकाया राशि, नई विकासकारी योजनाओं के चयन व कोर कमिटि पर गहन चर्चा की गई। साथ ही वार्ड क्षेत्र की समस्याओं व तत्काल किए जाने वाले कार्यों को लेकर विचार विमर्श किया गया। सभा में रामदेव महतो, रुकमणि देवी, सुनीता देवी, बालमुकुन्द कुशवाहा, पार्वती देवी, मालती देवी, जितेंद्र हेंब्रम,

रूबी कुमारी, सीता देवी, रोशन आरा, शांति देवी, अनीता देवी, सबाद खातुन, मोफिलन निशा, रंजीत कुशवाहा, सबुजान निशा समेत अन्य कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा में कुजू -भरेचनगर क्षेत्र के लोगों से शामिल होने की अपील

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। झारखंड सेवा समिति के आयोजित तिरंगा यात्रा में कुजू व भरेचनगर क्षेत्र के तमाम नागरिकों से बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की गई है। स्थानीय मणिपाल स्कूल निदेशक सह समाजसेवी गया प्रसाद रॉय ने क्षेत्रवासियों से आह्वान करते हुए कहा है कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे देश की एकता, अखंडता, सम्मान और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। इस तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में लोगों की सहभागिता देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करेगी। उन्होंने क्षेत्र के आसपास के सभी युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, व्यवसायियों व आम नागरिकों से आग्रह किया कि वे परिवार एवं साथियों के साथ इस यात्रा में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बनाएं।

संकुल स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

» विभिन्न विद्यालयों के छात्र - छात्राओं ने ज्ञान और प्रतिभा का किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार संकुल में एक दिवसीय संकुल स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पेटरवार, जैनामोड़, खैराचातर, कसमार और चांपी के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र छात्राओं ने भाग लेकर ज्ञान, प्रतिभा और त्वरित निर्णय क्षमता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शशि भूषण गुरु, कोषाध्यक्ष नागेश्वर कुमार, खैराचातर के प्रधानाचार्य रजनी प्रकाश पांडेय, कसमार के प्रधानाचार्य कपिल कुमार चौबे एवं संकुल प्रमुख रमेश कुमार उपाध्याय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती की वंदना के साथ किया। इसके बाद विभिन्न वर्गों में प्रश्नमंच प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता को शिशु, बाल एवं किशोर वर्ग में विभाजित किया गया। वैदिक गणित, संस्कृति बोध परियोजना और विज्ञान प्रश्नमंच का आयोजन अलग-अलग कक्षों में किया गया। विभिन्न विद्यालयों की टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। प्रतिभागियों ने प्रश्नों के त्वरित एवं सटीक उत्तर देकर अपनी विषयगत समझ और मानसिक सजगता का परिचय दिया। संकुल प्रमुख रमेश कुमार उपाध्याय ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण बच्चों का आत्मविश्वास, ज्ञान और सीखने की क्षमता बढ़ना है। विजेता टीमों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वैदिक गणितः शिशु वर्ग में पेटरवार प्रथम, जैनामोड़ द्वितीय और खैराचातर तृतीय रहा। बाल वर्ग में पेटरवार प्रथम और जैनामोड़ द्वितीय रहा। किशोर वर्ग में पेटरवार प्रथम तथा जैनामोड़ द्वितीय स्थान पर रहा।

संस्कृति बोध परियोजना प्रश्नमंचः शिशु वर्ग में जैनामोड़ प्रथम, खैराचातर द्वितीय और चांपी तृतीय रहा। बाल वर्ग में जैनामोड़ प्रथम और पेटरवार द्वितीय रहा। किशोर वर्ग में जैनामोड़ प्रथम तथा पेटरवार द्वितीय स्थान पर रहा।

विज्ञान प्रश्नमंचः शिशु वर्ग में पेटरवार प्रथम, कसमार द्वितीय और चांपी तृतीय रहा। बाल वर्ग में पेटरवार प्रथम और जैनामोड़ द्वितीय रहा। किशोर वर्ग में पेटरवार प्रथम तथा जैनामोड़ द्वितीय स्थान पर रहा।

संक्षिप्त समाचार

राखी के रंगों में सजी डीपीएस चास की रचनात्मकता, कला और संस्कृति का दिखा अनूठा संगम

बोकारो : रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर डीपीएस चास, बोकारो में बुधवार को कक्षा पांचवी से नवमीं तक के विद्यार्थियों के लिए राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न वर्गों से कुल 162 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, सृजनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक आकर्षक राखियां तैयार कीं।

इस आयोजन को इंडिया पोस्ट, धनबाद डिवीजन की विशेष पहल से भी जोड़ा गया है। रक्षाबंधन के अवसर पर इंडिया पोस्ट द्वारा विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए विशेष राखी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित राखियों को उनके व्यक्तिगत संदेशों के साथ देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले उनके भाई-बहनों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाना है। इस विशेष पहल के तहत विभाग की ओर से विद्यार्थियों को रेशमी धागे, तिलक पैक एवं संदेश लिखने के लिए ए-4 शीट उपलब्ध कराई गई। विद्यार्थी अपनी पसंद और कल्पना के अनुसार राखी तैयार करने के साथ अपने भाई या बहन के लिए छोटा-सा पत्र अथवा शुभकामना संदेश भी लिखे।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के प्रार्थना सभागार परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों ने रंगीन धागों, मोतियों, रिबन, कागज, सजावटी वस्तुओं तथा अन्य सामग्रियों का प्रयोग कर सुंदर एवं आकर्षक राखियां बनाईं। कई विद्यार्थियों ने पारंपरिक राखियों के साथ-साथ अपनी रचनात्मक सोच को दर्शाते हुए नवीन डिजाइन की राखियां भी तैयार कीं। उनकी कलात्मक प्रतिभा और मेहनत ने प्रतियोगिता को विशेष रूप से आकर्षक बना दिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिरुचि, आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। रक्षाबंधन के माध्यम से भाई-बहन के बीच प्रेम, स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के भाव को समझने का अवसर भी विद्यार्थियों को मिला।

चिन्मय विद्यालय बोकारो एवं डीएवी 6 के विद्यार्थियों ने निकाली प्रभात फेरी

एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्र के सम्मान में किया बोकारो वासियों को जागरूक

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो एवं डीएवी 6 के एनसीसी कैडेट विद्यार्थियों ने बुधवार को प्रभात फेरी निकालकर देश प्रेम एवं सद्भावना का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में ध्वजारोहण कर वंदे मातरम गाया एवं विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प किया। सभी विद्यार्थियों ने इस देशभक्ति मुहिम में अपनी भागीदारी निभाई और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न किया।

विद्यालय के एनसीसी कैडेट विद्यार्थियों ने सुबह बोकारो मॉल से गांधी चौक तक प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान अनुशासन के साथ मार्च पास्ट करते हुए विद्यार्थी आगे बढ़े और देश भक्ति भाव के साथ भारत माता की जय एवं वंदे मातरम का नारा लगाया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बोकारो वासियों को देश भक्ति के प्रति जागरूक भी किया। इसके बाद विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों ने राष्ट्र ध्वज का ध्वजारोहण किया और विस्तृत वंदे मातरम गाया। इसके बाद विद्यालय से सभी विद्यार्थियों ने विकसित राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रांजल साकिया, संजीव कुमार एवं ललिता ने किया।

प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम हमारे देश की वो धरोहर है, जिसे सुरक्षित रखना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान के माध्यम से हर देशवासी में भारत के प्रति आदर, प्रेम, सम्मान एवं उत्साह की भावना जाग उठती है। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों को हर घर तिरंगा के प्रति भी जागरूक किया और कहा कि तिरंगा का सम्मान करना और इसे गर्व से अपनाना हमारे राष्ट्र के प्रति हमारी सकारात्मक भावना को दर्शाता है।

अग्रसेन डीएवी भरेचनगर में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

कुजू। अग्रसेन डीएवी भरेचनगर विद्यालय प्रांगण में बुधवार को नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया । इसमें ब्रह्माकुमारी संस्थान से आए लोगों ने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के अर्थ को समझाया व जीवन में नशा करने के दुष्परिणाम के विषय में भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशा केवल धूम्रपान एवं जहरीले खाद्य पदार्थों से ही नहीं बल्कि जीवन में बहुत से ऐसे तत्व हैं, जिनकी लत लग जाने पर जीवन की दशा खराब हो जाती है। इसे हमें सदा ध्यान देने की आवश्यकता है। कहा कि शारीरिक मानसिक ऊर्जा के साथ सुख - शांति प्रदान वाले खाद्य पदार्थ सेवन करना चाहिए। इस दौरान बच्चों ने नशा मुक्ति शपथ ग्रहण किया।

विद्यालय प्राचार्य जीपी झा ने आगंतुक सज्जनों को उत्तरीय भेंट कर स्वागत व सम्मान किया। साथ ही बच्चों को संबोधित करते हुए कहां कि मानव जीवन ईश्वर की सर्वोत्तम रचना है इसे बहुत ही संभाल कर रखने की जरूरत है। कार्यक्रम में मंच संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक चंद्रशेखर सिंह यादव ने किया। मौके पर विद्यार्थियों के साथ शिक्षक- शिक्षिकाएं व शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

5 दिवसीय बैंकिंग की मांग को लेकर गरजे बैंक कर्मी, चास-बोकारो में यूएफबीयू के बैनर तले विशाल प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर बुधवार को बोकारो एवं चास के सैकड़ों बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी सहित सभी प्रमुख यूनियनों के प्रतिनिधि चास-बोकारो स्थित केनरा बैंक (बोकारो स्टील सिटी शाखा, नया मोड़) के समक्ष एकत्र हुए और विशाल प्रदर्शन किया। देशभर में चलाए जा रहे आंदोलन की कड़ी में आयोजित इस प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की भी काफी मजबूत और उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इंडियन बैंक एसोसिएशन और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक बैंकों में 5-दिवसीय कार्य सप्ताह की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। यह देश भर के लाखों बैंक कर्मियों के साथ सरासर छलावा है। नेताओं ने स्पष्ट किया कि 5-दिवसीय कार्य दिवस लागू होने से बैंक कर्मियों की कार्यक्षमता और मानसिक स्वास्थ्य में गुणात्मक सुधार होगा, जिससे अंततः ग्राहकों को और भी बेहतर और त्वरित सेवाएं मिल सकेंगी।

गौरतलब है कि इस जायज मांग को लेकर पूर्व में कई बार धरना-प्रदर्शन आयोजित किए जा चुके हैं। गत 27 जनवरी 2026 को भी बैंक कर्मियों ने एक दिवसीय देशव्यापी सफल हड़ताल की थी। हड़ताल के बाद आईबीए ने जल्द से जल्द 5-दिवसीय बैंकिंग लागू करने का भरोसा दिया था, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है और सरकार उदासीन रवैया अपनाए हुए है।

सभा को संबोधित करते हुए यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने भारत सरकार को आगाह किया कि यदि 5-दिवसीय कार्य दिवस की मांग पर शीघ्र समुचित निर्णय नहीं लिया गया, तो यूएफबीयू के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार इस लड़ाई को और तेज व धारदार बनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश ओझा, कृष्ण मुरारी, सुधीर कुमार, अरुण कुमार, राकेश मिश्रा, राघव कुमार सिंह, अवधेश प्रसाद, राजीव कुमार सिंह, अतुल दुबे सहित कई अन्य बैंक नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदी साहित्य परिषद की व्हाट्सएप्प साहित्यिक सेवा के पांच वर्ष पूरे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : हिंदी साहित्य परिषद बोकारो थर्मल की व्हाट्सएप साहित्यिक सेवा ने 12 अगस्त को अपने पांच स्वर्णिम वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। 12 अगस्त 2021 को शुरू की गई इस डिजिटल पहल ने पिछले पांच वर्षों में साहित्य, संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान का निरंतर विस्तार किया है। इस उपलब्धि पर परिषद के सचिव दीनानाथ शर्मा ने पूरी टीम, संयुक्त सचिव सत्यजीत कुमार सिन्हा और सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास व समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया।

इन पांच वर्षों में परिषद के इस डिजिटल मंच ने प्रख्यात साहित्यकारों व कवियों की रचनाओं का संकलन प्रस्तुत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय पर्वों और प्रमुख त्योहारों के सांस्कृतिक महत्व को भी सदस्यों तक पहुंचाया है। केवल साहित्य ही नहीं, बल्कि विज्ञान, तकनीक, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति और समसामयिक विषयों पर भी नियमित ज्ञानवर्धक सामग्री प्रकाशित की जाती रही है। निरंतर अद्यतन सामग्री के कारण यह व्हाट्सऐप सेवा अब एक समृद्ध 'लघु ई-पुस्तकालय' का रूप ले चुकी है। परिषद ने भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ हिंदी-सेवा और साहित्यिक यात्रा को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया है।

बीएसएल में महिला अधिकारियों के लिए तन्मात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास (एलएंडडी) केंद्र स्थित सम्मेलन कक्ष में 11 एवं 12 अगस्त 2026 को तन्मात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दो दिवसीय सत्र के अंतर्गत ई4 से ई7 श्रेणी की 24 महिला अधिशासियों हेतु परिचालन 2.0 : पुनर्समीक्षा एवं पुनर्समझ विषय पर ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व तन्मात्रा कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई को किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला अधिकारियों में इस्पात निर्माण की संपूर्ण प्रक्रियाओं, तकनीकी कौशल और प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की समझ को और अधिक सशक्त बनाना है। इस पहल के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) द्वारा किया गया। इसके पश्चात विशेषज्ञों द्वारा कोक मेकिंग, सिंटर मेकिंग, आयरन मेकिंग, स्टील मेकिंग, हॉट रोलिंग तथा कोल्ड रोलिंग प्रक्रियाओं पर विस्तृत तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ ही गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं, ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक एवं शासन) की अवधारणाओं तथा दैनिक परिचालन में उनकी प्रासंगिकता से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। सत्र के दौरान वास्तविक समय की परिचालन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता को सुदृढ़ बनाने तथा संयंत्र में संचालित डिजिटल रूपांतरण पहलों पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। दो दिवसीय गहन विचार-विमर्श के पश्चात कार्यक्रम का औपचारिक समापन वैलेडिक्ट्री (समारोप) सत्र के साथ हुआ।

देशभक्ति के रंग में रंगा बोकारो थर्मल, सीआईएसएफ ने निकाली भव्य तिरंगा बाइक रैली, गूंजे राष्ट्रभक्ति के नारे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत डीवीसी बोकारो थर्मल सीआईएसएफ यूनिट द्वारा बुधवार को एक भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का आरंभ सहायक कमांडेंट (फायर) अरुण कुमार गिरी ने हरी झंडी दिखाकर किया। सीआईएसएफ कैंप क्षेत्र से शुरू होकर यह रैली रेलवे स्टेशन, मार्केट, झारखंड चौक, डीवीसी अस्पताल और बीटीपीएस पावर प्लांट गेट जैसे प्रमुख स्थानों से होकर गुजरी और स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में जाकर संपन्न हुई।

रैली में लगभग 50 सीआईएसएफ जवानों ने हिस्सा लिया, जिसमें निरीक्षक अम्बरीश कुमार शर्मा, प्रशांत कुमार प्रसून, उपनिरीक्षक रंजीत कुमार और सहायक उपनिरीक्षक (फायर) एके सरकार प्रमुख रूप से मौजूद रहे। हाथों में शान से लहराता राष्ट्रीय ध्वज थामे जवानों ने पूरे शहर में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की अलख जगाई। जवानों के इस उत्साह को देखकर स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने सीआईएसएफ की इस सराहनीय पहल की जमकर तारीफ की।

बीएसएल में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के लिए 'एक नए सफ़र की शुरुआत' कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग स्थित मुख्य प्रेक्षागृह में बुधवार को अगस्त एवं सितंबर 2026 में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के लिए एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अगस्त माह में सेवानिवृत्त हो रहे 25 तथा सितंबर माह में सेवानिवृत्त हो रहे 36 कर्मियों सहित कुल 61 कर्मचारियों एवं अधिकारियों हेतु आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन्हें सेवानिवृत्ति के उपरांत स्वास्थ्य, वित्तीय नियोजन तथा अंतिम निपटारा प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाना रहा। इस पहल के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वक्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों को उपयोगी परामर्श दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएं) के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने इस विशेष कार्यक्रम की उपयोगिता एवं विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी। तकनीकी व मार्गदर्शन सत्रों के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के उप चिकित्सा अधिकारी द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। इसके पश्चात नगर-सेवा विभाग के सहायक प्रबंधक ने नगर-सेवा व आवास संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की, जबकि वित्त एवं लेखा विभाग के प्रबंधक ने सेवानिवृत्ति के उपरांत मिलने वाले विभिन्न फंड्स व वित्तीय लाभों से अवगत कराया।

वित्तीय जागरूकता एवं निवेश के विकल्पों पर प्रकाश डालते हुए बैंक ऑफ इंडिया (सेक्टर-4 शाखा) के प्रतिनिधि ने वरिष्ठ नागरिकों हेतु उपलब्ध योजनाओं तथा वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी। यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने समर्पित कर्मियों के सुदीर्घ योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करने तथा उनके भावी जीवन को सुखद, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सेवानिवृत्ति से पूर्व स्वास्थ्य, वित्तीय सुरक्षा एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर दिया गया यह मार्गदर्शन कर्मचारियों को जीवन के इस नए अध्याय में आत्मविश्वास और स्वावलंबन के साथ प्रवेश करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।

बोकारो थर्मल में खुदीराम बोस के शहीद दिवस पर बांटी गई अध्ययन सामग्री और भोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल में नेताजी समाज कल्याण संघ के संस्थापक तपेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में बुधवार को स्थानीय झारखंड चौक पर महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस का शहीद दिवस श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित शहीद समारोह के दौरान दिन भर जरूरतमंद लोगों के बीच बड़े पैमाने पर राहत व सहायता सामग्री का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद बच्चों एवं लोगों के बीच वस्त्र, भोजन, जूते-चप्पल के अलावा पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी सामग्री जैसे पुस्तकें, पेन, पेंसिल, कॉपियां और प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें वितरित की गईं। संस्था के संस्थापक तपेश्वर ठाकुर ने बताया कि अमर शहीद खुदीराम बोस के बलिदान को याद करने का सबसे सच्चा तरीका समाज के वंचित वर्ग की सेवा करना है।

इस दौरान पूरा माहौल देशभक्ति के रंगों में रंगा रहा। इस पूरे शहीद समारोह को सफल बनाने और वितरण कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने में रामनाथ ठाकुर, आशीष कुमार शर्मा, नारायण चौधरी, विजेंद्र तुरी, सीताराम दास, विश्वनाथ अग्रवाल, राहुल कुमार और मंजू देवी ने मुख्य रूप से अपना सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप : डीपीएस बोकारो के आदि आयुष्मान ने फिर बिखेरा जलवा, 2 स्वर्ण सहित तीन पदक जीत बढ़ाया जिले का मान

» जोनल और प्री-नेशनल के लिए किया क्वालीफाई, विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के 12वीं कक्षा के होनहार विद्यार्थी आदि आयुष्मान ने एक बार फिर निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा है। राज्यस्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में लगातार चौथे वर्ष आदि ने पूरे झारखंड में अपनी तीक्ष्ण निशानेबाजी का लोहा मनवाते हुए पहला स्थान पाया और स्वर्णिम विजय अपने नाम दर्ज की। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में पिछले दिनों आयोजित 16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण सहित तीन पदक जीतकर उसने पुनः अपने विद्यालय और जिले को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता की ओपन साइट 50 मीटर राइफल शूटिंग मेन इंडिविजुअल और ओपन साइट 50 मीटर जूनियर राइफल शूटिंग इंडिविजुअल, दोनों स्पर्धाओं में आदि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा एक-एक स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पीप साइट 50 मीटर राइफल शूटिंग यूथ इंडिविजुअल स्पर्धा में भी उम्दा निशानेबाजी का परिचय देते हुए तीसरा स्थान पाने के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही आदि आयुष्मान ने आसनसोल में ही आगामी 25-30 अगस्त 2026 को होनेवाली 10वीं ईस्ट जोनल शूटिंग प्रतियोगिता (पिस्टल/राइफल) के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसके अलावा, इस साल

पंजाब में नेशनल से पहले होने वाली सबसे प्रमुख प्री-नेशनल प्रतियोगिता ऑल इंडिया जी.वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप में भी वह भाग लेगा, जिसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित उक्त राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के रांची, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, गढ़वा एवं लोहरदगा जिलों के दर्जनों प्रतिभागियों ने भाग लिया था। अपने विद्यालय के छात्र की इस शानदार उपलब्धि पर बुधवार को डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने उसे मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा बधाई देते हुए जोनल व राष्ट्रीय स्तर पर भी दमदार प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि आदि की यह सफलता न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जिले के लिए भी अत्यंत ही गर्व का विषय है। विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। डीपीएस बोकारो में स्थापित विद्यालय स्तर पर जिले के प्रथम शूटिंग प्रशिक्षण केन्द्र अभिनव बिन्द्रा शूटिंग रेंज में दर्जनों विद्यार्थी निशानेबाजी के गुर सीख रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आदि आयुष्मान ने इसके पहले भी लगातार तीन वर्षों तक राज्य स्तर की राइफल शूटिंग प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का परचम लहराया है। इस क्रम में शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी रह चुके अरिंदम बोस को भी हराकर वह पूर्व में अपनी सुनहरी जीत हासिल कर चुका है। आदि आयुष्मान छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पदस्थापित सीआरपीएफ के उप-समादेष्टा विनोद कुमार यादव और गृहिणी मनोरमा देवी का होनहार पुत्र है। उसने बताया कि निशानेबाजी के गुर और बारीकियों से सबसे पहले पिता ने ही उसे अवगत कराया था। माता-पिता दोनों ही उसे इसके लिए सदैव प्रोत्साहित करते हैं और विद्यालय स्तर से भी हरसंभव सहयोग तथा प्रोत्साहन मिलता रहा है। धनबाद राइफल क्लब में भी उसने निशानेबाजी के टिप्स सीखे हैं। आदि शूटिंग के साथ-साथ पढ़ाई और बैडमिंटन खेलने में भी अच्छा है। वह अपने पिता के ही नक्शे-कदम पर चलकर पुलिस अथवा सैन्य सेवा में जाना चाहता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

छात्र आंदोलन की गूंज दिल्ली तक पहुंची, भाजपा सांसदों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

एजेंसी। रांची

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ जारी छात्र आंदोलन की गूंज अब दिल्ली तक पहुंच गई है। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने संसद भवन परिसर के मकर द्वार पर प्रदर्शन कर झारखंड में छात्रों पर कथित लाठीचार्ज का विरोध किया और उनके समर्थन में आवाज उठाई। भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में झारखंड और ओडिशा के सांसदों ने प्रदर्शन किया। सांसदों ने कहा कि छात्रों के अधिकार और न्याय की लड़ाई अब केवल झारखंड तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसकी आवाज संसद तक पहुंच चुकी है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने छात्र आंदोलन पर कथित पुलिस कार्रवाई का विरोध

किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि झारखंड में कांग्रेस की झामुमो के साथ सत्ता में साझेदारी है, इसलिए पार्टी पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए है। भाजपा सांसदों ने राज्य सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और कथित लाठीचार्ज की कार्रवाई की जांच कराने की मांग की। आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि मंगलवार आधी रात जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित आंदोलन स्थल पर उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक समेत भारी पुलिस बल के साथ पहुंचना और शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों की बिजली काटकर उन्हें जबरन हटाने का प्रयास करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के रात में धरना स्थल पहुंचते ही प्रशासन का पीछे हटना इस बात का प्रमाण है कि सरकार दमन के बल पर आंदोलन को कुचलना चाहती है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को समझना चाहिए कि छात्रों की आवाज को आधी रात के अंधेरे में दबाने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आदित्य साहू ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि छात्रों के साथ किसी भी तरह की ज्यादती हुई तो भाजपा सड़क से सदन तक आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के अधिकार और न्याय की इस लड़ाई में भाजपा पूरी मजबूती के साथ छात्रों के साथ खड़ी है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी से जवाब मांगते हुए नारे लिखी तख्तियां हाथों में ले रखी थीं। इनमें "झारखंड में छात्रों पर हुई लाठीचार्ज पर राहुल गांधी जवाब दो", "छात्रों पर हुई अमानवीयता पर राहुल गांधी जवाब दो", "छात्रों पर हुई हिंसा पर राहुल गांधी जवाब दो" और "छात्रों पर हुए अन्याय पर राहुल गांधी जवाब दो" जैसे नारे शामिल थे। प्रदर्शन में सांसद निशिकांत दुबे, विद्युत वरण महतो, बीडी राम, डॉ. प्रदीप वर्मा, चंद्रप्रकाश चौधरी, मनीष जायसवाल और कालीचरण सिंह समेत झारखंड के कई सांसद शामिल हुए। ओडिशा के सांसदों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लेकर झारखंड के छात्रों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। भाजपा सांसदों ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों पर सरकार को संवाद के जरिए समाधान निकालना चाहिए और किसी भी तरह की दमनात्मक कार्रवाई से बचना चाहिए।

झारखंड के छह जिलों में 14 अगस्त को बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड के छह जिलों में 14 अगस्त को बहुत भारी बारिश होने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, गुमला और लोहरदगा शामिल हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, 16 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इस लिहाज से राज्य में अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश खूंटी जिले के तोरपा में 69.3 मिलीमीटर दर्ज की गई। राजधानी रांची में 47 मिलीमीटर बारिश हुई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान बहरागोड़ा में 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान लातेहार में

20.7 डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। धूप निकलने के कारण गर्मी के साथ भारी उमस भी महसूस की गई। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 32.6 और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 34.8 और न्यूनतम 24.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33.8 और न्यूनतम 24.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.2 और न्यूनतम 25.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 34.8 और न्यूनतम 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में बारिश के साथ तेज हवाओं और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विशेष रूप से ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में लोगों को मौसम की स्थिति पर नजर रखने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

बिरसा उच्च विद्यालय में 'आजादी के रंग' पेंटिंग प्रतियोगिता, 300 छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा

रांची। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सामाजिक संस्था अर्थ फाउंडेशन की ओर से बुधवार को कांके रोड स्थित बिरसा उच्च विद्यालय में 'आजादी के रंग' पेंटिंग प्रतियोगिता सह तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 300 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं की आकृति सोरेन ने प्रथम, कक्षा सातवीं की अर्चना बखला ने द्वितीय और कक्षा छठी की सरस्वती लकड़ा ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, सबरीन परवीन, अनु सिंह, जॉनी असुर और तनु कुमारी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। अर्थ फाउंडेशन के ट्रस्टी मुख्य अतिथि दीपक बंका और दीपा बंका ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करते हैं। समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से बच्चों में देशप्रेम के साथ सामाजिक दायित्व की भावना भी विकसित होती है। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता सेनानियों और स्वतंत्रता संग्राम की थीम पर अपनी कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर कांके रोड के विभिन्न क्षेत्रों में पदयात्रा की। इस दौरान 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा वातावरण देशभक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में अर्थ फाउंडेशन के ट्रस्टी दीपक बंका, दीपा बंका, विद्यालय की प्राचार्या सुषमा तिवारी, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, आशीष रोशन तथा फाउंडेशन के ट्रस्ट मेंबर अमित कुमार, परवीन, रेशमा टोप्पो और राजेश सिन्हा समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रांची में दिनदहाड़े चेन छिनतई, जांच में जुटी पुलिस

रांची। राजधानी रांची में बुधवार सुबह कोकर चौक स्थित सीमा सुजुकी के सामने बाइक सवार दो अपराधियों ने एक व्यक्ति के गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुनील महतो हर दिन की तरह बुधवार सुबह अपने घर के बाहर बच्चों की स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक गली में पहुंचे। मौका मिलते ही दोनों ने सुनील महतो के गले से सोने की चेन झपट ली और बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद सुनील महतो ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को अपराधियों की गतिविधियों से संबंधित फुटेज मिल गई है। फुटेज के आधार पर उनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक हथियार बना रही भाजपा : केशव महतो कमलेश

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की ओर से राहुल गांधी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर लगाए गए आरोपों की आलोचना की है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश कर रही है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा को यदि छात्रों के हित की इतनी ही चिंता है तो उसे पहले केंद्र और भाजपा शासित राज्यों में युवाओं के साथ हुए अन्याय पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं और संसद से सड़क तक उनकी आवाज उठा रहे हैं। साथ ही, वे छात्रों से सीधे संवाद भी कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा का राहुल गांधी से सवाल पूछना हास्यास्पद है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा से सवाल किया कि पिछले वर्षों में देश में हुए पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और भर्ती परीक्षाओं की अव्यवस्था के मुद्दे पर पार्टी ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से कितनी बार जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि भाजपा को छात्रों के दर्द पर घड़ियाली आंसू बहाना बंद करना चाहिए। झारखंड के छात्र अपने अधिकार और भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस छात्रों की जायज मांगों, निष्पक्ष जांच और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के पक्ष में मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान राजनीतिक नारेबाजी से नहीं, बल्कि गंभीर बातचीत और संवेदनशील निर्णय के जरिए होगा।

विविधताओं के बीच एकता भारत को अन्य देशों से अलग और श्रेष्ठ बनाता है: परमजीत कौर

एजेंसी। रांची

रांची के कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में बुधवार को इंटर हाउस देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर ने किया। इस अवसर पर परमजीत कौर ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और कलाओं का देश है। विविधताओं के बावजूद यहां एकता, समरसता और सौहार्द की भावना कायम है। राष्ट्रीय एकता की यही भावना भारत को दुनिया के अन्य देशों से अलग और विशिष्ट बनाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को देश की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही, ये गतिविधियां नई शिक्षा नीति की मूल भावना को भी मजबूत

करती हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न हाउस के प्रतिभागियों ने हिंदी समेत कई भाषाओं में लोकप्रिय देशभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में यमुना हाउस ने प्रथम, गोदावरी हाउस ने द्वितीय, गंगा हाउस ने तृतीय और सतलज हाउस ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में गोदावरी हाउस ने हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत कर प्रथम स्थान हासिल किया। सतलज हाउस

- **कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित**

राजस्थानी नृत्य के साथ द्वितीय, गंगा हाउस कश्मीरी नृत्य के साथ तृतीय और यमुना हाउस पंजाबी नृत्य की प्रस्तुति के साथ चतुर्थ स्थान पर रहा। कार्यक्रम का संचालन अनुभव कुमार और अनुष्का सिंह ने किया।

जील इंडिया केमिकल्स के प्रोपराइटर की याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई, फैसला सुरक्षित

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने मेसर्स जील इंडिया केमिकल्स, रांची के प्रोपराइटर अजय जालान की ओर से दाखिल याचिका पर बुधवार को सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अजय जालान ने पीएमएलए कोर्ट द्वारा उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने और उनके खिलाफ आरोप गठित किए जाने के आदेश को झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा।

क्या है मामला?– मामला मेकान से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से संबंधित है। आरोप के अनुसार, मेकान के मेटालर्जिकल विंग में सीनियर मैनेजर के पद पर तैनात यूएन मंडल ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए चेन्नई की शिव मशीन टूल और रांची की जील इंडिया केमिकल्स को कार्यादेश जारी किया था। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 30 अक्टूबर 2017 को प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में ईडी ने सीबीआई की प्राथमिकी को आधार बनाकर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईसीआईआर दर्ज की। जांच एजेंसियों के

आरोप के अनुसार, मेकान के सीनियर मैनेजर यूएन मंडल ने दोनों कंपनियों को कार्यादेश जारी करने के एवज में करीब 1.65 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

पीएमएलए कोर्ट के आदेश को दी चुनौती– इसी मामले में जील इंडिया केमिकल्स के प्रोपराइटर अजय जालान ने पीएमएलए कोर्ट में डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल कर खुद को मामले से मुक्त करने की मांग की थी। हालांकि, पीएमएलए कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी और बाद में उनके खिलाफ आरोप भी गठित किए गए। पीएमएलए कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए अजय जालान ने झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया। उच्च न्यायालय में बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें रखीं। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

किशोरगंज चौक की दुकान पर नगर निगम की कार्रवाई पर हाई कोर्ट की रोक, छह सप्ताह में जवाब तलब

एजेंसी। रांची

रांची के किशोरगंज चौक स्थित एक दुकान के स्ट्रक्चर को हटाने की रांची नगर निगम की कार्रवाई पर झारखंड उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए रांची नगर निगम को छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में प्रार्थी मेहुल मृगेंद्र की ओर से अधिवक्ता शादाब इकबाल और अधिवक्ता आयुष राज ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शादाब इकबाल ने अदालत को बताया कि 7 अगस्त को रांची नगर निगम ने उनके आवास के सामने स्थित दुकान के स्ट्रक्चर को अवैध बताते हुए उसे हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया था। अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जिस परिसर में दुकान स्थित है, उसका स्वीकृत नक्शा मौजूद है। इसके बावजूद नगर निगम की ओर से दुकान के स्ट्रक्चर को तोड़ने का प्रयास किया गया, जो उचित नहीं है। प्रार्थी की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने नगर निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए निगम को छह सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई जवाब दाखिल होने के बाद होगी।

झारखंड के 29 पुलिस अधिकारियों-कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस पर मिलेगा पुलिस पदक

एजेंसी। रांची

झारखंड के तीन भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों समेत 29 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनकी विशिष्ट, वीरतापूर्ण और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह विभाग ने पदक पाने वाले अधिकारियों और कर्मियों की सूची जारी कर दी है। जारी सूची के अनुसार, एक एएसआई को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, पांच पुलिसकर्मियों को वीरता पदक और तीन आईपीएस अधिकारियों समेत 23 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इस बार सम्मान पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। विशिष्ट सेवा के लिए जैप-1 के एएसआई कैलाश प्रसाद श्रेष्ठ को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, वीरता पदक पाने वालों में लातेहार के अवर निरीक्षक विनय कुमार, आईआरबी-4 लातेहार के सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार राय, लातेहार जिला बल के आरक्षी वेद प्रकाश महतो और रामचंद्र कुमार महतो तथा आईआरबी-1 जामताड़ा के

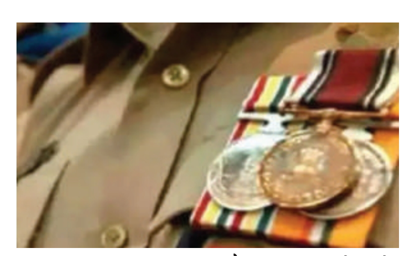

आरक्षी कृष्णा मुर्मू शामिल हैं। सराहनीय सेवा के लिए पदक पाने वालों में महानिरीक्षक रेल डॉ. माइकल राज एस, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात आईपीएस अधिकारी अन्नेपु विजयालक्ष्मी और कोल्हान के उपमहानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल हैं। इनके अलावा स्पेशल ब्रांच के उपाधीक्षक नीरज कुमार, वायरलेस के इंस्पेक्टर अरुण कुमार, एसटीएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार राय, आईटीएस रांची के इंस्पेक्टर असित कुमार मोदी, एसटीएफ के एएसआई अरविंद कुमार पालित, वशिष्ठ कुंवर, संजीव कुमार झा और विजय कुमार को भी सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा। रांची जिला के एएसआई दीपक पुंज, सीआईडी के एएसआई महेंद्र महतो, एसटीएफ के हवलदार इकबाल, हवलदार बिन्दराय मुण्डरी और हवलदार विजय थापा भी सराहनीय सेवा के लिए सम्मानित होंगे। इस बार पदक पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। जैप-10 होटवार की महिला आरक्षी मान्ती खलखो और प्रभा देवी तथा महिला हवलदार रंजिता कुजूर को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जैप-10 की महिला आरक्षी पुष्पा ओड़ेया को भी सराहनीय सेवा के लिए पदक प्रदान किया जाएगा। गढ़वा के आरक्षी विदेशी मांझी, चतरा के आरक्षी अजय कुमार दूबे और गुमला के आरक्षी दीपक कुमार सिंह को भी सराहनीय सेवा पदक मिलेगा। पुलिस मुख्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया है कि पदक प्राप्त करने वाले अधिकारी और कर्मी 13 अगस्त 2026 की अपराह्न तक वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के समक्ष रिपोर्ट करें। पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी पदक प्राप्तकर्ता का इस बीच स्थानांतरण या पदस्थापन हो गया है तो संबंधित वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक अथवा नियंत्रक पदाधिकारी इसकी सूचना पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराएंगे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया जाने वाला यह सम्मान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की विशिष्ट, वीरतापूर्ण एवं सराहनीय सेवाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

आधी रात जयपाल सिंह स्टेडियम पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, छात्रों में बढ़ा तनाव, भाजपा ने उठाए सवाल

एजेंसी। रांची

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और धांधली के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का अनिश्चितकालीन आंदोलन बुधवार को भी जारी है। इस बीच मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे उपायुक्त (डीसी), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (एडीएम), और अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) समेत कई प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे। देर रात बड़ी संख्या में अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी से आंदोलनरत छात्रों में तनाव और आक्रोश की स्थिति पैदा हो गई। प्रशासनिक टीम के अचानक पहुंचने पर छात्रों को आशंका हुई कि उन्हें धरना स्थल से हटाने या हिरासत में लेने की कार्रवाई की जा सकती है। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र स्टेडियम में जुट गए और प्रशासन के सामने डटे रहे। छात्रों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस पहल नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। हालांकि, जिला प्रशासन ने छात्रों को जबरन हटाने या हिरासत में लेने की किसी भी कार्रवाई से इनकार किया। डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि अधिकारी भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों का हालचाल जानने और उन्हें कुछ खाने के लिए समझाने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भूख हड़ताल से छात्रों की सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। प्रशासन छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर लगातार प्रयास करता रहेगा। नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने भी छात्रों को

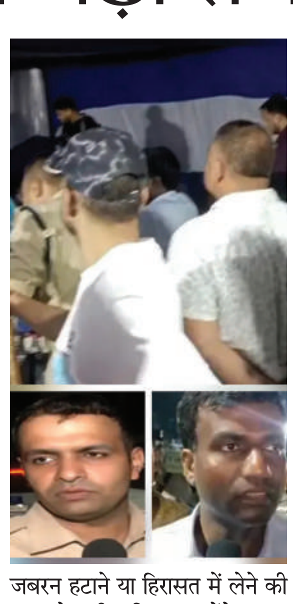

जबरन हटाने या हिरासत में लेने की बात को खारिज किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले आंदोलन स्थल पर पत्थरबाजी की घटना हुई थी। इसके बाद आंदोलन की कोर कमेटी ने कुछ बाहरी और असामाजिक तत्वों के आंदोलन में शामिल होने की आशंका जताई थी। सिटी एसपी के अनुसार, पुलिस टीम ऐसे संदिग्ध लोगों की पहचान करने के लिए मौके पर पहुंची थी, ताकि कोई आपराधिक तत्व भीड़ का फायदा उठाकर माहौल खराब न कर सके। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों को हिरासत में लेना नहीं था। पारस राणा ने कहा कि प्रशासन और पुलिस की टीम के पहुंचने के दौरान कुछ इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर भी मौके पर मौजूद थे। उनके मुताबिक, सोशल मीडिया के जरिए यह अफवाह फैल गई कि पुलिस छात्रों को हिरासत में लेने पहुंची है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की ओर से ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भाजपा नेताओं ने प्रशासन पर उठाए सवाल– देर रात धरना स्थल पर प्रशासनिक टीम के पहुंचने की सूचना के बाद भाजपा के नेता भी मौके पर पहुंचे और छात्रों के समर्थन में खड़े नजर आए। भाजपा विधायक राज सिन्हा ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार और प्रशासन को कोई कार्रवाई करनी है तो वह दिन के उजाले में खुले तौर पर करे। उन्होंने देर रात स्टेडियम के आसपास पुलिस बल की तैनाती और कथित तौर पर स्ट्रीट लाइट बंद किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए। राज सिन्हा ने कहा कि रात के समय बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी से छात्रों के बीच भय का माहौल बना। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने भी देर रात भारी पुलिस बल की तैनाती पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों को धरना स्थल से हटाने के लिए पुलिस कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी। उन्होंने कहा कि इतनी रात में डीसी और एसएसपी का बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ धरना स्थल पर पहुंचना सामान्य घटना नहीं है। हालांकि, देर रात तक छात्रों को हटाने या हिरासत में लेने जैसी कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रशासन ने अपनी मौजूदगी को छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा बताया, जबकि भाजपा नेताओं और आंदोलनरत छात्रों ने देर रात हुई प्रशासनिक गतिविधियों पर सवाल उठाए। फिलहाल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन जारी है। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच समेत विभिन्न मांगों को लेकर छात्र धरने पर बैठे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

288 छात्राओं को 11.53 लाख रुपये की छात्रवृत्ति

हजारीबाग। केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय हजारीबाग की ओर से डॉ. अंबेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उप महाप्रबंधक जयगुरू मिश्रा और सहायक महाप्रबंधक मयूर कृष्णा के मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रधान अध्यापिकाएं और केनरा बैंक की विभिन्न शाखाओं के प्रबंधक शामिल हुए। मंडल प्रबंधक आशीष कुमार वर्मा और अनुभाग प्रभारी अर्चना कुमारी ने बैंक की कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत संचालित छात्रवृत्ति योजना की जानकारी दी।

केनरा बैंक के हजारीबाग क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत 288 छात्राओं को कुल 11.53 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। वहीं, देशभर में बैंक की ओर से 47,232 छात्राओं को करीब 19 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई। योजना के तहत केनरा बैंक मेधावी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

ग्रामीण रोजगार योजना पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

जामताड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, आजीविका मजबूत करने और ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को लेकर समाहरणालय स्थित डीपीआरसी सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त असीम किस्पोट्टा ने की। उन्होंने जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी और संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

प्रशिक्षण के दौरान अधिनियम के उद्देश्यों, प्रमुख प्रावधानों, कार्यान्वयन प्रक्रिया और विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों की भूमिका की जानकारी दी गई। असीम किस्पोट्टा ने कहा कि अधिनियम के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन में पारदर्शिता, समयबद्धता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ नियमित अनुश्रवण का निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड, पंचायत और ग्राम स्तर पर बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया।

कार्यशाला में जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी संतोष कुमार घोष, बीडीओ कमलेश कुमार दास, अविश्वर मुर्मू, परियोजना पदाधिकारी पूनम, मास्टर प्रशिक्षक, बीपीओ, एई, जेई, रोजगार सेवक सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

पारसनाथ कॉलेज में एनसी कैडेट सूरज का सम्मान

डुमरीः पारसनाथ महाविद्यालय के एनसी कैडेट अंडर ऑफिसर सूरज कुमार सिंह के तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में आयोजित आईडीएसएससी 2026 से लौटने पर बुधवार को महाविद्यालय में उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया।अंडर ऑफिसर सूरज कुमार सिंह ने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में पीप साइट 3P इवेंट में भाग लेकर महाविद्यालय के साथ-साथ 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा का प्रतिनिधित्व किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. पिंटू कुमार पांडेय, हवलदार अजय कुमार पटेल, प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा और उप प्राचार्य प्रो. यशवंत कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीनियर अंडर ऑफिसर अनिल दास, अंडर ऑफिसर अजय कुमार मिस्त्री, कैडेट धीरज कुमार महतो, सार्जेंट नंदिनी कुमारी, कैडेट रेशमा परवीन, कैडेट चांद सकीना खातून, कैडेट काजल कुमारी और कैडेट रेहाना परवीन सहित अन्य एनसीसी कैडेट भी मौजूद थे। प्राचार्य ने बताया कि 15 अगस्त के अवसर पर महाविद्यालय में एनसीसी कैडेटों के बीच रेस प्रतियोगिता, डीएसटी टेस्ट और रस्साकशी का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 15 अगस्त को महाविद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

जामताड़ा में सूखा-गीला कचरा अलग रखने के लिए लगाए जा रहे डस्टबिन

जामताड़ा। शहर को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने की दिशा में नगर पंचायत जामताड़ा ने पहल शुरू की है। नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता की पहल पर बुधवार से शहर के विभिन्न स्थानों पर सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिए डस्टबिन लगाने का कार्य शुरू किया गया।

नगर पंचायत के अनुसार, इसका उद्देश्य कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के साथ लोगों को सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करना है। शहर के प्रमुख स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से डस्टबिन लगाए जाएंगे। इससे लोगों को निर्धारित स्थान पर कचरा डालने की सुविधा मिलेगी और सार्वजनिक जगहों पर कचरा बिखरने की समस्या कम होगी।

अध्यक्ष आशा गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ शहर बनाने के लिए नगर पंचायत के प्रयासों के साथ नागरिकों की सहभागिता भी जरूरी है। उन्होंने शहरवासियों से कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने और सूखा-गीला कचरा अलग कर निर्धारित डस्टबिन में डालने की अपील की। मौके पर अध्यक्ष प्रतिनिधि तरुण गुप्ता, वार्ड पार्षद और नगर के गणमान्य लोग मौजूद थे।

गोचर भूमि पर सड़क निर्माण का आरोप, जांच के निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : इन दिनों गोचर भूमि के अतिक्रमण की प्रक्रिया प्रशासन और विभाग के मौन धारण के कारण तेजी से हो रहा है. ताजा मामला नारायणपुर अंचल अंतर्गत पंदनी से नारोडीह के बीच बने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़ा हुआ है इस योजना का शिलान्यास वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने 11 अक्टूबर 2024 को किया था। लगभग 3 करोड़ की लागत वाली सड़क कों 3 किलोमीटर निर्माण हुवा है. लेकिन इस निर्माण कार्य में संवेदक ने गोचर भूमि का अतिक्रमण कर लिया है. पंदनी से चिरुडीह के बीच दाग संख्या 470 और 527 केकुल रकवा लगभग एक एकड़

गोचर भूमि पर सड़क बना दी गई. हैरानी की बात यह है कि इसमें ना तो संवेदक ने भूमि सत्यापन करना जरूरी समझा और ना ही गोचर भूमि का ख्याल रखा, इस बाबत स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार आंचल को शिकायत भी की लेकिन संवेदक की पहुंच ऊपर होने के कारण शिकायतें फाइलों में दब गई और संवेदक को कम का भुगतान भी हो गया। इस संबंध में विभाग के सहायक अभियंता का कहना है कि मामला अभी मेरे संज्ञान में आया है जांच कराई जाएगी और अगर जांच में गड़बड़ी पाई जाती है तो कार्रवाई होगी। इधर मामले में नारायणपुर के सीओ देवराज गुप्ता का कहना है की गोचर भूमि में किसी प्रकार का निर्माण नहीं होना है अगर निर्माण हुआ है और इसकी शिकायत होती है तो जांच की जाएगी सत्यापन के बाद अगर शिकायत सही मिलती है तो गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय झिरके में संयोजिका के चयन पर उठे सवाल, जांच की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय झिरके में सरस्वती वाहिनी संचालन समिति की संयोजिका के चयन को लेकर विवाद गहरा गया है। मामले को लेकर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को आवेदन देकर चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितता की जांच कराने तथा चयन को रद्द कर नियमानुसार नई संयोजिका के चयन की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन बीते 25 जुलाई को किया गया, जिसमें 11 महिला सदस्यों का चयन हुआ। विभागीय निर्देश के अनुसार नवचयनित महिला सदस्यों द्वारा सरस्वती वाहिनी संचालन समिति का गठन कर संयोजिका का चयन किया जाना था। आरोप है कि सदस्यों को पूर्व सूचना दिए बिना एक रणनीति के तहत 27 जुलाई को बैठक बुलाकर समिति का गठन किया गया। आवेदनकर्ताओं का आरोप है कि बैठक में सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग से आने वाली जसवंती देवी का नाम संयोजिका के लिए प्रस्तावित होने के बावजूद उनका चयन नहीं किया गया। इसके बजाय यशोदा देवी का चयन किया गया। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि यशोदा देवी लगातार तीसरी बार अध्यक्ष सह संयोजिका बनती आ रही हैं।

आवेदन में कहा गया है कि इस चयन को लेकर आपत्ति और विरोध जताया गया, लेकिन विद्यालय के प्रभारी सह सचिव की ओर से इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया और यशोदा देवी को ही पद पर बनाए रखा गया। अभिभावकों ने इसे विभागीय एवं सरकारी दिशा-निर्देशों के विपरीत बताते हुए कहा कि ऐसी कार्यप्रणाली से शिक्षकों और अभिभावकों के बीच आपसी समन्वय एवं विश्वास प्रभावित हो सकता है।

अभिभावकों ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर यशोदा देवी के चयन को रद्द करने तथा योग्य संयोजिका का नियमानुसार चयन कराने की मांग की है।

एनसीसी कमांडिंग ऑफिसर ने झारखंड कॉलेज का किया निरीक्षण, कैडेट्स की सराहना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः झारखंड कॉलेज में बुधवार को 5 झारखंड बटालियन एनसीसी, धनबाद के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अनिमेष झा ने कॉलेज पहुंचकर एनसी कैडेट्स के क्रियाकलापों और एनसीसी कार्यालय का निरीक्षण किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुजीत कुमार माथुर और सीटीओ सुमित कुमार के नेतृत्व में कैडेट्स ने उनका स्वागत किया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। प्राचार्य ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।निरीक्षण के बाद कमांडिंग ऑफिसर ने एनसी कार्यालय को सभी दृष्टि से व्यवस्थित पाया। कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड कॉलेज के कैडेट्स काफी प्रतिभाशाली और होनहार हैं। प्रशिक्षण शिविरों में इनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहता है। हमारी बटालियन के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों में इस कॉलेज की स्थिति और कैडेट्स का प्रदर्शन हर दृष्टि से नंबर एक रहता है। उन्होंने भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए कॉलेज प्रशासन एवं कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं और कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर प्रो. घनश्याम यादव, डॉ. बद्री नारायण प्रसाद, प्रो. मनोज कुमार सिंह, प्रो. तालेश्वर नायक, प्रो. रवींद्र कुमार सिंह, प्रो. शंकर ठाकुर, प्रो. राजेश प्रसाद, प्रो. उमाशंकर राय, प्रो. मनोज कुमार तिवारी, डॉ. अनीता मिश्रा, पूर्व कैडेट सैम सिन्हा, शेखर कुमार आदि उपस्थित थे।

अनुराधा सिंगला द्विवेदी ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

» BARC में वैज्ञानिक बनकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। बोकारो जिले के पेटरवार प्रखंड अंतर्गत छोटे से गांव लूकैया की बेटी अनुराधा सिंगला द्विवेदी ने शोध और अकादमिक उपलब्धियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। अपनी प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

प्रतिष्ठित कारोबारी एवं समाजसेवी स्वर्गीय रामदास सिंगला की पौत्री तथा रविकांत सिंगला एवं शालिनी सिंगला की पुत्री अनुराधा वर्तमान में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थान भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (BARC), मुंबई में वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सफलता हासिल की और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

अनुराधा की प्रारंभिक शिक्षा पीटीजेएम सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पेटरवार से हुई। इसके बाद उन्होंने विभिन्न राज्यों में रहकर अपनी उच्च शिक्षा पूरी की। इंटरमीडिएट की पढ़ाई के बाद उन्होंने मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके पश्चात सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद से भौतिकी विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।

वर्ष 2016 में अनुराधा का भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में वैज्ञानिक के रूप में चयन हुआ। वैज्ञानिक के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में शोध किया। अपने शोध कार्य और अकादमिक उपलब्धियों के आधार पर उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की।

अनुराधा चार भाई-बहनों में दूसरी संतान हैं। उनकी इस उपलब्धि से पेटरवार और लूकैया क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थान तक पहुंचने वाली अनुराधा की सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के बल पर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी पहचान बना सकते हैं।

चांडिल-नीमडीह में आंगनबाड़ी चयन प्रक्रिया की जांच की मांग, CDPO की भूमिका भी जांच के दायरे में

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिलः चांडिल एवं नीमडीह प्रखंड में जुलाई 2023 से अगस्त 2026 तक हुई आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका चयन प्रक्रियाओं की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग उठी है। विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने इस संबंध में उपायुक्त एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर चयन प्रक्रियाओं में कथित अनियमितता, पक्षपात एवं प्रक्रिया में कमी से जुड़ी शिकायतों की जांच कराने का आग्रह किया है।

राकेश रंजन महतो ने कहा कि विभिन्न गांवों एवं पंचायतों में हुई चयन प्रक्रियाओं को लेकर आर्थिक लेन-देन, पक्षपात, नियमों के अनुपालन में कमी और दस्तावेजों से संबंधित शिकायतें सामने आई हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना जांच के किसी व्यक्ति या अधिकारी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। इसलिए दस्तावेजों और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर निष्पक्ष जांच जरूरी है।

CDPO विभा सिन्हा की भूमिका की भी जांच की मांग- आवेदन में राकेश रंजन महतो ने कहा है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार विभा सिन्हा जुलाई 2023 से चांडिल प्रखंड में CDPO के पद पर कार्यरत हैं और नीमडीह प्रखंड का अतिरिक्त प्रभार भी देख रही हैं। उन्होंने संबंधित अवधि में दोनों प्रखंडों की चयन प्रक्रियाओं में CDPO की प्रशासनिक भूमिका एवं प्रक्रियागत जिम्मेदारियों की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि जांच का उद्देश्य किसी को पहले से दोषी ठहराना नहीं, बल्कि चयन प्रक्रिया से जुड़े सभी तथ्यों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना है।

इन क्षेत्रों की चयन प्रक्रियाओं की जांच की मांग- शिकायत में नीमडीह प्रखंड के बान्दू, तिलाईटांड़, झिमरी, गुण्डा तथा चांडिल प्रखंड के चिलगु, हमसादा, नूतनडीह, रसुनिया, बामुनडीह सहित अन्य गांवों एवं पंचायतों में हुई चयन प्रक्रियाओं की जांच की मांग की गई है।

मंच ने पंचायतवार एवं आंगनबाड़ी केंद्रवार चयन सूची तैयार करने, रिक्तियों की सूचना, आमसभा की तिथि, प्राप्त आवेदनों, चयनित अभ्यर्थियों और चयन समिति से संबंधित अभिलेखों की जांच कराने का आग्रह किया है।

इसके अलावा आवेदन पत्र, शैक्षणिक एवं निवास प्रमाण-पत्र, आमसभा की कार्यवाही, उपस्थिति पंजी, चयन समिति की अनुशंसा, अंतिम चयन सूची तथा प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की मांग की गई है।

राकेश रंजन महतो ने कहा कि जहां शिकायतें मिली हैं, वहां शिकायतकर्ताओं, अभ्यर्थियों, ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं चयन समिति के सदस्यों का पक्ष भी दर्ज किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि जांच में नियमों का उल्लंघन, फर्जी दस्तावेज, पक्षपात, अनुचित लाभ या आर्थिक लेन-देन के पर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं, तो जांच के निष्कर्षों के आधार पर जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

साथ ही उन्होंने भविष्य की चयन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता के लिए रिक्तियों का विधिसम्मत प्रकाशन, बैठकों की सूचना, दस्तावेजों का सत्यापन, आवश्यकतानुसार वीडियोग्राफी तथा अंतिम चयन सूची के सार्वजनिक प्रकाशन की मांग की।

राकेश रंजन महतो ने कहा, "हमारा उद्देश्य किसी व्यक्ति या अधिकारी को बिना जांच के दोषी ठहराना नहीं है। हमारी मांग केवल निष्पक्ष और दस्तावेज-आधारित जांच की है। जांच में जो तथ्य सामने आएं, उसी के आधार पर निष्पक्ष निर्णय और नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।"

विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन ने जिला प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वतंत्र जांच समिति गठित कर चयन प्रक्रियाओं की जांच कराने तथा अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

वज्रपात से व्यक्ति और भैंस की मौत, गांव में पसरा मातम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के पांचमोरिया गांव में वज्रपात की चपेट में आने से एक व्यक्ति और एक भैंस की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पांचमोरिया गांव में बुधवार देर शाम वज्रपात की चपेट में आने से सलीम अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सलीम अंसारी अपने मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश के बीच वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से उनकी और एक भैंस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर नारायणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। प्रशासन की ओर से मृतक के परिजनों को सरकारी प्रावधानों के तहत सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

युवा दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर, छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जागृति योजना 2025 के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा की ओर से पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदीप कुमार गुप्ता ने की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव पवन कुमार ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा, ऑनलाइन फ्रॉड और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा ओटीपी और बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की अपील की।

एलएडीसीएस अधिवक्ता उत्तम कुमार ने बाल विवाह और बाल श्रम को गंभीर सामाजिक एवं कानूनी अपराध बताते हुए बाल अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण पर पेंटिंग प्रतियोगिता भी हुई। कक्षा छह-बी की इशिता सेन प्रथम, कक्षा 10-ए की निवेदिता मंडल द्वितीय और कक्षा छह-ए की प्राची प्रिया तृतीय रहीं। सचिव पवन कुमार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में अधिकार मित्र अमित कुमार मिश्रा, विश्वजीत पाल, मौसमी मुर्मू, आनंद महतो, मेघा गुप्ता, मधु कुमारी, सुमन टुडू और शिवनाथ मंडल सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पेंडेंट दिखाने के बहाने ज्वेलरी दुकान से एक लाख के जेवर गायब, दो लोगों पर शक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत स्थित सिद्धि ज्वेलर्स में पेंडेंट खरीदने के बहाने दो लोगों द्वारा करीब एक लाख रुपये मूल्य के सोने के पेंडेंट गायब करने का मामला सामने आया है। घटना आज शाम बुधवार की है, जिसके बाद ज्वेलरी दुकानदार ने मामले की जानकारी पुलिस को दी है।

दुकान के मालिक दीनदयाल अग्रवाल ने बताया कि दो लोग दुकान पर पहुंचे और सोने का सामान खरीदने की बात कहते हुए पेंडेंट दिखाने को कहा। दुकानदार द्वारा उन्हें अलग-अलग पेंडेंट दिखाए जा रहे थे। इसी दौरान दोनों ग्राहकों ने कथित तौर पर दो नग पेंडेंट गायब कर दिए।

इसके बाद दोनों ने दुकानदार से कहा कि वे महिला को लेकर वापस आएंगे और खरीदारी करेंगे। इस दौरान उन्होंने दुकानदार को दो हजार रुपये एडवांस भी दिए और वहां से चले गए। काफी देर बाद जब दोनों वापस नहीं लौटे तो दुकानदार को संदेह हुआ। सामान की जांच करने पर दो पेंडेंट गायब मिले।

दुकानदार के अनुसार गायब किए गए दोनों पेंडेंट की कुल कीमत करीब एक लाख रुपये है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की भी जांच की जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

घटना के बाद स्थानीय आभूषण कारोबारियों में भी चिंता देखी जा रही है। पुलिस से आरोपियों की जल्द पहचान कर सामान बरामद करने की मांग की गई है।

रोड-रोलर रुख

संसदीय परंपरा के तहत निचले सदन में विपक्ष के नेता को 'प्राइम मिनिस्टर इन वेटिंग' कहा जाता है। इस रूप में कई राजनीति-शास्त्री इसे प्रधानमंत्री के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण पद बताते हैं। इस मान्यता के पीछे प्रमुख तर्क है कि नेता विपक्ष सरकार से असहमत पूरे जनमत की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। लोकतांत्रिक अपेक्षा यह है कि इन भावनाओं की भी कद्र की जाए। तो कहा जाता है कि पक्ष- विपक्ष दोनों लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था के अंग हैं। लेकिन यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता विपक्ष सवाल पूछते हुए पत्र लिखें, और गृह मंत्री उसकी पावती भेजने की जरूरत भी ना समझें। लो कसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 25 जुलाई को भेजे पत्र में अमित शाह से पूछा था कि 20 जुलाई को छात्र- नौजवानों के 'संसद मार्च' के दौरान घातक हथियारों के इस्तेमाल तथा सादी पोशाक में 'सुरक्षाकर्मियों' की तैनाती का आदेश किसने दिया? 29 जुलाई को गांधी ने बताया कि जवाब तो दूर, पत्र का एक्नॉलेजटमेंट तक उन्हें नहीं मिला है। गांधी ने वही प्रश्न लोकसभा में पूछे, लेकिन वे शोरगुल और हंगामे के बीच कहीं दब गए। गांधी का कहना है कि चूंकि दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ (जिन एजेंसियों की तैनाती थी) केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करते हैं, अतः दिल्ली में जो हुआ- अगर वह शाह की जानकारी में हुआ तो सारी जवाबदेही उनकी बनती है। अगर प्रदर्शनकारियों पर 'क्रूर हमले' की जानकारी उन्हें नहीं थी, तो शाह अयोग्य गृह मंत्री माने जाएंगे। इन दोनों ही स्थितियों में अमित शाह का गृह मंत्री बने रहना अस्वीकार्य हो गया है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि अमित शाह की जवाबदेही का सवाल फिलहाल कांग्रेस का मुख्य मुद्दा है। इस तरह संसद और उसके बाहर टकराव एक नया फ्लैश प्वाइंट तैयार हो गया है। ऐसा संभवतः नहीं होता, अगर शाह विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर देते और दिल्ली की घटनाओं की निष्पक्ष जांच का एलान कर देते। मगर ऐसी बातों की अपेक्षा अब सदिच्छा भर मालूम पड़ती है। इसलिए सरकार के रोड-रोलर रुख ने संवाद से समाधान निकालने के सिस्टम को ही गतिरुद्ध कर रखा है।

केरलम् में 'वंदे मातरम्' से परहेज ! दक्षिण भारत के अपने इतिहास को देखिए...

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केरलम् में 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गायन को लेकर जिस तरह की आपत्ति सामने आई है, उसने एक साधारण प्रशासनिक निर्देश को गंभीर राष्ट्रीय विमर्श में बदल दिया है। सवाल यह है कि क्या भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की राष्ट्रीय स्मृति को भी राज्यों, दलों और राजनीतिक सुविधा की सीमाओं में बांटा जा सकता है? केरलम् सरकार की ओर से यह कहा गया कि सरकारी कार्यक्रमों में पहले की परंपरा के अनुसार 'वंदे मातरम्' के शुरुआती दो पद ही गाए जाएंगे। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने इससे भी आगे जाकर पूरे गीत के गायन का तीखा विरोध किया। दूसरी ओर केंद्र सरकार 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में इसके सामूहिक गायन पर जोर दे रही है। इसी बीच तमिलनाडु विधानसभा ने राज्य के सार्वजनिक कार्यक्रमों में 'तमिल थाई वाझ्थु' को आरंभ में गाने का प्रस्ताव पारित किया है।

यहां एक बात बहुत साफ समझने की जरूरत है। किसी राज्य को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा पर गर्व करने का पूरा अधिकार है। तमिल को सम्मान मिलना चाहिए, मलयालम को सम्मान मिलना चाहिए, कन्नड़, तेलुगु, कोंकणी और हर भारतीय भाषा को सम्मान मिलना चाहिए, किंतु अपनी क्षेत्रीय अस्मिता का सम्मान करने के लिए राष्ट्रीय स्मृति से दूरी बनाना आवश्यक नहीं है। भारत की सुन्दरता ही यही है कि तमिल अपनी जगह तमिल है, मलयालम अपनी जगह मलयालम है, पर स्वतंत्रता का इतिहास सबका संयुक्त है। इसमें सभी का सर्वस्व त्याग एवं समर्पण समाहित है। वस्तुतः 'वंदे मातरम्' इसी साझा स्वरूप का ही प्रकटीकरण है। यदि 'वंदे मातरम्' को उत्तर भारतीय या किसी एक राजनीतिक विचारधारा का प्रतीक बताने की कोशिश की जाए तो तमिलनाडु का इतिहास इस तर्क को सीधे चुनौती देता है। महाकवि सुब्रमण्यम भारती (1882–1921) तमिलनाडु के एक महान कवि, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक रहे। उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी के अमर गीत 'वंदे मातरम्' का तमिल भाषा में अनुवाद और रूपांतरण किया था, जिसने दक्षिण भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जन-जन में देशभक्ति की प्रखर भावना जगाई। "कन्नन पट्टू" "नीलवुम वनमिनम कात्रुम" "पांचाली सबातम" "कुयिल पट्टू" भारती के महान काव्य उत्पादन के उदाहरण हैं। भारती को देशभक्ति से भरपूर उनकी अनेक कविताओं के कारण राष्ट्रीय कवि माना जाता है, जिनके माध्यम से उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और देश की मुक्ति के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए प्रेरित किया। अपने देश पर गर्व करने के अलावा, उन्होंने एक स्वतंत्र भारत के अपने दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। उन्होंने 1908 में सनसनीखेज रचना "सुदेशा गीतंगल" प्रकाशित की।भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव पोर्टल भी दर्ज करता है कि भारती के कार्यों ने मद्रास क्षेत्र में स्वदेशी आंदोलन की जनमत-निर्माण प्रक्रिया में भूमिका निभाई और उनके एक कार्टून में 'वंदे मातरम्' ध्वज का चित्रण भी था, और बात यहीं खत्म नहीं होती। सुब्रमणिय भारती के प्रकाशित काव्य-संकलनों में 'वन्देमातरम्' स्वतंत्र रचना के रूप में दर्ज है। 1977 में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित Poems of Subramania Bharati में 'वन्देमातरम्' शामिल है; 1984 के Subramania Bharati: Chosen Poems and Prose में भी इसकी स्पष्ट उपस्थिति है। यानी जिस दक्षिण भारत को आज 'वंदे मातरम्' के संदर्भ में राजनीतिक दूरी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, उसी दक्षिण भारत का एक महानतम राष्ट्रवादी कवि इसे अपने साहित्य और स्वतंत्रता चेतना का हिस्सा बना चुका था। तमिलनाडु के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक सरकारी दस्तावेज इससे भी अधिक स्पष्ट है। उसमें दर्ज है कि भारती के Swadesha Geethangal में 'वन्देमातरम्' पहला राष्ट्रीय गीत था और इसे स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित करने वाला महान उद्घोष बताया गया है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि भारती के गीत अशिक्षित जनता तक राष्ट्रीय भावना पहुंचाने का माध्यम बने और लोग उन्हें गाकर सुनाते थे। तो फिर आज सवाल यह है कि 'वंदे मातरम्' दक्षिण भारत का कैसे नहीं हुआ? क्या तमिलनाडु के महाकवि भारती को यह इतिहास पता नहीं था? क्या स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मद्रास की धरती पर उठी 'वंदे मातरम्' की आवाज को आज भुला दिया जाए?

क्या किसी राष्ट्रीय गीत की स्वीकार्यता इस बात से तय होगी कि आज कौन-सी राजनीतिक पार्टी उसे अपने कार्यक्रम में गा रही है? भारती का स्पष्ट मत था जोकि उनके साहित्य लेखन में कई स्थानों पर प्रकट भी हुआ है, "जब तक भारतीय भारत माता की संतान के रूप में एकजुट नहीं होंगे, तब तक उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो सकती।" आज यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम सभी अपने राष्ट्र एवं मां भारत माता की वन्दना "वन्देमातरम्" के लिए एक मत और एक स्वर नहीं हो पा रहे हैं। हमारे क्षेत्रीय एवं वोट के स्वार्थ इतने बड़े हैं कि हम उसी मां की आराधना करने से पीछे हट रहे हैं, जिससे जीवन पाकर अंत में उसी में विलय हो जाना है! 'वंदे मातरम्' बंगाल में जन्मा, लेकिन उसकी यात्रा बंगाल तक नहीं रुकी। यह तमिल में पहुंचा, तेलुगु में पहुंचा, कन्नड़ में पहुंचा, मलयालम में पहुंचा, हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में पहुंचा। इसके अनुवाद और रूपांतरणों ने इसे भारतीय भाषाओं की साझा राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया। इसका अर्थ ही यही है कि 'वंदे मातरम्' किसी भौगोलिक प्रदेश की सीमा में कैद अथवा सीमित गीत कभी नहीं रहा। वह भारतीय राष्ट्रवाद के विस्तार के साथ पूरे देश में यात्रा करता रहा है। यही बात उन लोगों को समझनी चाहिए जो आज इसे किसी एक राजनीतिक दल का प्रतीक बताकर उससे दूरी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 'वंदे मातरम्' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पैदा होने से दशकों पहले से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहता आया है। कांग्रेस के अधिवेशनों में इसे स्थान मिला। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ ठाकुर ने इसे गाया। 1905 के स्वदेशी आंदोलन में यह राजनीतिक उद्घोष बन चुका था। 1950 में संविधान सभा ने 'जन गण मन' के साथ समान सम्मान के साथ राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया। वस्तुतः ऐसे में आज यदि कोई कांग्रेस नेता यह कहता है कि पूरा गीत गाने में तीन मिनट दस सेकंड लगते हैं और इतने समय तक खड़ा रहना व्यावहारिक कठिनाई हो सकती है, तो उस तर्क पर चर्चा हो सकती है। सम्मान कानून से पैदा नहीं होता, यह बात सही है। किसी नागरिक के मन में देशभक्ति आदेश से नहीं भरी जा सकती, यह भी सही है, किंतु क्या किसी राष्ट्रीय गीत के सम्मान को उसकी अवधि से तौलना उचित है? क्या तीन मिनट दस सेकंड किसी राष्ट्र की स्मृति के सामने इतना बड़ा समय है कि उसे लेकर असहजता पैदा हो जाए? क्या हम अपनी भारत माता एवं राष्ट्र भारत के आराधन के लिए तीन मिनट 10 सेकेंड भी नहीं खड़े होकर उसे सम्मान नहीं दे सकते? सच तो यह है कि जिस भारत के स्वतंत्रता सेनानी वर्षों जेल में रहे, जिन्होंने अपनी संपत्ति गंवाई, जिनकी नौकरियां गईं, जिन्होंने परिवारों से दूरी सही और जिन्होंने अपने जीवन तक को राष्ट्र के नाम कर दिया, उनके सामने तीन मिनट दस सेकंड का तर्क बहुत छोटा दिखाई देता है और यहां 'वंदे मातरम्' की असली शक्ति समझने की जरूरत है। यह गीत उस समय लिखा गया जब भारत स्वतंत्र नहीं था। उस समय किसी भारतीय के पास यह सुविधा नहीं थी कि वह राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रीय पहचान और देशभक्ति पर आराम से बैठकर बहस करे। औपनिवेशिक शासन की कठोरता के बीच राष्ट्रीय चेतना को जगाना ही अपने आप में प्रतिरोध था।

'वंदे मातरम्' इसी प्रतिरोध की भाषा बना।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है।
-एलिशिया मेकेडो

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।
-हेनरी वार्ड बीचर

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा (रात 08:44 बजे तक, तत्पश्चात द्वितीया) आश्लेषा नक्षत्र (सुबह 06:06 बजे तक), तत्पश्चात मघा नक्षत्र, (शुभ कार्य हेतु श्रेष्ठ): दोपहर 11:59 बजे से 12:52 बजे तक, अमृत कालः सुबह 04:37 बजे से 06:06 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

धनु राशि में चंद्रमा और गुरु ग्रह के प्रभाव के कारण बच्चा बुद्धिमान, सत्यप्रिय, धार्मिक और निडर स्वभाव का होगा। शिक्षा, कानून, शोध व अनुसंधान, प्रबंधन, सिविल सेवाएं या दार्शनिक/आध्यात्मिक क्षेत्रों में विशेष सफलता मिलने की संभावना रहेगी।

मेष राशिः उमंग भरा दिन रहेगा, कार्यस्थल पर सहयोग और छात्र पढ़ाई में बदलाव करेंगे।

वृष राशिः खास दिन रहेगा, महत्वपूर्ण फैसले लेंगे और नकारात्मकता से दूर रहेंगे।

मिथुन राशिः अपने काम में व्यस्त रहें, वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा और विरोधी झुकेंगे।

कर्क राशिः काम नए तरीके से करेंगे, दोस्तों संग योजना बनेगी और संतुलन रहेगा।

सिंह राशिः व्यापार में धैर्य रखें, दूसरों से दूर रहकर काम पर ध्यान दें।

कन्या राशिः मार्केटिंग पर ध्यान दें, रणनीति से सफलता और उलझे सवालों के जवाब मिलेंगे।

तुला राशिः ऑफिस यात्रा संभव है, नया सीखने को मिलेगा और समय पर काम होगा।

वृश्चिक राशिः मनोरंजन में समय बीतेगा, सम्मान बढ़ेगा और परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः विवाद सुलझने से शांति रहेगी, पुरानी योजनाएं पूरी होंगी और परिणाम मिलेंगे।

मकर राशिः दूसरों का ख्याल रखेंगे, अटका धन मिलेगा और परिवार संग समय बीतेगा।

कुंभ राशिः आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, बदलाव संभव हैं और रिश्तों में मधुरता आएगी।

मीन राशिः आर्थिक फैसले लेंगे, धर्म-कर्म में रुचि और व्यापार में नए तरीके मिलेंगे।

साहित्य, कला, संस्कृति, फिल्म सब बौने लोगों की जमात

हरिशंकर व्यास

यों इसकी वजह समाज भी है लेकिन सत्ता की ज्यादा जिम्मेदारी है कि देश में साहित्य के फलने फूलने का जो इकोसिस्टम था उसका पतन रोके। संस्कृति को बढ़ाए, निखारे। मगर संस्कृति संरक्षण के नाम पर होने वाले आयोजनों की संख्या लगातार कम होती हुई है और अगर आयोजन होता भी है तो उसमें से सौंदर्य गायब है। उलटे वह भोंडेपन का प्रदर्शन बनता जा रहा है। सोचें, एक समय देश में साहित्य के कितने केंद्र थे। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद और वाराणसी साहित्य और संस्कृति का बड़ा केंद्र थे तो बिहार में पटना, मध्य प्रदेश में भोपाल व जबलपुर, राजधानी दिल्ली, पश्चिम बंगाल में कलकत्ता ये सब बड़े केंद्र थे। दक्षिण भारत की भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में उत्कृष्ट साहित्य रचा जा रहा था। उसका अनुवाद हिंदी क्षेत्र में भी खूब बिकता था। लेकिन आज किसी कॉलेज के छात्र से समकालीन साहित्यकारों, कवियों, उपन्यासकारों के बारे में पूछा जाए या उनकी कोई कविता पढने को कहा जाए तो ज्यादा संभावना है कि वह नहीं पढ़ पाएगा। राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों तक में भरत नाट्यम से लेकर कुचिपुड़ी और कत्थक नृत्य का आयोजन होता था। अब ऐसे आयोजन या तो बहुत कम होते हैं या बिल्कुल बंद हो गए हैं।

नई पीढ़ी के किसी नौजवान से पूछा जाए कि वह दो चार शास्त्रीय संगीतकारों और नृत्य कला का प्रदर्शन करने वालों के नाम बताए तो गारंटी है कि वह नहीं बता पाएगा। इसे पुरानी पीढ़ी का मोह या श्रेष्ठता बोध कह कर खारिज नहीं कर सकते हैं लेकिन यह हकीकत है कि आज कहीं न तो बिस्मिल्ला खां हैं, न कहीं पंडित भीमसेन जोशी, न पंडित रविशंकर, न पंडित जसराज हैं और न किशोरी अमोनकर हैं। कोई उस्ताद अमजद अली खां या उस्ताद जाहिर हुसैन भी नहीं है। न कोई एमएफ हुसैन हो रहा है और न कोई हैदर रजा हो रहा है। साहित्य, कला, संस्कृति, फिल्म सब बौने लोगों की जमात हो गई है। पूरे देश में मूर्खता का महोत्सव मनाया जा रहा है। जो जितनी मूर्खतापूर्ण बात कर सकता है उसकी प्रगति के उतने ही आयाम खुलते जाएंगे। तर्क और विचार की जगह अनुशासन और आदेश पालन, भौंडेपन पर जोर हो गया है।

एक न्यायाधिकरण, जो अपने आप में पूर्ण है

एन. वेंकटरमण

भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (उच्चतम न्यायालय)

हमारे सार्वजनिक अधिनियमों में न्यायाधिकरणों के गठन से जुड़े कुछ ही प्रश्न ऐसे हैं, जिनकी इतनी बार पुनर्समीक्षा हुई है। 1987 के एस. पी. संपत कुमार मामले से लेकर नवंबर 2025 में मद्रास बार एसोसिएशन से संबंधित निर्णय तक, न्यायालयों ने कानून निरस्त किये, निर्देश जारी किए और फिर उसी आधार पर स्वयं को नए कानूनों की समीक्षा करते हुए पाया। यह विषय इतने चक्र से गुजरा है, जो अपने आप में दर्शाता है कि समस्या कितनी कठिन रही है। न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 इसीलिए ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि उसने अंततः वास्तविक समस्या की पहचान कर ली है और उम्मीद है कि समाधान भी खोज लिया है।

दूसरे देशों और स्वयं के अनुभव से मिली सीखः यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। दूसरे देशों को भी इसका सामना करना पड़ा है और उनका निदान ध्यान देने योग्य है। ब्रिटेन में जब सर एंड्र्यू लेगट ने 2001 में इस क्षेत्र की समीक्षा की, तो पाया कि सत्तर से अधिक न्यायाधिकरणों का प्रशासन उन्हीं विभागों द्वारा किया जा रहा था, जिनके निर्णयों की वे समीक्षा करते थे। उन्होंने इसे मूल दोष माना। उनका उपाय कार्यकाल में बदलाव या योग्यताओं को परिष्कृत करना नहीं था। उनका समाधान था कि न्यायाधिकरणों को उनके प्रायोजक विभागों से अलग कर उनका प्रशासन एकल सेवा के अधीन किया जाए। यही सुधार 2007 के अधिनियम का आधार बना। यह सुधार संरचनात्मक था। उसने निर्भरता के लक्षणों को नहीं, बल्कि निर्भरता की वजह का समाधान किया।

भारत ने न्यायाधिकरणों की व्यवस्था को प्रारंभिक चरण में ही अपनाया और, कुल मिलाकर, यह सफल रही। 1941 में स्थापित आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण आज भी विशेषज्ञतापूर्ण न्यायनिर्णयन के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। इस प्रारूप को अनुच्छेद 323ए और 323बी तथा प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम, 1985 द्वारा आगे बढ़ाया गया और बाद में विभिन्न नियामक क्षेत्रों में उस उच्च स्तर पर इसका विस्तार हुआ, जिसे उच्च न्यायालय नहीं ले सकते थे। पर हमारी समस्या अलग तरह की थी। जैसा कि न्यायालय की 2020 की टिप्पणी में कहा गया कि स्वतंत्रता तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब न्यायाधिकरणों को अपने कार्य करने के लिए कार्यपालिका के कंधों का सहारा न लेना पड़े।

पहले के प्रयासों से समस्या का समाधान क्यों नहीं हो सकाः इस बारे में सुधार एक से अधिक बार किए गए हैं और हर बार सच्ची भावना के साथ किए गए हैं। इसके बाद होने वाली अधिकांश मुकदमेबाजी इस बात को लेकर रही कि कार्यकाल तीन वर्ष का होना चाहिए या चार या पांच वर्ष का, न्यूनतम आयु पचास वर्ष होना स्वीकार्य है या नहीं, और एक नाम या दो नामों की समिति की सिफारिश होनी चाहिए। सम्मानपूर्वक कहना होगा कि इनमें से कोई भी बात मूल समस्या तक नहीं पहुंचती। स्वतंत्र न्यायाधिकरण अंकगणित पर निर्भर नहीं करते। कार्यकाल, आयु और नामों की संख्या वे लक्षण हैं जिनके माध्यम से रोग का निदान किया गया है। वे स्वयं बीमारी नहीं हैं।

मूल बातः मूल बात यह है कि न्यायाधिकरण एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर संस्था होनी चाहिए। उसका अपना प्रतिष्ठान होना चाहिए, अपने सदस्यों के चयन का उसका अपना साधन होना चाहिए, उन पर निगरानी रखने और उन्हें अनुशासित करने की अपनी व्यवस्था होनी चाहिए तथा परिसर, कर्मचारियों और धन की अपनी व्यवस्था होनी चाहिए। जहां ये सभी व्यवस्थाएं मौजूद हों, वहां स्वतंत्रता स्वाभाविक रूप से आ जाती हैं। भी बिंदुओं पर न्यायालय को उत्तर देता है, जिन पर न्यायालय अपनी बात कह चुका है। लेकिन इससे भी बढ़कर एक ऐसी संस्था स्थापित करने का प्रयास है जो उन उत्तरों को स्वयं लागू करने योग्य बना दे। राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग की स्थापना कानून द्वारा की जानी है। उसका अस्तित्व, गठन और कार्य किसी कार्यपालिका आदेश से नहीं, बल्कि अधिनियम से संचालित होंगे और उसे चयन, निगरानी, अनुशासन तथा न्यायाधिकरणों की आवश्यकताओं के आकलन का दायित्व है। उसके चारों ओर एक स्थायी पेशेवर सचिवालय स्थापित किया जाएगा।

सर्वोच्चता, समान दूरी और नियंत्रण जो व्यवस्था को प्रभावी बनाते हैं: विधेयक में उन प्रत्येक बिंदुओं पर न्यायिक सर्वोच्चता बनाए रखी गयी है, जहां उसका महत्व है। आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाएगी और उसमें न्यायिक बहुमत का प्रावधान है। समितियों की अध्यक्षता न्यायिक रूप से की जाती है तथा निर्णायक मत न्यायिक अध्यक्ष के पास ही होता है। चयन, निगरानी, अनुशासन और कार्य-प्रदर्शन—सभी का नेतृत्व न्यायिक तौर पर किया जाता है। यह उस बात के अनुरूप है जो न्यायालय आर. गांधी मामले के बाद से कहता आया है कि कार्यपालिका, जो सबसे बड़ी वादी है, उन लोगों के चयन में प्रमुख भूमिका नहीं निभा सकती जो उसके मामलों का निर्णय करते हैं। इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण यह है कि सर्वोच्चता का अर्थ नियंत्रण नहीं है। पूरी व्यवस्था न्यायिक पक्ष को सौंप देना भी चुनौतियों के रूप में देखा जाता है। इसलिए यह विधेयक न्यायाधिकरण को तीन स्तरों से कार्यपालिका और न्यायपालिका से समान दूरी पर रखता है। केंद्र सरकार नियमों द्वारा व्यापक सिद्धांत निर्धारित करती है। आयोग उन नियमों को लागू करने के तरीके को नियंत्रित करने वाले विनियम बनाता है। सचिवालय इसी ढांचे के तहत काम करता है। उसे कार्य करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है, लेकिन परिचालन स्तर पर उसे निर्देशित नहीं किया जाता और वह अपने कार्य अधिनियम से प्राप्त करता है, न कि अधिकार या कार्य किसी दूसरे को सौंपे जाने के प्रत्यायोजन से।

इसके फलस्वरूप राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग, सचिवालय और कार्यपालिका के संयोजन से उत्पन्न नियंत्रण और संतुलन की वास्तविक व्यवस्था है। सचिवालय पात्रता की जांच और उसका अभिलेखन तैयार करेगा, जिसके आधार पर प्रत्येक निर्णय लिया जाना है। वह प्रकाशित विनियमों से बंधा है और अपने कार्यों का रिकॉर्ड रखेगा।

विधेयक द्वारा कायम यही वह नाजुक संतुलन है। इसमें न तो प्रशासन में न्यायिक हस्तक्षेप है और न ही वास्तविक रूप से कार्यपालिका पर निर्भरता, जबकि चयन, निगरानी, अनुशासन और कार्य-प्रदर्शन में न्यायिक सर्वोच्चता बनी रहती है। कनाडा ने 2014 में इसी प्रकार का दृष्टिकोण अपनाया था, जब उसने अपने संघीय न्यायाधिकरणों की सहायक सेवाओं को एक ही संगठन के अधीन लाते हुए उनके न्यायनिर्णयन संबंधी स्वतंत्रता बरकरार रखी। इस प्रकार के कानून का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह न्यायिक चुनौती में टिकता है या नहीं। इसका मूल्यांकन इस तथ्य के आधार पर होना चाहिए कि क्या वह उन स्थितियों को समाप्त करता है, जिनसे ये चुनौतियां पैदा हुईं। विधेयक इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है। यदि यह अपने निर्धारित स्वरूप में काम करता है, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि न्यायाधिकरण व्यवस्था में काफी सुधार आएगा। इसमें वादी को अंततः ऐसा मंच मिलेगा जो उचित रूप से गठित, पर्याप्त रूप से व्यवस्थित होगा, जहां रिक्तियां समय पर भरी जाएंगी तथा जो अपने कार्य-प्रदर्शन के लिए जवाबदेह होगा। विकसित किया गया यह मॉडल, यदि सफल रहा तो भविष्य में अन्य प्रकार के चयन के लिए भी काफी उपयोगी होगा।

लेखक भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल हैं। व्यक्त किए गए विचार उनके निजी हैं

सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व में फंसा लोकतंत्र

ओ.पी. पाल

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर 'संसद' जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। लेकिन संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। सदन के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचोंबीच) में आकर तख्तियां दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है। संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया 'संसदीय संवाद' होना चाहिए, 'संसदीय गतिरोध' नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। शुरुआती दो हफ्तों में हंगामे और लगातार होते स्थगन के कारण दोनों सदनों में कोई ठोस कामकाज नहीं हो सका। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने को तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है। संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। कई विधेयकों पर सदन के दोनों सदनों की मुहर लग चुकी है, जो राष्ट्रपति की मुहर के बाद देश में कानून बनने की दहलीज पर जा चुके हैं। संसदीय कार्यप्रणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है। संसदीय लोकतंत्र में 'प्रश्नकाल' और 'शून्यकाल' ऐसे दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जिनके माध्यम से संसद सदस्य (चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के) सीधे सरकार और उसके मंत्रियों की जवाबदेही तय करते हैं। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया। इससे मंत्रियों से सीधे तीखे सवाल पूछने का जनता का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से छीन गया। वहीं, शून्यकाल वह समय होता है जब सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के लोक महत्व के अविलंबनीय मुद्दों को उठाते हैं। सदन के लगातार बाधित रहने से न तो देश के ज्वलंत मुद्दों पर बात हो पा रही है और न ही दूरदराज के क्षेत्रों के आम नागरिकों की आवाज दिल्ली तक पहुंच पा रही है। इस मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को साधने में लगे हैं लेकिन इसका खामियाजा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भुगतना पड़ रहा है। शायद विपक्ष की रणनीति मुख्य रूप से सरकार को राजनीतिक रूप से बैकफुट पर धकेलने की है। विपक्ष का तर्क है कि जबतक उनकी प्राथमिक मांगों ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक या जांच से जुड़े मुद्दों पर पहले चर्चा नहीं होती, तब तक सामान्य कामकाज नहीं चलने दिया जाएगा। हालांकि, इस रणनीति के कारण विपक्ष उस मंच को खुद ही खो देता है जहाँ वह सरकार की नीतियों की धज्जियां उड़ा सकता था। सदन से वाकआउट करने का सीधा अर्थ है, सरकार को बिना किसी विरोध के बिल पास कराने का 'वॉकओवर' दे देना। वहीं, सरकार की रणनीति यह दिखाने की है कि वह देश के विकास और विधायी कार्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। सरकार का तर्क है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से दूर भाग रहा है। विपक्ष के बहिष्कार का लाभ उठाते हुए सरकार अपने प्रमुख और दूरगामी असर वाले कानूनों को तेजी से पारित करवा रही है। हालांकि, बिना बहस के बिल पास कराने से भले ही सरकार का लक्ष्य पूरा हो जाए लेकिन उन कानूनों की नैतिक स्वीकार्यता पर सवाल खड़े होते हैं। संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करने की नहीं बल्कि 'सकारात्मक आलोचक' की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी समस्याओं को उठाएं और बनने वाले कानूनों पर गहराई से मंथन करें। जब विपक्षी सांसद चर्चा का बहिष्कार करते हैं तो वे विधेयकों में जनहित से जुड़े संशोधन पेश करने के अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते। संसद को चलाने में देश के करदाताओं का करोड़ों रुपया प्रति घंटे खर्च होता है। सत्र का हंगामे में धुल जाना वित्तीय और समय दोनों की भारी बर्बादी है। तख्तियां लहराना, कागज फाड़कर फेंकना और पीठासीन अधिकारी के सामने नारेबाजी संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में नल-जल योजना के ऑपरेटरों को मानदेय नहीं मिला, हर महीने 2 हजार रुपये मिलना था

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड में नल जल योजना के ऑपरेटरों को कई वर्षों से मानदेय नहीं मिला है। ऑपरेटरों ने आरोप लगाया है कि पंचायत के वार्ड सदस्यों और प्रखंड के अधिकारियों की मिलीभगत से उनके मानदेय की राशि का गबन किया गया है। मानदेय मांगने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। ऑपरेटरों के अनुसार, उनका मानदेय पंचायत के वार्ड सदस्यों के खातों में आया था, लेकिन उन्हें इसका भुगतान नहीं किया गया। उनका दावा है कि यह राशि वार्ड सदस्यों और प्रखंड के पदाधिकारियों की मिलीभगत से निकाल ली गई है। ऑपरेटरों ने बताया कि नल जल योजना के संचालन के लिए उन्होंने अपनी कीमती जमीन सरकार से अनुबंधित की थी। इसके बदले सरकार ने भू-दाता परिवार के एक सदस्य को योजना में ऑपरेटर के रूप में रखने का वादा किया था, जिसके लिए 2000 रुपये मासिक मानदेय तय किया गया था। शुरुआती दौर में कुछ ऑपरेटरों को मानदेय का भुगतान किया गया था, लेकिन बाद में यह रोक दिया गया। ऑपरेटरों का कहना है कि मानदेय की राशि वार्ड सदस्यों के खातों में आने के बावजूद उन्हें नहीं मिली और बाद में उसकी निकासी भी हो गई। मानदेय न मिलने के कारण ऑपरेटर भुखमरी की कगार पर हैं। उन्होंने प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन अब तक उन्हें कोई समाधान नहीं मिला है और न ही उनका बकाया मानदेय प्राप्त हुआ है।

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में 'साइबर स्मार्ट कार्यक्रम, छात्रों को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए

हाजीपुर। वैशाली के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में पुलिस प्रशासन द्वारा 'साइबर स्मार्ट मंगलवार' के तहत साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक, वैशाली के निर्देशन में और पुलिस उपाधीक्षक (स्पेशल क्राइम सह साइबर क्राइम) चांदनी सुमन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ऑनलाइन बैंकिंग और UPI के सुरक्षित इस्तेमाल, सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा, फर्जी लिंक, OTP फ्रॉड और साइबर ठगी के नए तरीकों को लेकर विद्यार्थियों को सतर्क किया। छात्रों को विशेष रूप से बताया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, ATM/डेबिट कार्ड की जानकारी, PIN, पासवर्ड या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उन्हें किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से भी बचने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि साइबर अपराध का शिकार होने की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने संबंधित साइबर अपराध की सूचना देने की पूरी प्रक्रिया भी समझाई। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल अधिकारियों के सामने रखे। अधिकारियों ने सभी सवालों के जवाब दिए और डिजिटल दुनिया में सतर्कता को सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय बताया। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि वे सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और साइबर अपराध से बचाव के लिए दूसरों को भी जागरूक करें।

85 ग्राम हेरोइन-स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने 96,730 रुपए कैश और मोबाइल फोन भी बरामद किया

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर में पुलिस ने एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 85 ग्राम हेरोइन/स्मैक, 96,730 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। यह कार्रवाई अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को बिहार एसटीएफ, पटना से बिदुपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि बिदुपुर डीह निवासी संजीत कुमार (पिता विजय शंकर राय) ने अपने घर में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा है। सूचना के सत्यापन के बाद वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में बिदुपुर थाना पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने सूचना के आधार पर संजीत कुमार के बिदुपुर डीह स्थित ठिकाने पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने 85 ग्राम हेरोइन/स्मैक, 96,730 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया। इसी दौरान संजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों के सेवन, बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में बिदुपुर थाना में कांड संख्या 395/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त संजीत कुमार को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ और नकद राशि के स्रोत के साथ-साथ तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

बिदुपुर-कच्ची दरगाह सिक्स लेन पुल पर टोल गेट निर्माण

हाजीपुर। वैशाली में बिदुपुर-कच्ची दरगाह सिक्स लेन पुल पर टोल गेट का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। मथुरा गांव के पास बन रहे इस टोल गेट के पूरा होने के बाद जल्द ही पुल के दोनों लेन पर वाहनों का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। पुल के निर्माण कार्य को अंतिम रूप देने में तेजी से काम किया जा रहा है। इस सिक्स लेन पुल के चालू होने से उत्तर बिहार के कई इलाकों जैसे

बिदुपुर, देसरी, जंदाहा, महनार, महुआ और पातेपुर के लोगों के लिए पटना आना-जाना काफी आसान हो जाएगा। इससे पटना और पटना सिटी के विभिन्न इलाकों तक पहुंचने में लगने वाले समय में भी काफी बचत होगी। कच्ची दरगाह से बिदुपुर को जोड़ने वाला यह सिक्स लेन पुल उत्तर बिहार और पटना के बीच आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुल के दोनों तरफ संपर्क मार्गों को जोड़ने का कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, बिदुपुर से आगे महुआ, ताजपुर, समस्तीपुर और दरभंगा की ओर सड़क निर्माण का काम भी युद्धस्तर पर जारी है। पुल का मुख्य निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब इसके उद्घाटन का इंतजार है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पुल के उद्घाटन की तैयारियां की गई थीं। इसके लिए कार्यक्रम स्थल पर टेंट सहित अन्य व्यवस्थाएं भी की गई थीं, लेकिन बाद में सभी तैयारियां हटा ली गईं और कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अब लोगों की नजर पुल के औपचारिक उद्घाटन और पूर्ण रूप से यातायात शुरू होने पर टिकी है। पुल के चालू होते ही उत्तर बिहार के निवासियों को पटना पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण और सीधा मार्ग उपलब्ध हो जाएगा।

10 परीक्षाओं में असफलता के बाद बने असिस्टेंट कमांडेंट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बैरिया बस स्टैंड पर पिता की छोटी सी चाय-नाश्ते की दुकान है। मां गृहिणी हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन बेटे के सपने बड़े थे। घर के महज 8×8 फीट के कमरे में एक तरफ बिस्तर और दूसरी तरफ स्टडी टेबल लगाकर पढ़ाई करने वाले घनश्याम जायसवाल ने आखिरकार अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम हासिल किया। UPSC परीक्षा में सफलता हासिल कर उनका चयन असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर हुआ है। घनश्याम की सफलता की कहानी इसलिए खास है, क्योंकि यह पहला मौका नहीं था जब उन्होंने किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए प्रयास किया। पिछले करीब 5-6 वर्षों में उन्होंने लगभग 10 सरकारी प्रतियोगी परीक्षाएं दीं, लेकिन हर बार असफलता हाथ लगी। किसी परीक्षा में करीब 10 नंबर से चूक गए तो BPSC 70वीं का रिजल्ट महज 2 नंबर से रह गया। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने तैयारी नहीं छोड़ी। घनश्याम की शुरुआती पढ़ाई मुजफ्फरपुर के बैरिया स्थित नथनी भगत विद्यालय से हुई। इसके बाद रामेश्वर सिंह कॉलेज से विज्ञान विषय में 12वीं की पढ़ाई पूरी की। बचपन से ही उनका सपना IIT जाकर इंजीनियर बनने का था। उन्होंने IIT-JEE की परीक्षा भी दी, लेकिन सफलता नहीं मिली और आगे किसी कॉलेज में दाखिला नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने इंजीनियर बनने का सपना छोड़ दिया और सिविल सेवा की तैयारी शुरू कर दी।

पटना में बीच सड़क प्रॉपर्टी डीलर को मारी 4 गोली

एजेंसी, पटना

पटना में एक बार फिर से बदमाशों ने खुलेआम पुलिस को चुनौती दी है। इधर पटना के एसएसपी कार्तिकेश शर्मा मंगलवार की शाम क्राइम मीटिंग ले रहे थे, उधर अपराधियों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के सीने में 4 गोलियां उतार दीं। युवक की पहचान शुभम कुमार यादव के रूप में हुई। उसे गंभीर हालत प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गोली मारने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना रामकृष्णा नगर थाना के भूपतिपुर ज्योतिष बाबा रोड की है।

बैक टू बैक मारीं 4 गोलियां: सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि शुभम सड़क किनारे फोन पर बात कर रहा है। तभी अपाचे बाइक पर दो बदमाश आते हैं। वो शुभम के करीब जाते हैं और उस पर ताबड़तोड़ 4 गोली फायर कर देते हैं। गोली लगने के बाद शुभम कराहता हुआ जमीन पर गिर जाता है। वारदात को अंजाम देकर दोनों अपराधी बाइक से फरार हो जाते हैं। शुभम सड़क पर गिर जाता है। गोली की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकलते हैं। आसपास के लोग शुभम को गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में एडमिट करवाते हैं।

पटना में SSP की क्राइम मीटिंग के दौरान वारदात: हैरानी की बात यह है कि घटना मंगलवार की देर रात हुई. उसी समय पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा क्राइम मीटिंग कर रहे थे. इस बैठक में सभी अनुमंडल अधिकारी और पटना जिले के थानेदार शामिल थे. एसएसपी अधिकारियों के साथ अपराध रोकने पर चर्चा कर रहे थे.

परिवार बोला-घर के बाहर खड़ा था शुभम

पटना सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 रंजन कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शुभम कुमार को गोली मारी गई है और उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। हर एंगल से जांच की जा रही है।

एसआई मद्य निषेध प्रीलिम्स रिजल्ट जारी

एजेंसी, पटना

BPSSC ने मद्य निषेध, उत्पाद और निबंधन विभाग में अवर निरीक्षक मद्य निषेध की 78 पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षा में 1,33,718 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 1,560 अभ्यर्थियों को मुख्य लिखित परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया है।

इसमें 78 रिक्तियों के मुकाबले करीब 20 गुना अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया गया है।

12 जुलाई को हुई थी परीक्षा: आयोग की ओर से 78 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 22 जनवरी 2026 को विज्ञापन जारी किया गया था। इसके बाद 12 जुलाई 2026 को एक पाली में प्रारंभिक लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में कुल 1,33,718 अभ्यर्थी शामिल हुए।

3,496 अभ्यर्थी अयोग्य घोषित: प्रारंभिक परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों में से 3,496 अभ्यर्थियों को कई कारणों से अयोग्य घोषित किया गया था। इनमें 3 अभ्यर्थी कदाचार, 1,732 अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर गलत रोल नंबर, 1,731 अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर गलत प्रश्न पुस्तिका संख्या, 5 अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर हस्ताक्षर नहीं करने और 25 अभ्यर्थी हिंदी/अंग्रेजी अनुच्छेद नहीं लिखने के कारण अयोग्य हुए। इसके बाद 1,30,222 अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया।

78 पदों पर होगी भर्ती: अवर निरीक्षक मद्य निषेध के कुल 78 पद हैं। इनमें अनारक्षित वर्ग के 41, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 8, अनुसूचित जाति के 1, अनुसूचित जनजाति के 1, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 12, पिछड़ा वर्ग के 9 और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए 2 पद शामिल हैं। महिलाओं के लिए कुल 26 पद आरक्षित हैं। स्वतंत्रता सेनानी कोटा के तहत 2 प्रतिशत आरक्षण का भी प्रावधान है।

आयोग ने प्रारंभिक परीक्षा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक लाने वाले अभ्यर्थियों में से रिक्तियों के 20 गुना अभ्यर्थियों का सिलेक्शन मुख्य लिखित परीक्षा के लिए किया है। सभी कोटियों की रिक्तियों को भरते हुए कुल 1,560 अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

पटना की दो नाबालिग स्कूली लड़कियों ने की शादी

एजेंसी, पटना

पटना की दो नाबालिग स्कूली छात्राओं के घर से भागकर शादी करने का मामला सामने आया है। दोनों छात्राएं कोतवाली थाना इलाके के अदालतगंज की रहने वाली हैं। दोनों एक दूसरे की पड़ोसी भी हैं। दोनों करीब तीन साल से एक-दूसरे को जानती हैं। दोनों 7 अगस्त को घर से निकल गई थीं। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों को खगड़िया रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया।

7 अगस्त को भागी, खगड़िया के मंदिर में की शादी: पुलिस की पूछताछ में दोनों छात्राओं ने बताया कि वे करीब तीन साल से एक-दूसरे को जानती हैं। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आई। दोनों ने पुलिस को बताया कि रिश्ते को शादी का रूप देने के लिए वे 7 अगस्त को घर से निकल गईं और खगड़िया पहुंचीं। उनके पास करीब 3,500 रुपए थे। दोनों के मुताबिक, खगड़िया के एक मंदिर में उन्होंने शादी की और इसके बाद एक होटल में कमरा लेकर ठहरी थीं। एक लड़की 10वीं क्लास में पढ़ती है, जबकि दूसरी 12वीं की छात्रा है। 10वीं में पढ़ने वाली छात्रा के पिता CID में कर्मचारी बताए जा रहे हैं। जो लड़की 12वीं क्लास में पढ़ती है वो मुस्लिम है, जबकि क्लास दसवीं में है वो हिन्दू परिवार से आती है। दोनों की मां ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मियों का पटना में जोरदार प्रदर्शन

पटना। बुधवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के बैनर तले बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर पटना में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन शाम 5:15 बजे कोतवाली थाना के समीप इंडियन बैंक की मुख्य शाखा के सामने आयोजित किया गया। इसमें UFBU के सभी घटक संगठनों के नेतृत्वकर्ताओं के साथ करीब 400 से अधिक बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

एआईबीओसी बिहार इकाई के सचिव अमरेश विक्रमादित्य ने कहा कि सरकार द्वारा समझौता किए जाने के बावजूद बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू नहीं किया जा रहा है। इससे बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों में काफी रोष है। उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर 27 जनवरी को एक दिवसीय हड़ताल भी की गई थी, लेकिन इसके बाद भी सरकार की ओर से इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2024 को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) और बैंक यूनियनों के बीच हुए समझौते के अनुसार बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया जाना था। इसके बदले बैंक कर्मी प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य करने के लिए तैयार हैं। समझौते के बाद इसे लागू किया जाना था, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बावजूद इस संबंध में अब तक कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों का कहना है कि उन पर काम का अत्यधिक दबाव है, जिसका असर उनके सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर भी पड़ रहा है। UFBU ने सरकार से मांग की है कि बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह जल्द से जल्द लागू किया जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान UFBU के घटक संगठनों के नेता राजू कुमार सिंह, अनिरुद्ध कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रंजन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे और सभा को संबोधित किया।

बताया गया कि पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन किए गए। बिहार में पटना के अलावा गया, नालंदा, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णिया, हाजीपुर और आरा में भी बैंक कर्मियों ने प्रदर्शन किया।

लापता हुई 10वीं की छात्रा को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर किया सकुशल बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर से लापता हुई 10वीं की छात्रा को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। छात्रा को पटना जंक्शन से बरामद किया गया। सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया कि छात्रा का अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वह अपनी मर्जी से एक युवक के साथ पश्चिम बंगाल के आसनसोल चली गई थी। दरअसल, केंद्रीय विद्यालय खगौल की 10वीं कक्षा की छात्रा सोमवार (10 अगस्त) को स्कूल से छुट्टी के बाद लापता हो गई थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान रेलवे ट्रैक के पास छात्रा की स्कूल ड्रेस, बैग और आई-कार्ड मिला, जिससे मामला और गंभीर हो गया।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि छात्रा की इंस्टाग्राम पर उसकी सहेली के पश्चिम बंगाल के आसनसोल के विशाल कुमार नामक युवक से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार, विशाल कुमार के कहने पर छात्रा ने घर छोड़ने का फैसला किया और आसनसोल चली गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि छात्रा पढ़ाई में कमजोर थी और इसी बात को लेकर परिजन अक्सर उसे डांटते थे। इससे नाराज होकर उसने घर छोड़ने का फैसला किया और अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। फिलहाल पुलिस ने नाबालिग छात्रा को बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया है।

रेलवे ट्रैक पर मिला था स्कूल ड्रेस-बैग

10 अगस्त को स्कूल में छुट्टी दोपहर 1:40 बजे हुई, लेकिन वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने स्कूल जाकर पता किया तो मालूम चला कि छात्रा स्कूल से निकल चुकी थी। इसके बाद परिवार ने स्कूल के आसपास और रेलवे ट्रैक के समीप उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान रेलवे ट्रैक के पास छात्रा का स्कूल ड्रेस, बैग और आईकार्ड बरामद हुआ, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। परिजनों ने 10 अगस्त को ही इस संबंध में खगौल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। लोको कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने अपनी भतीजी के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर खगौल थाने में कांड संख्या 408/26 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो अलग-अलग विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया। इन टीमों ने तकनीकी और लोगों से बातचीत के आधार पर छात्रा की तलाश तेज कर दी। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो छात्रा की लोकेशन आसनसोल में मिली। इसके बाद पुलिस टीम तुरंत आसनसोल पहुंची। पुलिस के अनुसार, वहां पहुंचने की भनक युवक को पहले ही लग गई थी, जिसके बाद वह छात्रा को छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद छात्रा आसनसोल से पटना के लिए रवाना हुई, जहां पुलिस ने उसे पटना जंक्शन से सकुशल बरामद कर लिया।

सब्जी बेचने के विवाद में दवा व्यापारी को चाकू मारा

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सब्जी बेचने को लेकर हुए विवाद में दवा व्यापारी पर चाकू से हमला कर दिया गया। डीएवी स्कूल, पोस्टल पार्क के पास हुई वारदात में 24 वर्षीय आशुतोष झा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही अगमकुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई और हमलावरों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है।

दुकान के सामने सब्जी बेचने को लेकर था विवाद: स्थानीय लोगों के मुताबिक, आशुतोष झा की दुकान के सामने निर्मला देवी नाम की एक बुजुर्ग महिला लंबे समय से सब्जी बेचती हैं। निर्मला देवी का कहना है कि वह कई वर्षों से इसी जगह सब्जी बेचकर परिवार का गुजारा करती हैं। आरोप है कि आशुतोष झा उन्हें वहां से हटाने का प्रयास करते थे। इसी बात को लेकर सब्जी विक्रेताओं और दवा व्यापारी के बीच विवाद चल रहा था। मंगलवार रात विवाद बढ़ने के बाद आशुतोष पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल आशुतोष को अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हमले में कितने लोग शामिल थे और वारदात किसने की। घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पटना में बारिश, 18 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

एजेंसी, पटना

पटना में सुबह से तेज धुप निकली थी, लेकिन दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदला और तेज बारिश शुरू हो गई।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इस कारण बिहार में आज यानी बुधवार भोजपुर, बक्सर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास, भभुआ, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, समस्तीपुर और मधुबनी में कुछ स्थानों पर वज्रपात और बारिश की संभावना है। साथ ही 30 से 40 किमी की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। हालांकि पटना और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहेगा। बुधवार को पटना में धूप और उमस भरी गर्मी रहेगी। इस सीजन में बिहार में 35 प्रतिशत कम बारिश हुई। अब तक 590 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 373 एमएम ही बारिश हुई है। वहीं मंगलवार को बांका, लखीसराय, नवादा और जमुई में उनका की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई।

बांका के चांदन के बोड़ा-सुईया गांव में मंगलवार धान रोपने गई तीन महिलाएं उनका की चपेट में आ गईं। तीनों की मौत हो गई। बौंसी के सिराय गांव में भी एक व्यक्ति की ठनका से मौत हो गई। काजी कैरी में भी एक व्यक्ति की मौत हुई। लखीसराय और नवादा में तीन-तीन लोगों की मौत हुई। जमुई में भी एक व्यक्ति की मौत हुई।

बिहार में अपराध पर भड़के भाई वीरेंद्र, डायल-112 पर बोले-गश्ती नहीं, मटरगश्ती कर रही पुलिस

एजेंसी, पटना

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में हो रहे अपराधिक घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए डायल 112 पर गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 'सरकार जब तक अपराध पर लगाम नहीं लगाएगी, तब तक विपक्ष सरकार को सचेत करने का काम करता रहेगा।' उन्होंने मुख्यमंत्री से अपराध नियंत्रण को लेकर ठोस कदम उठाने की अपील की।

नौजवान मुख्यमंत्री अपराध पर लगाम लगाएं- भाई वीरेंद्र: राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, "सरकार जब तक अपराध पर लगाम नहीं लगाती, हम विपक्ष में हैं। हमारा काम है सरकार को होशियार करना। नौजवान मुख्यमंत्री से मैं आशा करता हूं कि आप अपराध पर लगाम लगाइए।"

प्रशांत किशोर के नौकरी के वादे पर भी बोले: प्रशांत किशोर की ओर से 10 हजार युवाओं को नौकरी देने के वादे पर भी भाई वीरेंद्र ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई युवाओं को नौकरी देने की बात करता है तो वह इसका स्वागत करते हैं, लेकिन पहले नौकरी देकर दिखानी होगी। उन्होंने कहा, "कोई युवाओं को नौकरी देने की बात करता है तो मैं इसका स्वागत करता हूं, लेकिन पहले वह नौकरी दे दें, फिर मैं बात करूंगा।"

श्याम रजक बोले- तेजस्वी राजनीति करने के बजाय यूरोप घूमें

शराबबंदी पर सरकार को घेरा: बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर भी भाई वीरेंद्र ने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शराबबंदी बिना किसी सर्वे के लागू की गई थी और वे खुद इसके गवाह हैं। उन्होंने कहा कि चाहे नेपाल, झारखंड या छत्तीसगढ़ का बॉर्डर हो, शराब की तस्करी को लेकर सरकार को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठते हुए भाई वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि अधिकारी 10 ट्रक शराब पर कार्रवाई करवाते हैं और केवल एक ट्रक पकड़वाकर अपनी कार्रवाई दिखाते हैं।

श्याम रजक बोले- पहले अपना घर संभालिए: पूर्व मंत्री और जदयू विधायक श्याम रजक ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव के लिए राजनीति करने के बजाय यूरोप घूमने जाएं तो ज्यादा अच्छा रहेगा। बिहार में सरकार हर घटनाक्रम पर नजर रख रही है और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा रही है।' श्याम रजक ने एके-47 से गोली चलाने के मामले का जिक्र करते हुए कहा, 'सरकार को जैसे ही मामले की जानकारी मिली, संबंधित सिपाही को तत्काल निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वे पहले अपने घर के मामलों को ठीक करें, बाकी चीजें सरकार पर छोड़ दें। सरकार अपना काम कर रही है।

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा, शोध, सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा-कुलपति

वाराणसी, एजेंसी। काशी विद्यापीठ समाज विज्ञान संकाय में मंगलवार को संगोष्ठी में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर चर्चा हुई। बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने युवाओं से शिक्षा, शोध, सामाजिक जिम्मेदारी एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं। उनके ऊर्जा, प्रतिभा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता का समुचित उपयोग राष्ट्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। अध्यक्षता करते हुए समाज विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. रेखा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रभारी कुलानुशासक प्रो. राकेश तिवारी ने युवाओं से अनुशासित रहते हुए शिक्षा ग्रहण करने की बात कही। स्वागत आयोजन सचिव विश्व ज्योति तिवारी, संचालन अंशिका कुशवाहा और धन्यवाद ज्ञापन आदित्य तिवारी ने किया। इस दौरान सिद्धार्थ, दीपेंद्र, कृष्ण, आदर्श, अमन, अंशिका, वैभव मौजूद रहे।

भारत गौरव ट्रेन चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की कराएगी यात्रा

गोरखपुर , एजेंसी। भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की ओर से यात्रियों को धार्मिक और पर्यटन स्थलों की यात्रा कराने के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन 17 से 26 अगस्त तक नौ रात और 10 दिन की यात्रा कराएगी। ट्रेन में चार ज्योतिर्लिंग के साथ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थल शामिल हैं। ट्रेन 17 अगस्त को गोरखपुर जंक्शन से सुबह नौ बजे रवाना होगी। यात्रियों के चढ़ने और उतरने के लिए मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुलतानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन और ललितपुर स्टेशनों पर सुविधा दी गई है। यात्रा के दौरान ट्रेन उज्जैन, विश्वामित्री, राजकोट, द्वारका और वेरावल सहित प्रमुख स्टेशनों पर पहुंचेगी। यात्रियों को धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। 26 अगस्त को ट्रेन गोरखपुर जंक्शन पहुंचकर यात्रा पूरी करेगी। ट्रेन में शयनयान श्रेणी के सात, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का एक और वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के तीन कोच लगाए जाएंगे। इसके अलावा दो जनरेटर सह लगेज यान और एक पैंट्री कार होगी। कुल 14 एलएचबी कोच लगाए जाएंगे।

यात्रा के दौरान यात्रियों की सहायता के लिए आईआरसीटीसी के मैनेजर मौजूद रहेंगे। टिकट लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय और आईआरसीटीसी की वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

मेधावियों के साथ अब निराश्रित-दिव्यांग छात्राओं को भी मिलेगी स्कूटी

लखनऊ , एजेंसी।
प्रदेश में रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को जल्द लागू करने की कवायद तेज हो गई है। योजना के तहत वर्ष 2025-26 में अंतिम वर्ष में 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं के साथ निराश्रित और दिव्यांग छात्राओं को भी स्कूटी दी जाएगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने सभी राज्य व निजी विश्वविद्यालयों से पात्र छात्राओं का ब्योरा मांगा है। योजना के तहत ऐसी छात्राओं को भी लाभ दिया जाएगा, जिनके माता-पिता में से किसी एक की मृत्यु हो गई हो और परिवार में भरण-पोषण करने वाला कोई अन्य सदस्य न हो। वहीं, मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफिलिया आदि से ग्रस्त दिव्यांग छात्राओं को भी योजना में शामिल किया जाएगा। इसके लिए उनकी दृष्टि व मानसिक स्थिति ठीक होना जरूरी है। साथ ही कमर के ऊपर का हिस्सा स्वस्थ होने के कारण वे मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम हों और मुख्य चिकित्साधिकारी ने उनकी दिव्यांगता 80 फीसदी या उससे अधिक प्रमाणित की हो। ऐसी छात्राओं को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की नियमावली के अनुसार स्कूटी दी जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव सर्वेश कुमार सिंह ने सभी राज्य व निजी विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक और उच्च शिक्षा निदेशक को पत्र भेजा है। इसमें वर्ष 2025-26 में स्नातक उत्तीर्ण निराश्रित और दिव्यांग छात्राओं की संख्या समेत अन्य जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आधे राज्य विवि ने ही दिया डाटा

विभाग ने सभी राज्य व निजी विश्वविद्यालयों से वर्ष 2025-26 की अंतिम वर्ष की 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण छात्राओं का ब्योरा मांगा है। इसके सापेक्ष अभी तक करीब आधे राज्य व निजी विश्वविद्यालयों ने ही डाटा उपलब्ध कराया है। हालिया ऑनलाइन बैठक में इस पर विभाग ने नाराजगी जताई और गूगल फॉर्म जारी कर जल्द सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

400 करोड़ रुपये से 50 हजार छात्राओं को देंगे स्कूटी

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के लिए सरकार ने 400 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। इससे 50 हजार से अधिक छात्राओं को स्कूटी देने की तैयारी है। स्कूटी की खरीद जिला स्तर पर की जाएगी। जरूरत पड़ने पर विभाग इसके लिए अतिरिक्त बजट भी आवंटित कराएगा। कैबिनेट से योजना की नियमावली मंजूर होने के बाद विभाग ने प्रक्रिया तेज कर दी है।

आकाश आनंद ने राहुल-अखिलेश को कहा अंकल

अखिलेश का पलटवार- हमसे कुछ न कहलवाओ तो अच्छा..

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित एक चुनावी जनसभा के दौरान बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर हमला बोला। भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव दोनों को अंकल कहकर संबोधित किया।

30 साल का लड़का 50 साल के व्यक्ति को अंकल ही कहेगा

अखिलेश यादव द्वारा बसपा प्रमुख मायावती को बुआ कहे जाने के संदर्भ में जब आकाश आनंद से सवाल उठा, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अखिलेश यादव को भैया नहीं मानेंगे। वह उन्हें अंकल ही कहेंगे।

कांग्रेस और बीजेपी को बताया एक ही सिक्के के दो पहलू

राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए आकाश आनंद ने कहा कि ÷राहुल अंकल÷ अक्सर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और दलित अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहाँ भी वही नीतियाँ लागू हैं जिनका वे विरोध करते हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता के लिए कांग्रेस और भाजपा में कोई खास फर्क नहीं है।

अखिलेश ने दी प्रतिक्रिया

बसपा नेता आकाश आनंद के सपा अध्यक्ष को अंकल कहे जाने के सवाल अखिलेश यादव ने कहा कि यह बहस का मुद्दा नहीं है। हमसे कुछ न कहलवाओ। हमारे संबंध बहुतों से अच्छे से रहे हैं। मुकाबला उनसे हैं जो दिल्ली और यूपी में बैठे हैं।

संसद में चर्चा से भाग रही है सरकार - अखिलेश

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लिए धन ही धर्म है। भाजपा अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी पर जवाब नहीं दे रही है।

चीन से डॉल्फिन टाइफून खींच रहा नमी

मानसूनी बारिश पर पड़ सकता असर

कानपुर , एजेंसी।
चीन के पूर्वी तट से टकराने वाले टाइफून डॉल्फिन का असर मौसम पर दिखने लगा है। टाइफून ने बंगाल की खाड़ी से कानपुर परिक्षेत्र की तरफ आने वाली नमी को कम कर दिया है। इसका असर मानसूनी बारिश पर पड़ने के आसार बन गए हैं। नमी और हवाओं के रुख पर भी असर पड़ रहा है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि टाइफून वायु मंडलीय स्पंज की तरह कार्य कर रहा है। हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी की तरह से आने वाली नमी को पश्चिमी प्रशांत महासागर की तरफ खींच लिया है। बताया कि स्थिति का आकलन कर रहे मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अच्छी बारिश के लिए बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनना आवश्यक है। अन्य वायु मंडलीय उथल पुथल के कारण हवा के दबाव का संतुलन बिगड़ गया है।

बंगाल की खाड़ी में मानसून बनने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से बाधित हो रही है। उन्होंने बताया कि नमी की कमी के कारण बादलों के बनने की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। पर्याप्त नमी न मिलने से बारिश की कमी हो गई है लेकिन टाइफून के कमजोर पड़ने के बाद मानसून सक्रियता फिर से शुरू हो जाएगी।

मौसम विशेषज्ञ का कहना है कि कानपुर परिक्षेत्र और आसपास के इलाकों में नमी का प्रतिशत कम हो गया है। इससे संभावित बारिश एक-दो दिन आगे बढ़ सकती है। कानपुर परिक्षेत्र में दो दिन तक बारिश के आसार नहीं है। स्थानीय स्तर पर कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

तापमान
अधिकतम-34.2 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम- 27 डिग्री सेल्सियस

ग्रीन पार्क में तैयारियां अधूरी

यूपी टी-20 के लिए लखनऊ तैयार

कानपुर , एजेंसी। यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन के आगाज में अब महज तीन दिन बचे हैं। 14 अगस्त से लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लीग शुरू हो जाएगी। वहां व्यवस्थाएं लगभग पूरी हो गई हैं जबकि 28 अगस्त से ग्रीन पार्क स्टेडियम में होने वाले मुकाबलों के लिए तैयारियां अभी अधूरी हैं।

ग्रीनपार्क में पिच क्यूरेटर भूपेंद्र सिंह ने 12 मैच के लिए चार, पांच और छह नंबर पिच तैयार की है। अभ्यास के लिए स्ट्रिप विकेट भी बनाए जाएंगे । ग्राउंड्समैन मैदान को अंतिम रूप दे रहे हैं, जबकि सी पवेलियन में मरम्मत का काम चल रहा है। अन्य पवेलियन में टूटी कुर्सियां और जगह-जगह पड़ी गंदगी अब भी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। बारिश को देखते हुए डायरेक्टर पवेलियन की ओर पाइप लाइन डालकर जल निकासी की समस्या दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। फ्लड लाइट का काम अभी बाकी है। यूपीसीए के अधिकारी लखनऊ में डेरा डाल चुके हैं। ग्रीन पार्क की तैयारियां समय पर पूरी होंगी या नहीं, इस पर कोई भी जिम्मेदार अधिकारी जवाब देने से बच रहा है।

नेपाल में मुस्लिम सांसद का हिंदू राष्ट्र के पक्ष में खुला समर्थन

लखनऊ, एजेंसी।
नेपाल में 18 साल बाद हिंदू राष्ट्र की मांग एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में है। इसी बीच राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के मुस्लिम सांसद ताहिर अली भाट के बयान ने इस बहस को नया सियासी कोण दे दिया है। भाट ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन हिंदू राष्ट्र और धार्मिक सद्भाव के पक्ष में हूं। हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर किसी मुस्लिम सांसद का यह खुला समर्थन नेपाल के मौजूदा राजनीतिक विमर्श में खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ताहिर नेपाल की प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं। वह राप्रपा से समानुपातिक प्रतिनिधित्व के तहत मुस्लिम पुरुष क्लस्टर से सांसद चुने गए हैं। भाट का बयान ऐसे समय सामने आया है, जब नेपाल में हिंदू राष्ट्र की बहाली को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस फिर तेज हो रही है। 2008 में राजशाही समाप्त होने के बाद नेपाल को धर्मनिरपेक्ष गणराज्य घोषित किया गया था। इसके बाद से नेपाल को फिर हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग राप्रपा के प्रमुख राजनीतिक मुद्दों में शामिल रही है।

अलग तरह का संदेश

ताहिर के बयान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उनका मुस्लिम समुदाय से होना है। वह राप्रपा के उस राजनीतिक मंच का हिस्सा हैं, जिसकी विचारधारा में सांविधानिक राजसंस्था, हिंदू राष्ट्र और बहुदलीय लोकतंत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं। ऐसे में भाट का खुद को मुस्लिम बताते हुए हिंदू राष्ट्र और धार्मिक सद्भाव दोनों के पक्ष में खड़ा करना इस मुद्दे पर चल रही बहस में अलग तरह का संदेश देता है। उनके बयान में हिंदू राष्ट्र के समर्थन के साथ धार्मिक सद्भाव का उल्लेख भी है। नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर राप्रपा लंबे समय से राजनीतिक अभियान चलाती रही है। ऐसे में पार्टी के मुस्लिम सांसद का हिंदू राष्ट्र के समर्थन में खुलकर सामने आना इस मुद्दे पर चल रही बहस में एक महत्वपूर्ण पक्ष जोड़ता है।

सुनसरी हिंसा पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र का सद्भाव संदेश

नेपाल के सुनसरी में भड़की हिंसा के बाद पूर्व राजा ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाहदेव ने देश में बिगड़ते सामाजिक माहौल पर चिंता जताई है। निर्मल निवास स्थित संवाद सचिवालय की ओर से 30 जुलाई को जारी सद्भाव संदेश में उन्होंने सभी समुदायों से आपसी भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

पूर्व राजा ने कहा कि नेपाल की बहुजातीय, बहुभाषिक और धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता उसकी विशिष्ट पहचान है। सदियों से विभिन्न जाति-समुदाय, धर्म और संस्कृतियों के लोग मिल-जुलकर रहते आए हैं और यही नेपाल के सम्मान का आधार है। उन्होंने सुनसरी के कुछ गांवों में हुए विवाद और हिंसा में जन-धन की क्षति पर दुख जताया। कहा कि तनाव का कोशी क्षेत्र और तराई के अन्य हिस्सों तक फैलना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं नेपाल की मौलिक मान्यताओं और सामाजिक मूल्यों के विपरीत हैं। सभी नेपाली मिल-जुलकर रहें, यही समय की आवश्यकता है।

24 करोड़ से बनेगा सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय

गोरखपुर , एजेंसी।
जिले में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण कार्य बृहस्पतिवार से शुरू होगा। करीब 24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विद्यालय में कक्षा एक से 12वीं तक निशुल्क पढ़ाई होगी। पांच एकड़ में बनने वाले इस विद्यालय से एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। विद्यालय के लिए बेलघाट और पादरी बाजार हरसेवकपुर नंबर दो सदर में जमीन चिह्नित की गई है। निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सौंपी गई है। विद्यालय में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक अलग-अलग कक्षाओं की व्यवस्था होगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई को आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट कक्षाओं के साथ विभिन्न विषयों की प्रयोगशालाएं भी तैयार की जाएंगी। ऑडिटोरियम में शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। इसके अलावा मॉड्यूलर किचन और डाइनिंग हॉल की भी व्यवस्था होगी।

विद्यालय में रहेंगी ये सुविधाएं

- अलग-अलग कक्षाओं के लिए आधुनिक भवन
- स्मार्ट कक्षाएं और विषयवार प्रयोगशालाएं
- कंप्यूटर शिक्षा और आधुनिक लाइब्रेरी
- कोडिंग सीखने की सुविधा
- ऑडिटोरियम, मॉड्यूलर किचन और डाइनिंग हॉल
- खेल मैदान और खेलकूद की सुविधाएं
- बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन की व्यवस्था

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण कार्य बृहस्पतिवार से शुरू कराया जाएगा। विद्यालय में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इसका लाभ क्षेत्र के बड़ी संख्या में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

शोध-साधना को मिलेगा सम्मान, पीएचडी की उपाधि से नवाजे जाएंगे शोधार्थी

गोरखपुर , एजेंसी। वर्षों तक शोध, प्रयोग और अध्ययन में जुटे शोधार्थियों के इंतजार की घड़ी अब खत्म होने वाली है। गोरखपुर विश्वविद्यालय में 18 अगस्त को पीएचडी उपाधि समारोह आयोजित किया जाएगा। दीक्षा भवन में होने वाले पहले 'सुदक्ष पीएचडी उपाधि समारोह-2026' में 470 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के निर्देश पर होने वाले इस विशेष समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह में शामिल होने वाले शोधार्थियों के लिए ड्रेस कोड से लेकर उत्तरीय लेने तक की व्यवस्था तय कर दी है। समारोह में शामिल होने वाले शोधार्थी 13, 14 और 17 अगस्त को लेखा विभाग के काउंटर पर निर्धारित शुल्क जमा कर संकायवार तय रंग का उत्तरीय प्राप्त कर सकेंगे। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो. केएन सिंह बतौर मुख्य अतिथि शोधार्थियों को संबोधित करेंगे।

समारोह की गरिमा बनाए रखने के लिए परिधान भी निर्धारित कर दिया गया है। पुरुष शिक्षक ऑफ-व्हाइट कुर्ता-पायजामा और महिला शिक्षक बॉर्डर वाली ऑफ-व्हाइट साड़ी पहनेंगी। वहीं पुरुष शोधार्थी सफेद या ऑफ-व्हाइट कुर्ता-पायजामा और छात्राएं पीले रंग की साड़ी में समारोह में शामिल होंगी।

पीएचडी केवल एक उपाधि नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुशासन, जिज्ञासा और शोध के प्रति समर्पण का परिणाम है।

सीईओ चयन में 34 सवालों की कसौटी

अंतिम फैसला ट्रस्ट का; कार्यकारी को स्वतंत्र निर्णय का अधिकार नहीं

लखनऊ, एजेंसी।
श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन की प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के लिए 34 बिंदुओं वाला विस्तृत मूल्यांकन प्रारूप तैयार किया गया था। तीन सदस्यीय चयन समिति (सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रमोद कोहली, पूर्व वैज्ञानिक डॉ. सुरेश हावड़े और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी) की ओर से लिए गए इंटरव्यू में भीड़ प्रबंधन, धार्मिक जुड़ाव, नेतृत्व क्षमता से जुड़े सवाल पर अधिक जोर रहा।

चयन समिति ने आवेदकों से कम से कम 20 वर्ष का अनुभव मांगा था। आवेदकों से सवाल पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने कार्यकाल में 1,000 से 5,000 या उससे अधिक कर्मचारियों का नेतृत्व किया है या नहीं। राम मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन और पर्वों पर लाखों की भीड़ को देखते हुए चयन प्रक्रिया में भीड़ प्रबंधन को महत्वपूर्ण मानदंड बनाया गया है। इंटरव्यू में पैनल के सदस्यों ने आवेदकों से पूछा कि उन्होंने अब तक कौन-कौन से बड़े आयोजनों का संचालन या प्रबंधन किया है, उन आयोजनों में कितने लोग शामिल हुए, आयोजन कितने दिनों तक चला, किस वर्ष आयोजित हुआ और उसमें उनकी भूमिका क्या रही। सामाजिक और धार्मिक अनुभव से जुड़े कई प्रश्न भी किए गए।

समिति को अंतिम 18 आवेदकों में से तीन सर्वश्रेष्ठ नामों का पैनल तैयार कर दो सितंबर से पहले ट्रस्ट को सौंपना है। दो सितंबर को ट्रस्ट की बैठक में सीईओ का नाम घोषित किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार सीईओ की नियुक्ति में संघ के पदाधिकारियो की भी पंसद व राय देखी व जानी जाएगी। यह बात भी सामने आ रही है कि संघ की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई सेवानिवृत्त अधिकारी भी सीईओ हो सकता है।

अंतिम साक्षात्कार करेगा राम मंदिर ट्रस्ट

सीईओ पद के लिए आवेदन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों से सामान्य प्रशासन, वित्त, मानव संसाधन, जनसंपर्क, सूचना प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था में कम से कम 20 वर्ष के अनुभव की जानकारी मांगी गई थी। सीईओ चयन के लिए 18 अभ्यर्थियों में से तीन नामों का पैनल तैयार किया जाएगा, जिनका अंतिम इंटरव्यू श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट करेगा। ट्रस्ट की अंतिम स्वीकृति के बाद एक अभ्यर्थी को राम मंदिर का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। ट्रस्ट ने सीईओ पद के लिए 50 से 70 वर्ष आयु सीमा निर्धारित की है। नियुक्ति प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष के लिए होगी, जिसे कार्य प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकेगा।

महासचिव के पास ही रहेगी सर्वोच्च प्रशासनिक शक्ति

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद मंदिर के दैनिक प्रशासन और पेशेवर प्रबंधन का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व संभालेगा, लेकिन उसकी कार्यप्रणाली पूरी तरह ट्रस्ट के अधीन होगी।

सीईओ ट्रस्ट के प्रति जवाबदेह रहेगा और ट्रस्ट के निर्णयों को लागू करने का कार्य करेगा। ट्रस्ट की संगठनात्मक संरचना में महासचिव का पद सबसे प्रभावशाली बना रहेगा।

ट्रस्ट की संरचना में महासचिव का पद सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। महासचिव ट्रस्ट की बैठकों के संचालन, एजेंडा तय करने, प्रस्तावों के क्रियान्वयन की निगरानी, विभिन्न समितियों और प्रशासन के बीच समन्वय तथा ट्रस्ट की ओर से लिए गए निर्णयों के अनुपालन की जिम्मेदारी निभाता है। सीईओ भी अपने कार्यों के लिए ट्रस्ट और व्यावहारिक रूप से महासचिव के प्रति जवाबदेह रहेगा। सीईओ की प्रमुख जिम्मेदारी राम मंदिर परिसर की प्रशासनिक और प्रबंधकीय व्यवस्था का संचालन करना होगी। इसमें मंदिर के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, कर्मचारियों का प्रबंधन, मानव संसाधन, वित्तीय अनुशासन, सुरक्षा व्यवस्था, जनसंपर्क, श्रद्धालु सुविधाओं का विस्तार, भीड़ प्रबंधन तथा विभिन्न एजेंसियों के साथ तालमेल शामिल रहेगा। इसके अलावा मंदिर परिसर में होने वाले बड़े धार्मिक आयोजनों, उत्सवों और विशेष अवसरों की व्यवस्थाओं की निगरानी भी सीईओ की जिम्मेदारी होगी।

स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले सकेगा सीईओ

ट्रस्ट के सूत्रों के अनुसार सीईओ स्वतंत्र रूप से नीतिगत निर्णय नहीं ले सकेगा। उसकी भूमिका ट्रस्ट की ओर से निर्धारित नीतियों और निर्णयों को प्रभावी ढंग से लागू करने की होगी। वित्तीय, प्रशासनिक और विकास संबंधी महत्वपूर्ण मामलों में अंतिम निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का ही होगा। सीईओ को आवश्यकता के अनुसार अपने अधीन एक सचिव रखने की भी अनुमति होगी, जो प्रशासनिक कार्यों के संचालन और समन्वय में उसकी सहायता करेगा।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में सरकारी नीतियों से असंतुष्ट नौकरशाहों के धड़ाधड़ इस्तीफे

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में दो-तिहाई बहुमत की सरकार बनने के बाद से हो रहो सिविल सर्विस कर्मचारियों के इस्तीफों में तेजी आ गई है। सरकार की प्रस्तावित नीतियों और कार्यशैली से असंतुष्ट होकर सचिव से लेकर निचले प्रशासनिक स्तर तक के कर्मचारी पद छोड़ रहे हैं। सूचना एवं संचार मंत्रालय के सचिव डॉ. कमलप्रसाद पोखरेल और प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय के सचिव बाबूराम अधिकारी ने मंगलवार को अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। सरकारी प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में दोनों अधिकारियों के इस्तीफे स्वीकृत कर लिए गए। पोखरेल का 13 दिन पहले ही सूचना तथा संचार मंत्रालय में तबादला किया गया था। उनकी सेवा अवधि अभी करीब एक वर्ष से अधिक बाकी थी। वह इससे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के प्रमुख सांख्यिकी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय के सचिव बाबूराम अधिकारी अगस्त के अंतिम सप्ताह में अनिवार्य सेवानिवृत्ति होने वाले थे। सरकार के संघीय निजामती सेवा विधेयक के मसौदे को आगे बढ़ाए जाने के बाद कर्मचारियों में असंतोष और बढ़ गया है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 55 वर्ष की आयु पूरी कर चुके तथा 30 वर्ष की सेवा अवधि पूरी करने वाले कर्मचारियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की योजना बनाई जा रही है। अब तक करीब एक दर्जन सह सचिव, तीन दर्जन उप सचिव तथा बड़ी संख्या में अन्य कर्मचारी इस्तीफा दे चुके हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार पद छोड़ने से सरकारी कामकाज और प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया पर पड़ रहे प्रभाव से सवाल उठने लगे हैं।

जंगल से जा रही महिला को अजगर ने निगला

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिम सुलावेसी प्रांत से एक बेहद खौफनाक घटना सामने आई है, जहां 50 वर्षीय महिला की विशाल अजगर के हमले में मौत हो गई। महिला की पहचान फरीदा के रूप में हुई है। वह चार बच्चों की मां थीं और अपने घर के पास स्थित स्थानीय बाजार में खाना बेचने के लिए जंगल के रास्ते से जा रही थीं। इसी दौरान एक करीब 20 फीट लंबे अजगर ने उन पर हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, अजगर ने पहले महिला के पैर को जकड़ा और इसके बाद उसके शरीर को बुरी तरह लपेट लिया। माना जा रहा है कि सांप की पकड़ में दम घुटने से महिला की मौत हो गई। इसके बाद अजगर ने उनके शव को निगल लिया।फरीदा जब देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो उनके पति नोनी को चिंता हुई। उन्होंने ग्रामीणों और स्थानीय अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों ने जंगल में महिला की तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान उन्हें एक विशाल अजगर दिखाई दिया, जिसका पेट असामान्य रूप से फूला हुआ था। इसके बाद लोगों को शक हुआ कि महिला इसी सांप का शिकार हुई हैं। ग्रामीणों ने अजगर को पकड़ने के बाद उसके पेट को काटकर खोला। अंदर महिला का शव मिला। इसके बाद उनके अवशेषों को बाहर निकाला गया और धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। फरीदा के पति नोनी ने इस घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें जिंदगी भर इस बात का अफसोस रहेगा कि उन्होंने अपनी पत्नी को अकेले जंगल के रास्ते जाने दिया। उनका मानना था कि अगर वह उस समय उनके साथ होते तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था। इंडोनेशिया में इंसानों के अजगर का शिकार बनने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। 2022 में भी एक महिला के अजगर द्वारा निगले जाने की घटना सामने आई थी। इससे पहले 2018 में भी एक महिला के लापता होने के बाद उसका शव एक विशाल अजगर के पेट से बरामद किया गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक, इंडोनेशिया के कुछ ग्रामीण और जंगल से जुड़े इलाकों में बड़े आकार के अजगर पाए जाते हैं। ये आम तौर पर इंसानों से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन शिकार की तलाश या अचानक सामना होने पर हमला कर सकते हैं। ऐसे इलाकों में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में पहुंची छड़ी मुबारक यात्रा, खास पूजा सम्पन्न

श्रीनगर। वार्षिक अमरनाथ यात्रा का आखिरी चरण पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ शुरू हो गया है। भगवान शिव की पवित्र चांदी की गदा 'छड़ी मुबारक' को खास पूजा के लिए आज श्रीनगर के ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। पहाड़ी पर स्थित इस मंदिर में पूजा सालाना यात्रा से जुड़ी पुरानी परंपराओं के तहत की गई। इन रस्मों के दौरान वैदिक मंत्रों का जाप, प्रार्थनाएं और भक्ति-भाव वाले कार्यक्रम हुए जिनमें साधुओं और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के आखिरी चरण में छड़ी मुबारक को पारंपरिक रूप से इसके संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरी ले जाते हैं। यह पवित्र गदा पारंपरिक रास्ते से अमरनाथ गुफा मंदिर की ओर जाएगी, जहां आखिरी पूजा और दर्शन के साथ यात्रा संपन्न होगी। इन रस्मों में जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लोगों की शांति, समृद्धि और भलाई के लिए प्रार्थना की जाती है। अमरनाथ यात्रा में छड़ी मुबारक का खास धार्मिक महत्व है और इसकी आखिरी यात्रा को सालाना यात्रा का आध्यात्मिक समापन माना जाता है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शंकराचार्य मंदिर में 'अमरनाथ छड़ी मुबारक' की पूजा सम्पन्न होने के साथ ही अब 22 अगस्त को श्रीनगर से पहलगाम के लिए रवाना होगी। इस साल छड़ी मुबारक की अंतिम पूजा 28 अगस्त को अमरनाथ गुफा में की जाएगी। श्रीनगर के दशनामी अखाड़े में स्थित शिव मंदिर में पवित्र अमरनाथ गुफा जाने वाली छड़ी मुबारक की पूजा "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयकारों के बीच की गई। सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार गुफा ले जाने से पहले शंकराचार्य मंदिर में छड़ी मुबारक की पूजा की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महंत और साधु शामिल हुए। छड़ी मुबारक पूजा का बड़ा महत्व है। अमरनाथ यात्रा पारंपरिक रूप से छड़ी मुबारक की शुरुआती पूजा के साथ ही शुरू होती है। इस पवित्र छड़ी को कश्मीर के कई मंदिरों में ले जाया जाता है जहां इसकी पूजा की जाती है। अमरनाथ गुफा में अंतिम समारोह पूरा होने के बाद पहलगाम में लिद्दर नदी के किनारे अंतिम अनुष्ठान के साथ यह यात्रा संपन्न होती है।

हरियाणा के नूंह में मदरसा छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति और शिक्षा का दिया संदेश

नूंह। हरियाणा राज्य के नूंह ज़िले में पसमांदा विकास फाउंडेशन की ओर से बुधवार को देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यासीन मेव डिग्री कॉलेज से शुरू हुई यात्रा में जिले के विभिन्न इस्लामी मदरसों में पढ़ने वाली सैकड़ों छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्राएं एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुईं। पसमांदा विकास फाउंडेशन के अध्यक्ष मौहम्मद मेराज राईन ने कहा कि फाउंडेशन समाज के उत्थान और बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को लेकर समाज में कई तरह की धारणाएं बनी हुई हैं। इसी को दूर करने और यह संदेश देने के लिए यात्रा निकाली गई कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चे भी देश और समाज की प्रगति में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को जिहादी कहे जाने से समाज के लोगों को दुख होता है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों को कुरान से जितना प्रेम है, उतना ही देश के तिरंगे और भारत से भी प्रेम है। यात्रा के माध्यम से भाईचारे, देशभक्ति और शिक्षा का संदेश दिया गया। फाउंडेशन अध्यक्ष ने कहा कि मुस्लिम समाज के बच्चे भी आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर और इंजीनियर बनना चाहते हैं, लेकिन कई जगह संसाधनों की कमी उनके सामने चुनौती है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को कंप्यूटर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक और तकनीकी शिक्षा भी हासिल कर सकें और देश की प्रगति में योगदान दे सकें। वहीं, पसमांदा विकास फाउंडेशन की महिला अध्यक्ष निकहत परवीन ने कहा कि पसमांदा समाज की बेटियां अब पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल बच्चियां मदरसों में पढ़ती हैं और दिनी तालीम के साथ-साथ बुनियादी शिक्षा भी हासिल कर रही हैं। यात्रा में बच्चियों की भागीदारी को उन्होंने शिक्षा, जागरूकता और आगे बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। जिला प्रशासन की तरफ से कुंवर आदित्य विक्रम एसडीएम नूंह ने पसमांदा विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को झंडा दिखाकर रवाना किया।

इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक निकाली गई तिरंगा यात्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार को इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम देशभर में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों आदि ने भी भागीदारी की और हाथों में तिरंगा थामकर राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को व्यक्त किया। यह तिरंगा यात्रा इंडिया गेट से शुरू होकर रफी मार्ग, कर्तव्य पथ तक निकाली गई। यात्रा में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक भी उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के साथ एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। युवाओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर पूरे उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। यह भागीदारी स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों के प्रति सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका का संदेश देती नजर आई।

इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव की भावना से देश का हर वर्ग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहा है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि इस स्वतंत्रता दिवस अपने अमर शहीदों को नमन करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को याद करने का भी अवसर है। आजादी के बाद भारत ने अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विकास, विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह यात्रा देश के करोड़ों नागरिकों के परिश्रम, संकल्प और सामूहिक योगदान की कहानी है। हर राष्ट्र की यात्रा में चुनौतियां और सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है, लेकिन स्वतंत्रता दिवस हमें यह देखने का अवसर देता है कि हमने कहां से शुरुआत की थी और आज कहां तक पहुंचे हैं। भारत की उपलब्धियों पर गर्व करते हुए हमें आने वाले वर्षों के लिए और बड़े संकल्प लेने चाहिए। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि इस स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक घर तिरंगे के रंग में रंगे और देशभक्ति की भावना हर नागरिक के मन में दिखाई दे।

मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर पर लगा प्रतिबंध, मुख्यमंत्री ने जारी किए निर्देश

एजेंसी, भोपाल

महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इसके स्पष्ट निर्देश दिए। सरकार का उद्देश्य नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों पर लगाम लगाकर प्राकृतिक दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है।

दरअसल, एनालॉग पनीर को असली दूध के विकल्प के रूप में तैयार किया जाता है। इसे बनाने में असली दूध के बजाय या दूध के साथ वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट), स्टार्च और अन्य रसायनों/सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। लागत कम होने के कारण बाजार में होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर इसकी खपत काफी बढ़ गई थी। मध्य प्रदेश में रोजाना करीब 300 से 400 क्विंटल यानी महीने में लगभग 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर की बिक्री का अनुमान जताया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि हम प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढाएंगे और प्राकृतिक रूप से ही पनीर बनाएंगे। बुधवार को गुजरात रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री निवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य राज्यों की तरह मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर पूरी तरह रोक लगाई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी और असली दूध से बने गुणवत्तापूर्ण पनीर के उत्पादन को ही बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो। गौरतलब है कि, एनालॉग पनीर की बिक्री पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भी सख्त रुख अपनाया है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने एनालॉग पनीर को स्वास्थ्य के लिए घातक बताते हुए कहा कि केवल वैधानिक चेतावनी (जैसे सिगरेट के पैकेट पर) लिख देने से खतरा कम नहीं होता। उन्होंने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को नोटिस जारी करने की बात कही और स्पष्ट किया कि साधारण जांच से इसे पकड़ना मुश्किल होता है, इसलिए राज्यों द्वारा इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना ही उचित कदम है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर लगे आरोपों को जांच समिति ने सही माना, रिपोर्ट लोकसभा में पेश

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यायमूर्ति यशंवत वर्मा के आवास से बिना हिसाब की नकदी बरामद होने के मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति ने उनपर लगे तीनों आरोपों को सही पाया है। समिति के अनुसार उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में बिना हिसाब की नकदी मिली थी।

लोकसभा में आज समिति की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा गया। रिपोर्ट के अनुसार उनके खिलाफ किसी तरह की साजिश होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। यह भी कहा गया है कि इतनी बड़ी मात्रा नकद नजरअंदाज रहे, यह नहीं हो सकता। समिति ने यह भी कहा कि घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्यों को उचित तरीके से सुरक्षित नहीं रखा गया और न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं थे। हालांकि समिति ने यह निष्कर्ष नहीं निकाला कि स्टोररूम में मिले नोट उनके थे। इसपर भी समिति ने 'स्टोररूम पर नियंत्रण नहीं था' वाली दलील को व्यापक रूप में स्वीकार नहीं किया।

उल्लेखनीय है कि 14 मार्च 2025 को 30 तुगलक क्रिसेंट स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद कथित तौर पर जली हुई नकदी मिली थी।

जांच समिति ने यशंवत वर्मा के खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही पाया है। समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा है कि आधिकारिक आवास परिसर में बड़ी मात्रा में 500 रुपये के नोट पाए गए, जिनकी मौजूदगी, स्रोत और स्वामित्व को लेकर संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। समिति ने साक्ष्यों के संरक्षण में भी गंभीर चूक पाई और कहा कि पूरे मामले में जज की ओर से दिया गया स्पष्टीकरण अपेक्षित पारदर्शिता और संस्थागत जिम्मेदारी के अनुरूप नहीं था।

राष्ट्रपति भवन के 'एट होम' समारोह में दिखेगी छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय विरासत

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह 'एट होम' में विशेष स्थान मिलेगा। भारत की स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की जीवंत लोक एवं पारंपरिक कला परंपराओं के माध्यम से संस्कृति, समुदाय और प्रकृति के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन के अनुसार, समारोह में राज्य की ओर से गेंड़ी और गौर मड़िया नृत्य प्रमुख आकर्षण होंगे। हरेली पर्व से जुड़ा गेंड़ी नृत्य ऊंची बांस की गेंड़ियों पर कलाकारों के संतुलन, फुर्ती और कौशल को प्रदर्शित करता है। यह छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में विशेष रूप से मुड़िया और गोंड जनजातीय समुदायों की पारंपरिक लोक संस्कृति से जुड़ा है और वर्षा ऋतु की शुरुआत में हरेली तिहार के अवसर पर किया जाता है।

वहीं, बस्तर के मड़िया समुदाय से जुड़ा गौर मड़िया नृत्य पारंपरिक वेशभूषा और विशिष्ट शिरोभूषण के माध्यम से जनजातीय जीवन, वीरता और प्रकृति के साथ समुदाय के गहरे संबंध को अभिव्यक्त करता है। समारोह में छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के करीब 35 कलाकार विभिन्न लोक नृत्यों और पारंपरिक संगीत प्रस्तुतियों में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में लावणी, तुतारी, सोंगी मुखावटे, गेंड़ी, गौर मड़िया, भगोरिया, बैगा करमा, सामई और घोड़े मोडनी जैसी लोक प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

पूरी संगीत प्रस्तुति को भारत की विविध लोक परंपराओं की सांस्कृतिक यात्रा के रूप में तैयार किया गया है। इसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ और बस्तर की पारंपरिक अनुष्ठानिक परंपराओं पर आधारित मंगल धुन से होगी। इसके बाद महाराष्ट्र, गोवा और मध्य प्रदेश की संगीत परंपराओं को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में चारों राज्यों के कलाकार संयुक्त प्रस्तुति देंगे। संगीत प्रस्तुति का संयोजन छत्तीसगढ़ के लोक गायक, संगीतकार, लेखक और रंगकर्मी राकेश कुमार तिवारी ने किया है। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित तिवारी छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के संरक्षण और संवर्धन के लिए जाने जाते हैं।

इस प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ के बालोद और नारायणपुर जिले के कलाकार भी हिस्सा लेंगे। बालोद के कलाकार मोहरी, दफड़ा, दमाऊ, गुडुम और बांसुरी जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति देंगे। वहीं, नारायणपुर के कलाकार गुटा परई, नार परई, ढोल और कुंदिर जैसे वाद्ययंत्रों के जरिए बस्तर की पारंपरिक संगीत विरासत को राष्ट्रीय मंच पर सामने लाएंगे।

गृहमंत्री के चर्चा के प्रस्ताव पर राहुल का पलटवार भाषण नहीं, छात्रों पर कार्रवाई का जवाब चाहिए

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संसद में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा के लिए सरकार के तैयार होने और विपक्ष को 24 घंटे का समय देने के बयान पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष गृहमंत्री का भाषण सुनने में रुचि नहीं रखता। उनकी मांग केवल यह जानने की है कि दिल्ली में छात्रों पर गोली चलाने और उनके खिलाफ बल प्रयोग का आदेश किसने दिया था।

राहुल गांधी ने बुधवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विपक्ष यह जानना चाहता है कि छात्रों पर गोली किसने चलाई, गोली चलाने का आदेश किसने दिया, एक छात्र की आंखों की रोशनी किस तरह गई और एक छात्र के कान में गोली किसने मारी। छात्रों पर लाठी चलाने और कथित तौर पर कीलों वाले डंडों के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया, इसका जवाब गृहमंत्री को देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस और आरएसी गृह मंत्रालय के अधीन हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने छात्रों पर कार्रवाई का आदेश दिया था या नहीं, उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए। अगर शाह ने आदेश दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और अगर उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी तो भी उन्हें अपनी जिम्मेदारी को लेकर इस्तीफा देना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि सवाल यह नहीं है कि अमित शाह संसद में आकर क्या भाषण देंगे। विपक्ष छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर स्पष्ट जवाब चाहता है। पिछले 20 दिनों से गृहमंत्री संसद में इस मुद्दे पर सामने नहीं आए और अब सत्र के अंतिम दौर में चर्चा की पेशकश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से यह कहा जा रहा है कि गृहमंत्री सभी सवालों का जवाब देंगे लेकिन विपक्ष पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह किस सवाल का जवाब चाहता है। वह छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा के पक्ष में नहीं हैं और इस मुद्दे पर खुले तौर पर अपनी बात रख रहे हैं।

इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि सरकार छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े हर पहलू पर चर्चा के लिए तैयार है। शाह ने कहा कि विपक्ष बुधवार दोपहर तीन बजे तक लोकसभा अध्यक्ष को चर्चा के लिए पत्र दे तो सरकार तीन बजे से अगले दिन तीन बजे तक चर्चा कराने के लिए तैयार है और वह खुद पूरी चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहकर सभी सवालों का जवाब देंगे। मानसून सत्र शुरू होने के बाद से वह नियमित रूप से संसद आ रहे हैं और अपने कक्ष में मौजूद रहते हैं, लेकिन विपक्ष दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है।

जगतार सिंह हवारा की पैरोल के लिए राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री मान

एजेंसी, चंडीगढ़

राज्यपाल की सिफारिश पर केंद्र सरकार लेगी फैसला

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बेअंत सिंह की हत्या के दोषी जगतार सिंह हवारा की पैरोल का मामला गरमा गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर जगतार सिंह हवारा को मानवीय आधार पर 10 दिन की पैरोल देने के लिए सिफारिश करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 साल बाद उनकी बीमार माता के अपने बेटे से मिलने की उम्मीद फिर से जगी है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस मामले में राज्यपाल की सिफारिश आवश्यक है, क्योंकि मामले की सुनवाई दिल्ली में चल रही है। उन्होंने साथ ही भरोसा दिलाया कि यदि हवारा को पैरोल दी जाती है, तो पंजाब सरकार कानून-व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पडऩे देने के लिए पूरी जिम्मेदारी निभाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जगतार सिंह हवारा पिछले 31 वर्षों से जेल में बंद हैं। उनकी माता वृद्धावस्था में हैं, उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं और इस समय अर्ध-बेहोशी की अवस्था में हैं। उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए मैंने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वे जगतार सिंह हवारा को जल्द से जल्द 10 दिन की पैरोल देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करें, ताकि वह अपनी माता से मिल सकें।

विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: किरण रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को कहा कि वह मौजूदा स्थिति से निराश हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में पहली बार वे ऐसी स्थिति देख रहे हैं, जब सरकार खुद संसद में चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा है। किरण रिजिजू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "मैं पूरी तरह निराश हूं। पहली बार अपने जीवन में ऐसी स्थिति देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा चाहती है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है।"

उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में सामान्य तौर पर विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार उस पर जवाब देती है लेकिन मौजूदा स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से कह रही है कि वह चर्चा कराने और सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष सरकार का जवाब सुनना नहीं चाहता। रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने विपक्ष के सामने बार-बार चर्चा के लिए अपनी सहमति और तत्परता जाहिर की लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हो रहा है। इसी वजह से केंद्रीय गृहमंत्री को एकबार फिर लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखना पड़ा। रिजिजू के मुताबिक, गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में दोहराया है कि सरकार सदन में खुले, व्यापक और विस्तृत तरीके से चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्षी नेताओं को चर्चा के लिए सहमत कराने का आग्रह किया है।

परिसीमन के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पारित, लोकसभा की 543 सीटें स्थायी रखने की मांग

एजेंसी, चेन्नई

लोकसभा में सांसदों की मौजूदा संख्या 543 को स्थायी बनाए रखने और प्रस्तावित परिसीमन के कारण दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को रोकने की मांग को लेकर तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने विधानसभा में यह प्रस्ताव पेश किया। चर्चा के बाद इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री विजय ने सरकार की ओर से प्रस्ताव रखा और सदन को संबोधित किया। प्रस्ताव में केंद्र सरकार से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को स्थायी रूप से बनाए रखने तथा राज्यों के बीच सीटों के बंटवारे में स्थिरता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। इसके साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को बिना किसी देरी के मौजूदा 543 लोकसभा सीटों के आधार पर वर्ष 2029 के आम चुनाव में लागू करने की मांग की गई है।

महिला आरक्षण में देरी नहीं करने की मांग: प्रस्ताव पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि केंद्र सरकार को महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं के लिए कोई रियायत नहीं, बल्कि उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि एक महिला के सशक्त होने से एक परिवार आगे बढ़ता है और हजारों महिलाओं के सशक्त होने से पूरा देश आगे बढ़ता है। उन्होंने महिलाओं को राजनीति में समान अवसर देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें राजनीतिक व्यवस्था में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं के लिए आरक्षण को जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लागू करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कानून पारित होने के बावजूद इसके क्रियान्वयन में देरी हो रही है। जनगणना और परिसीमन को आधार बनाकर महिला आरक्षण को आगे नहीं टाला जाना चाहिए।

परिसीमन से दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व पर असर की आशंका: विजय ने कहा कि यदि वर्ष 1971 के बाद की किसी जनगणना को आधार बनाकर परिसीमन किया जाता है तो तमिलनाडु सहित उन दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नीतियां अपनाईं, उन्हें परिसीमन के बाद राजनीतिक प्रतिनिधित्व में नुकसान नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, दक्षिणी राज्यों के लिए यह एक वास्तविक चिंता का विषय है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20: क्लासेन, मिलर गल्फ जायंट्स से जुड़े, ओमरजई और मुजारबानी की भी वापसी

एजेंसी, दुबई

दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र के लिए गल्फ जायंट्स से जुड़ गए हैं। दोनों को फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया है। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी आगामी सत्र के लिए टीम में वापसी करेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 का पांचवां सत्र 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक खेला जाएगा। गल्फ जायंट्स ने 2023 में टूर्नामेंट का पहला खिताब जीता था और अब टीम दूसरी बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। गल्फ जायंट्स के मुख्य कोच साइमन हेलमोट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में नए खिलाड़ियों का स्वागत

करते हुए कहा, "हम डेविड और हेनरिक का गल्फ जायंट्स परिवार में स्वागत करके बेहद खुश हैं और अजमतुल्लाह तथा ब्लेसिंग को भी वापस ला रहे हैं। ये विश्वस्तरीय खिलाड़ी और मैच जिताने वाले क्रिकेटर हैं, जो हमारी टीम में काफी गुणवत्ता और गहराई जोड़ेंगे। हमने एक मजबूत आधार तैयार किया है और खिलाड़ी नीलामी के जरिए हमारे पास सत्र पांच की तैयारी के लिए टीम को पूरा करने का एक और अवसर होगा।" दुनिया के बेहतरीन फिनिशरों में शामिल डेविड मिलर के पास टी-20 क्रिकेट का लंबा अनुभव है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट मिलाकर 571 टी-20 मुकाबलों में 12 हजार से अधिक रन बनाए हैं। मिलर 2022 में गुजरात टाइटंस की आईपीएल खिताबी जीत के अभियान का भी अहम हिस्सा रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के ही विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने 294 टी-20 मुकाबलों में 6,900 से अधिक रन बनाए हैं। क्लासेन डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में पहली बार इस लीग में खेलेंगे। अजमतुल्लाह ओमरजई ने पिछले सत्र में गल्फ जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 10 मैचों में 233 रन बनाने के साथ 12 विकेट भी हासिल किए थे। उनके प्रदर्शन को देखते हुए टीम ने उन्हें अगले सत्र के लिए भी बरकरार रखा है। वहीं, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी चोट के कारण पिछले सत्र में नहीं खेल सके थे। गल्फ जायंट्स के साथ 2023 में जुड़ने के बाद से उन्होंने 17 मैचों में 22 विकेट लिए हैं। 2024-25 सत्र में वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे और 10 मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे।

मयंक डागर ने की सार्थक रंजन की तारीफ, जिस तरह हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है

एजेंसी, नई दिल्ली

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में मंगलवार को वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में गेंदबाज मयंक डागर और कप्तान सार्थक रंजन की अहम भूमिका रही। जीत के बाद डागर ने कहा, "यह हमारे लिए बेहद शानदार और एकतरफा जीत थी। हमने गेंदबाजी में उन्हें कम स्कोर पर रोका और फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।" उन्होंने टीम के संतुलन की तारीफ करते हुए कहा, "हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता

है और टीम में यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। हम सभी के बीच तालमेल बहुत अच्छा चल रहा है। अगर आप हमारी बल्लेबाजी देखें तो हमारे मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम को अभी तक बल्लेबाजी करने का मौका ही नहीं मिला है। यह अच्छी बात है क्योंकि हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जिम्मेदारी ले रहे हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।" डागर ने कप्तान सार्थक रंजन की शानदार फॉर्म की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "जिस तरह हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है। हमने अंडर-16 और अंडर-19 स्तर से काफी क्रिकेट साथ खेली है। इसलिए मैंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ते हुए देखा है। वह वास्तव में इस अवसर के हकदार हैं।" डागर ने मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए। अपनी खास विकेट सेलिब्रेशन के बारे में उन्होंने बताया कि यह फुटबॉल स्टार पॉल पोग्बा से प्रेरित है। उन्होंने कहा, "यह वास्तव में पॉल पोग्बा से प्रेरित है। जब मैंने पहली बार फुटबॉल देखना शुरू किया था, तब मैंने उन्हें यह सेलिब्रेशन करते देखा था और मुझे यह काफी पसंद आया। इसलिए मैंने आज इसे करने का फैसला किया।"

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन घोषित, हेजलवुड की वापसी

एजेंसी, डार्विन

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। हेजलवुड करीब

आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है। बोलैंड ने पिछली गर्मियों में एशेज श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट खेले थे। उस दौरान कमिंस, हेजलवुड और लियोन के अलग-अलग समय पर उपलब्ध नहीं रहने के कारण उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, आने वाले व्यस्त कार्यक्रम में बोलैंड ऑस्ट्रेलिया की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया के 21 टेस्ट तक खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 13 से 17 अगस्त तक डार्विन के मरारा स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 22 से 26 अगस्त तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होगा। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया दूसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन : जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

बांग्लादेश की टीम : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजिद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीट हसन, जाकेर अली, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी और मुशफिक हसन।

कनाडा ओपनः नाओमी ओसाका को हराकर एलेना रायबाकिना सेमीफाइनल में

एजेंसी, मॉन्ट्रियल

दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते

हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरुआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। रायबाकिना ने टाईब्रेक 7-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2-3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी।

शुभमन के पास 183 रनों की पारी खेलकर विशिष्ट क्लब में आने का अवसर

एजेंसी, कोलंबो

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के पास श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 183 रनों की पारी खेलकर एक विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनने का अवसर है। अभी इस क्लब में तीन महान कप्तान, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली हैं। इसे मिथक कहें या कुछ और इन तीनों दिग्गजों ने अपने करियर के अहम मोड़ पर एकदिवसीय क्रिकेट में 183 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली है, जिससे बाद से ही इनकी नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आयी और ये तीनो ही महान कप्तानी बने। इसी प्रकार अब भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के पास भ्री श्रीलंका दौरे पर इस 183 रनें के क्लब में शामिल होने और इन दिग्गजों की राह पर चलने का सुनहरा अवसर है। भारतीय क्रिकेट इतिहास में 183 का आंकड़ा महज एक स्कोर नहीं, बल्कि एक ऐसी विरासत है जिसने भारत के सबसे सफल कप्तानों के करियर को एक नई दिशा दी है। सबसे पहले 1999 विश्व कप में सौरव गांगुली ने

टॉन्टन में श्रीलंका के खिलाफ 183 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। उसके बाद से ही उनकी कप्तानी में एक अलग प्रकार की आक्रामकता आई थी। इसी प्रकार साल 2005 में धोनी ने जयपुर में श्रीलंका के विरुद्ध लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 183 रन बनाये थे और वह विश्व के सबसे खतरनाक फिनिशर के रूप में निखकर सामने आये और इसी कारण उन्हें भारत के सबसे सफल कप्तान के तौर पर पहचान मिली। अंत में, 2012 के एशिया कप में विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ ढाका में 183 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी।

हर घर तिरंगा रैली में बोले खेल मंत्री, फिटनेस के साथ प्रदूषण और ट्रैफिक का भी समाधान है साइकिल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को दिल्ली में 'हर घर तिरंगा' साइकिल रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न केवल फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि प्रदूषण और यातायात जैसी समस्याओं से निपटने में भी मददगार हो सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से आयोजित इस रैली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान पत्रकारों से बातचीत में डॉ. मांडविया ने कहा, "दिल्ली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हर घर तिरंगा साइकिल रैली के माध्यम से देश को फिटनेस का संदेश दिया है। किसी भी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि देश के नागरिक स्वस्थ रहें।" उन्होंने साइकिल चलाने के व्यापक लाभों पर जोर देते हुए कहा, "साइकिल फिटनेस का संदेश है, साइकिल प्रदूषण का समाधान है और साइकिल यातायात की समस्या का

भी समाधान है।" स्वतंत्रता दिवस के आसपास आयोजित कार्यक्रमों के तहत डॉ. मांडविया ने मायभारत स्वयंसेवकों के साथ 'हर घर तिरंगा' रैली में भी हिस्सा लिया। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्राओं और तिरंगा रैलियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने इसे भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताते हुए विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से जोड़ने का आह्वान किया। अमित शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान हमारे राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का प्रतिबिंब है। यह हमें विकसित भारत के निर्माण के संकल्प में एकजुट करता है। इस वर्ष यह अभियान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर से जुड़ा है, जिससे हर देशभक्त के लिए इसका महत्व और बढ़ गया है।" उन्होंने नागरिकों से तिरंगा यात्राओं, तिरंगा रैलियों और सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन में भाग लेने के साथ घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा वेबसाइट पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त को नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प को दोहराने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि तिरंगा देश का गौरव और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है। उन्होंने इस वर्ष के अभियान को वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित किए जाने पर भी खुशी जताई थी।

2022 में शुरू हुआ था हर घर तिरंगा अभियान : 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत वर्ष 2022 में शुरू हुआ हर घर तिरंगा अभियान अब हर स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय परंपरा बन चुका है। इसके तहत करोड़ों नागरिक स्वेच्छा से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। इस वर्ष अभियान का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि यह वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के साथ आयोजित किया जा रहा है। देशभर में हर घर तिरंगा कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम् का सामूहिक गायन भी प्रमुख हिस्सा होगा।

मॉन्ट्रियल ओपनः बेन शेल्टन का शानदार प्रदर्शन जारी, बिना सेट गंवाए सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी, मॉन्ट्रियल

गत चैंपियन अमेरिका के बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट (मॉन्ट्रियल ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के याकुब मेन्सिक को लगातार सेटों में 6-3, 6-1 से हराया। 23 वर्षीय शेल्टन ने इस साल के कनाडाई एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार चौथी जीत दर्ज की और चारों मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। मेन्सिक के खिलाफ शेल्टन ने 18 विनर्स लगाए और सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए। उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर 89 प्रतिशत अंक जीते। मुकाबले में उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। शेल्टन ने मैच के दौरान 147 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सर्विस भी की। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, "यह शानदार लगा। मैं अपनी रिटर्न गेम से बहुत खुश था। ग्राउंड से जिस तरह मैंने पहले अंक से खेला, मैं इसी स्तर का प्रदर्शन करना चाहता हूं। पूरे मैच के दौरान मैं जिस स्तर को बनाए

रखने में सफल रहा, उससे मैं बेहद खुश हूं। उम्मीद है कि सेमीफाइनल में भी इस प्रदर्शन को आगे बढ़ा पाऊंगा।"मॉन्ट्रियल टूर्नामेंट के ड्रॉ में बचे एकमात्र शीर्ष-10 खिलाड़ी शेल्टन का सेमीफाइनल में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से मुकाबला होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक दो मुकाबले हुए हैं और दोनों में टीएन ने जीत दर्ज की है। इस साल इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में भी टीएन ने शेल्टन को हराया था। टीएन ने क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेरिडा को 6-3, 6-2 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

रॉटरडैम डॉकर्स की जर्सी लॉन्च, जोंटी रोड्स और जॉन अब्राहम ने किया अनावरण

एजेंसी, मुंबई

यूरोप में क्रिकेट को नई पहचान देने की तैयारी कर रही यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र से पहले रॉटरडैम डॉकर्स ने अपनी आधिकारिक जर्सी लॉन्च कर दी है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में टीम के सह-मालिक और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स, अभिनेता एवं सह-मालिक जॉन अब्राहम और फ्रेंचाइजी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मधुकर श्री की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर फ्रेंचाइजी ने फायरफ्लाइज डॉट एआई को अपना आधिकारिक जर्सी पार्टनर बनाने की घोषणा भी की। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ कृष्ण रमीनेनी रॉटरडैम डॉकर्स के फाउंडिंग इन्वेस्टर के रूप में भी टीम से जुड़ गए हैं। इस साझेदारी

का उद्देश्य क्रिकेट, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है। जोंटी रोड्स ने कहा कि रॉटरडैम यूरोप का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और डॉकर्स की कोशिश यूरोप में क्रिकेट के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने की होगी। उन्होंने खास तौर पर नीदरलैंड्स सहित यूरोप के युवा क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का अवसर देने की बात कही। जॉन अब्राहम ने कहा कि ईटीपीएल के जरिए नीदरलैंड्स, आयरलैंड और स्कॉटलैंड में जमीनी स्तर पर क्रिकेट प्रतिभाओं को विकसित करने का अवसर मिलेगा। उनका मानना है कि इस लीग से क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है।

रॉटरडैम डॉकर्स ईटीपीएल के उद्घाटन मुकाबले में 26 अगस्त को वूरबर्ग में एम्स्टर्डम फ्लेम्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। टीम के सह-मालिकों में जोंटी रोड्स, जॉन अब्राहम और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस शामिल हैं। डु प्लेसिस टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में हेनरिक क्लासेन, एनरिक नॉर्खिया, लोगान वैन बीक और रोएलोफ वैन डर मर्वे जैसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी भी शामिल हैं। इनके साथ नीदरलैंड्स के उभरते क्रिकेटरों को भी टीम में जगह दी गई है।

औरैया के लाल आर्यन सिंह राजावत ने नेपाल में जीता गोल्ड

एजेंसी, औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रूपशाह निवासी 15 वर्षीय युवा फुटबॉल खिलाड़ी आर्यन सिंह राजावत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2082 की अंडर-18 फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्यन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

आर्यन, अजीत सिंह राजावत एवं अंजू सिंह के पुत्र हैं। नेपाल में शानदार प्रदर्शन के बाद अब उनका चयन थाईलैंड चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आर्यन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चैंपियनशिप का

आयोजन 27 से 31 अगस्त 2026 तक बैंकॉक में किया जाएगा। आर्यन अब भारत की जर्सी में मैदान पर उतरकर देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटे हैं।

आर्यन की इस सफलता में उनके प्रशिक्षक राकेश सरसैया के मार्गदर्शन के साथ मां कंकेश्वरी स्पोर्ट्स, इंदौर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परिवार की ओर से उनकी बहन वांशिका लगातार उनका उत्साह बढ़ा रही हैं। परिजनों का सहयोग और प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन आर्यन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहा है। नेपाल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद आर्यन के थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करने की खबर से परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने आर्यन की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नेपाल में गोल्ड के बाद अब बैंकॉक में तिरंगा लहराने की तैयारी है। आर्यन की उपलब्धि न केवल औरैया बल्कि क्षेत्र के उन युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बनी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

स्टेनोग्राफर एक अच्छा कॅरियर विकल्प

जिन युवाओं की इच्छा सरकारी नौकरी करने की है। उनके लिए स्टेनोग्राफी एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है। यह 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद स्टेनोग्राफी करियर का एक अच्छा क्षेत्र है। स्टेनोग्राफर के पद का वेतनमान आकर्षक होता है। यह कम खर्चीला भी होता है। स्टेनोग्राफर पर कार्यालय या संस्था के गोपनीय रिकॉर्डों को संभालने का दायित्व रहता है। स्टेनोग्राफर अपने अधिकारी के प्रति विश्वनीय पद है। इस पद पर काम करना एक गरिमापूर्ण व चुनौतीपूर्ण है। अच्छी खासी तनख्वाह ऊपर से सरकारी नौकरी का रौब अलग। यही बातें हैं जो युवाओं को स्टेनोग्राफी की तरफ आकर्षित करती हैं, लेकिन इसमें कड़ी मेहनत की आवशकता होती है।

स्टेनोग्राफी आशय होता है संक्षिप्त लेखन जिसे अंग्रेजी में शॉर्टहैंड कहा जाता है एक प्रकार की लेखन विधि होती है। हमारे देश में स्टेनोग्राफर के पद अदालतों, शासकीय कार्यालयों, मंत्रालयों, रेलवे विभागों में होते हैं। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के लिए कड़े परिश्रम की आवशकता होती है, क्योंकि इस भाषा में शब्द गति होना आवश्यक है। एक कुशल स्टेनोग्राफर बनने के लिए उस विषय की भाषा का व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। स्टेनोग्राफर बनने के लिए 100 शब्द प्रति मिनट की गति उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है। देश में विभिन्न संस्थाएं स्टेनोग्राफर के कोर्स करवाए जाते हैं। देश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई में भी स्टेनोग्राफर का एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है। इन संस्थानों में 100 शब्द प्रति मिनट की गति से परीक्षाएं भी ली जाती हैं। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद आप स्टेनोग्राफर बन सकते हैं। सरकारी विभागों द्वारा विज्ञापनों में स्टेनोग्राफर की भर्तियां निकाली जाती हैं।

महत्वपूर्ण पद

हर सरकारी दफ्तर में स्टेनोग्राफर के कई पद होते हैं। स्टेनोग्राफर गरिमापूर्ण पद होता है क्योंकि उसकी नियुक्ति विभागाध्यक्ष के निजी सहायक के रूप में होती है। वह कार्यालय के गोपनीय कार्य सम्भालना, डिक्टेशन कार्य और पीठासीन अधिकारी के प्रति विश्वसनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी संभालता है। स्टेनोग्राफर पद का वेतनमान भी आकर्षक है। यह द्वितीय श्रेणी का पद है। कुशल और तीव्र गति की स्टेनोग्राफी के माध्यम से सीधे ही राजपत्रित अधिकारी का पद भी प्राप्त किया जा सकता है जिससे संसद व विधानसभा में संसदीय रिपोर्टर के पद नियुक्ति प्राप्त की जा सकती है। यह बहुत आकर्षक पद होता है।

जरूरी योग्यता

स्टेनोग्राफर पद के लिए उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होना तथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी आशुलिपि में न्यूनतम 80 शब्द प्रति मिनट की गति होना आवश्यक है। इस पद के लिए न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 27 वर्ष तक की आयु निर्धारित है, कुछ विभागों में अधिकतम आयु 35 वर्ष तक निर्धारित है।

भर्ती

स्टेनोग्राफर पद की भर्ती संसद, विधानसभाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, रेल्वे भर्ती बोर्ड, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड तथा अन्य राजकीय उपक्रमों के माध्यम से की जाती है। इनके द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का पदस्थापन केंद्रीय सचिवालय, शासन सचिवालय, संसद, विधानसभाओं आदि सरकारी कार्यालयों में राजकीय कर्मचारी के रूप में किया जाता है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में आधुनिक कार्यालय प्रबंधन या मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एमओएम के रूप में कोर्स करवाए जाते हैं। इसमें आशुलिपि के अलावा कम्प्यूटर, टंकण एवं लेखा से संबंधित कोर्स भी सम्मिलित है। राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई में भी एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है।

युवाओं में आज भी बना हुआ है बैंकिंग जॉब्स का आकर्षण

देश में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार देने वाले सेक्टर के रूप में बैंकिंग इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के दूरदराज के इलाकों में बैंकों की नई शाखाएं खुलने तथा प्रति वर्ष लगभग 40-50 हजार बैंक कर्मियों के रिटायर होने अथवा स्वैच्छिक सेवा अवकाश लेने के कारण इस क्षेत्र में नियुक्तियां करने की प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है। युवाओं में आज भी बैंकिंग जॉब्स का आकर्षण बना हुआ है। यह इस बात से सिद्ध हो जाता है कि प्रति वर्ष लाखों नहीं बल्कि करोड़ों की संख्या में युवा बैंकिंग चयन परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इन्हीं प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बैंकों में क्लर्क और अधिकारी वर्ग की रिक्तियों को भरा जाता है।

वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य

देश की विशाल आबादी की ही तरह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र भी व्यापक है। इसका नेटवर्क देश के लगभग साढ़े पांच लाख गाँवों को अपनी परिधि में किसी न किसी रूप में अवश्य लिए हुए है। इस विस्तृत बैंकिंग ढांचे के अंतर्गत 27 पब्लिक सेक्टर बैंक, 22 प्राइवेट बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 रीजनल रूरल बैंक, 1589 शहरी को-ऑपरेटिव बैंक, 93550 ग्रामीण को-ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए व्यक्तिगत गुण

ऑफिस जॉब और जीवन में स्थिरता चाहने वाले युवाओं के लिए बैंकिंग सेक्टर एक बेहतर और उपयुक्त करिअर ऑप्शन माना जा सकता है। इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कारूरी है कि युवा में मैथ्स के साथ एकाउंटिंग में रुचि हो। पब्लिक डीलिंग का प्रावधान होने की वजह से धैर्यवान और गुस्से से कोसों दूर रहने जैसे गुण भी काफी उपयोगी कहे जा सकते हैं।

बैंकिंग चयन परीक्षाएं

इंस्टिट्यूट ऑफ़ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन (आई बी पी एस) द्वारा देश भर के बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं के लिए आवेदन से लेकर परीक्षा के पैटर्न आदि के बारे में आई बी पी एस की वेबसाईट से अधिकृत जानकारी हासिल की जा सकती है। इस संस्थान द्वारा आयोजित बैंकिंग परीक्षाओं में 2016-17 के दौरान लगभग 1.51 करोड़ प्रत्याशियों ने अखिल भारतीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन कराया था। इस तथ्य से इसकी क्षमता का सहज ही अंदाका हो जाता है। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया और इससे सम्बद्ध बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए एस बी आई द्वारा स्वयं चयन प्रक्रिया का संचालन किया जाता है।

बैंकिंग परीक्षाओं के पैटर्न

क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर के पदों की रिक्तियों को भरने के लिए बुनियादी तौर पर दो तरह के बैंकिंग एग्जाम्स का आयोजन किया जाता है। क्लेरिकल पदों के एग्जाम में इंग्लिश लैंग्वेज, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग, कम्प्यूटर एप्टीट्यूड, बैंकिंग/फाइनेंस इत्यादि पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रोबेशनरी ऑफिसर की रिक्तियों को भरने के लिए आयोजित परीक्षा में तीन स्तर पर चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू शामिल हैं। दोनों ही पदों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन ही है।

जॉब्स के प्रकार

प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी ओ) पर बैंक शाखा के प्रबंधन से लेकर अन्य प्रकार के समन्वयन संबंधित कार्यों का जिम्मा होता है और क्लर्क कैडर के कर्मियों द्वारा पब्लिक डीलिंग का काम मुस्तैदी से संभाला जाता है। मात्र तीन -चार वर्षों के बाद ही ये कर्मी भी पी ओ वर्ग की श्रेणी में प्रोन्नति पाकर पहुँच जाते हैं। इसके अतिरिक्त बैंकिंग इंडस्ट्री में विभागीय परीक्षाओं का समय-समय पर आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर समय से पूर्व प्रमोशन भी लिया जा सकता है।

बैंकिंग स्पेशियलिस्ट ऑफिसर

बैंकिंग सेक्टर में बहुसंख्यक कर्मी पी ओ और क्लेरिकल वर्ग के ही होते हैं,परन्तु इनके अलावा खास विधाओं में ट्रेंड कर्मियों की भी सभी बैंकों द्वारा नियुक्तियां की जाती हैं। इनमें इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी ऑफिसर(आई टी डिग्रीधारक) , एग्रीकल्चरल फील्ड ऑफिसर(एग्रीकल्चर साइंस में ग्रेजुएट), ह्युमन रिसोर्स ऑफिसर (ह्युमन रिसोर्स में एम बी ए/पर्सोनल मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा), लॉ ऑफिसर(एल एल बी डिग्रीधारक), मार्केटिंग ऑफिसर (मार्केटिंग की विधा में ट्रेंड), राजभाषा अधिकारी आदि का खास तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। इनके पदनामों से ही इनके कार्यकलापों के महत्व को समझा जा सकता है।

सैलरी

बैंकिंग इंडस्ट्री की सैलरी और इनके भत्तों को एक समय में काफी आकर्षक माना जाता था लेकिन वेतनमानों में मुद्रास्फीति की बढ़ती दरों के अनुसार संशोधन नहीं होने के कारण अब इनका आकर्षण कुछ कम हुआ है। बैंक कर्मी लगातार इस दिशा में संघर्षरत हैं और उम्मीद की जाती है कि निकट भविष्य में बैंकिंग इंडस्ट्री के वेतनमानों को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जा सकते हैं। इसके बावजूद करिअर निर्माण और स्थाई जॉब की दृष्टि से यह क्षेत्र अभी भी युवाओं की प्राथमिकताओं में काफी ऊपर है।

स्टार्टअप नहीं बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं युवा

मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के सामने आने वाली हालिया चुनौतियों के साथ, नौकरी चाहने वाले अब स्टार्टअप्स के बजाय बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं.

नौकरी और पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 73 प्रतिशत नौकरी चाहने वाले संगठन के साथ काम करने और करियर में आगे बढ़ने के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों को पसंद करते हैं. नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक केवल 27 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी करियर के विकास के लिए स्टार्टअप पर स्विच करने पर विचार करेंगे. अपना डॉट को के संस्थापक और सीईओ ने कहा, नौकरी चाहने वालों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ भारत का नौकरी बाजार तेजी से विकसित हो रहा है. ऐसे में नौकरी चाहने वाले अब बेहतर करियर की संभावनाओं के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं.

10 हजार नौकरी चाहने वालों से पूछे गए सवाल

रिपोर्ट तैयार करने के लिए में 10,000 से अधिक नौकरी चाहने वालों और 1,000 मानव संसाधन भर्तीकर्ताओं के बयानों को शामिल किया गया है.

इसके मुताबिक नियोक्ता एक कौशल-प्रथम दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहे हैं. रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नौकरी चाहने वाले नौकरी की तलाश करते समय, स्थान, आने जाने और वर्क लाइफ बैलेंस और कंपनी की संस्कृति के साथ-साथ वेतन के साथ-साथ करियर के विकास के अवसरों को प्राथमिकता देते हैं. लगभग 73 प्रतिशत भारतीय अपनी नौकरी की खोज में करियर के विकास को प्राथमिक कारक मानते हैं. यहां तक कि वर्क लाइफ बैलेंस और लचीले काम के घंटों के महत्व को भी पार कर जाते हैं. 10 में से लगभग 9 नियोक्ताओं ने कुशल पेशेवरों के महत्व को भर्ती के लिए एक प्रमुख मानदंड के रूप में पहचाना है, हालांकि 10 में से केवल 6 नियोक्ताओं ने अपने संगठनों में अपस्किलिंग कार्यक्रमों को लागू किया है. इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ता अब तकनीकी कौशल वाले उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में भूमिकाओं के लिए. लगभग 65 प्रतिशत पेशेवर नौकरी के साक्षात्कार में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल को एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री के रूप में महत्वपूर्ण मानते हैं.

स्टार्टअप्स में नौकरी जाने का डर

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं प्रासंगिक कौशल पर अधिक जोर देती हैं, 77 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने 51 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में इसके महत्व का संकेत दिया है. नौकरी के लिए बड़ी कंपनियों को चुनना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि लोग छंटनी से बचना चाहते हैं क्योंकि हाल के दिनों में स्टार्टअप्स में छंटनी तेजी से बढ़ी है. स्टार्टअप कवरेज पोर्टल ने एक रिपोर्ट जारी की थी. उसके मुताबिक देश में अब तक 84 स्टार्टअप द्वारा 24,256 कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है. कर्मचारियों को बर्खास्त करने वाले स्टार्टअप्स की सूची देश में बढ़ती ही जा रही है.

कब लें कॅरियर काउंसलर की सलाह

अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं। जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। इसे आप हाई स्कूल (सेकेंडरी) ही मानिए, क्योंकि इसके बाद ही स्टूडेंट्स के लिए स्ट्रीम चेंज करने का समय होता है और यही वह समय है, जब उन्हें प्रॉपर गाइडेंस की जरूरत होती है। पैरेंट्स को इसी फेज में बच्चों को करियर संबंधी गाइडेंस प्रोवाइड करवानी चाहिए। इससे उसे सही सब्जेक्ट चुनने में मदद मिलती है, बल्कि वह यह भी जान पाता है कि किन विषयों में वाकई उसका रूझान है। प्रोफेशनल काउंसलर मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से बातचीत करते हैं और मनोवैज्ञानिक या साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर स्टूडेंट के टैलेंट को समझते हैं। अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं।

दरअसल, करियर काउंसलिंग का सही समय वह है, अगर 11वीं में सही सब्जेक्ट का चुनाव न किया, तो पूरा करियर ही यू-टर्न ले सकता है। पैरेंट्स को बच्चे की पढ़ाई पर ध्यान तो देना ही चाहिए, जरूरत उन्हें यह समझने की भी है कि बच्चे की रुचि किन सब्जेक्ट्स में है और वह उनमें कैसा कर रहा है!

यह भी देखना चाहिए कि किन विषयों को पढ़ने में बच्चे का मन नहीं लगता। इसके बाद अभिभावक करियर के चुनाव में बच्चे की मदद कर सकते हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैरेंट्स बच्चों के लिए कितना वक्त निकाल पाते हैं, यह सबको मालूम है। बच्चे का रिजल्ट भले पैरेंट्स को पता हो, लेकिन वे अक्सर उसकी पसंद को समझने में चूक जाते हैं। सिर्फ किसी सब्जेक्ट में अच्छे नंबर लाना उस सब्जेक्ट में बच्चे के आगे बेहतर करने की गारंटी नहीं है।पैरेंट्स के लिए इस बात को समझना जरूरी है।

इंजीनियरिंग-मेडिकल जैसे क्षेत्रों के प्रति क्रेज का ही यह नतीजा है कि मन मुताबिक पढ़ाई न कर पाने की वजह से बच्चे तनाव में घिर रहे हैं। यहीं पर बच्चों यानी स्टूडेंट्स को काउंसलिंग की जरूरत होती है, ताकि उनके पैरेंट्स उनकी प्रतिभा को पहचान सकें और उसे अपनी पसंद के रास्ते पर बढने की इजाजत दे सकें। यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। हो सकता है उसकी रुचि गणित में न हो, क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रुचि उसमें न हो, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है। नए क्षेत्रों की जानकारी काउंसलिंग का एक सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि काउंसलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं, जिनसे आप अनजान होते हैं। काउंसलर आपको मार्केट ट्रेंड (देश-विदेश) के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गलाकाट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यूट का चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढ़त ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नोलॉजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई से इस क्षेत्र में क्रिकेट के अलावा नए ऑप्शन पर भी उभरे हैं। एक काउंसलर की सलाह यहीं कारगर होती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

'डेडलॉक्ड' नाम की एक्शन थ्रिलर हॉलीवुड फिल्म डायरेक्ट करेंगे निखिल नागेश भट्ट

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है। इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपुर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं। खबरें यह भी थीं कि वह सनी देओल के साथ 'परशुराम' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन 'डेडलॉक्ड' के ऐलान के बाद इस प्रोजेक्ट का क्या होगा, यह साफ नहीं है।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं। दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।''

तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''

तेजस्वी ने कहा, 'एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।' तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।

रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं खुद भी 'लॉक अप' का हिस्सा रह चुकी हूं। भले ही मेरा जुड़ाव शो से छोटे स्तर पर रहा हो, लेकिन उस शो का हिस्सा बनना और उसके मंच पर मौजूद रहना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव था।'' तेजस्वी ने आखिर में कहा, ''एकता कपूर की पहचान सिर्फ टेलीविजन तक सीमित नहीं है। वह फिल्ममेकर भी हैं और फिल्मों के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। उनके पास आने वाले समय के लिए कुछ नए और शानदार प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि एकता कपूर की चमक कम हो रही है।''

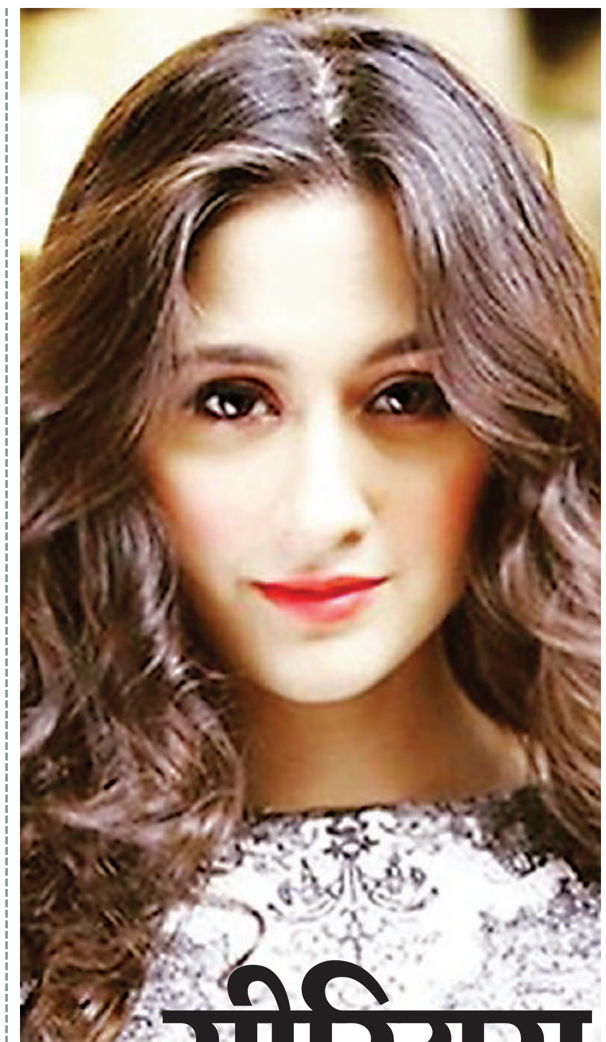

सीरियस एक्ट्रेस टैग पर बोलीं संजीदा शेख

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा।

'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा। संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।' संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना- मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।'

कॉमेडी के साथ किया एक्शन

'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आईं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।' संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।'

टॉक्सिक के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हैं रुक्मिणी वसंत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है। आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

अजुल के बाद नए सॉन्ग पर ट्रोल हुए गुरु रंधावा

गुरु रंधावा सोशल मीडिया पर अपने गानों और प्रेजेंटेशन को लेकर ट्रोल होते हैं। हाल ही में रिलीज हुए गाने 'फाइन शिट' के साथ भी ऐसा ही हुआ। यूजर्स को इसके बोल नहीं भाए हैं। बता दें कि पिछले साल भी अपने एक गाने 'अजुल' के कारण गुरु रंधावा खूब ट्रोल हुए थे। गुरु रंधावा के नए गाने में ऑफिस का सेटअप है। इसमें वह गाना गा रहे हैं और एक लड़की अजीब तरह का डांस कर रही है। यह डांस भी यूजर्स को नहीं भाया है। इस तरह की प्रेजेंटेशन पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए हैं। गुरु रंधावा के इस गाने को उनके साथ यशवी देसाई ने भी गाया है। वहीं म्यूजिक वीडियो में अर्शिया सिन्हा, रायमा ग्रोवर, मेहर कौर, रूही दोसानी जैसे सेलेब्स भी नजर आए। इस गाने के बोल गुरजीत ने लिखे हैं। यूट्यूब को इस गाने पर दो दिन में 6 मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके हैं।

इन गानों के लिए मशहूर रहे हैं गुरु रंधावा

गुरु रंधावा एक मशहूर पंजाबी सिंगर, म्यूजिक कंपोजर हैं। वह पंजाबी, इंडी-पॉप स्टाइल के गाने गाते हैं। वहीं बॉलीवुड में भी कई हिट गाने गा चुके हैं। इसमें 'नाच मेरी रानी', 'स्लोली स्लोली', 'बॉर्डर' और फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का गाना 'कौन नाचना' शामिल है।

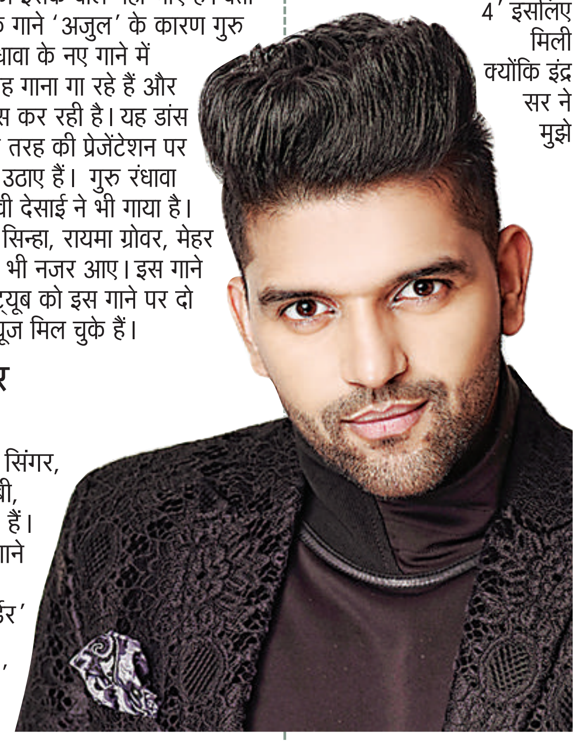

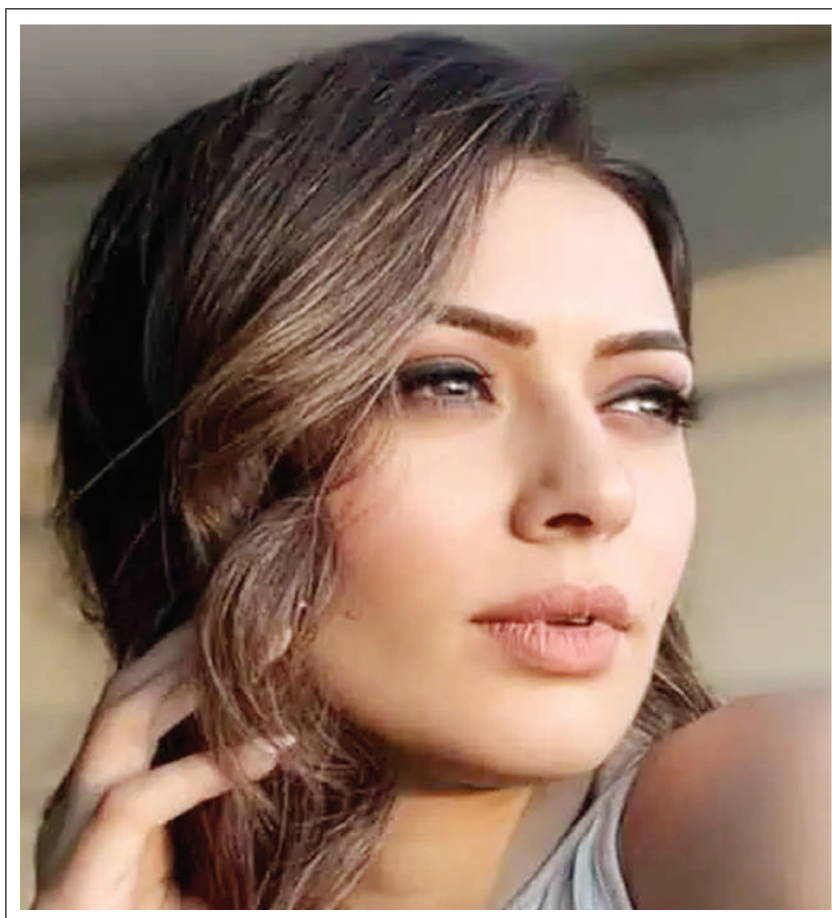

किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है हंसिका की कहानी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं।

मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए। हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर 'हंसिका लव शादी ड्रामा' नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है।

हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।